रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 02 अक्टूबर 2024 ● आश्विन अमावस्या संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 174 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

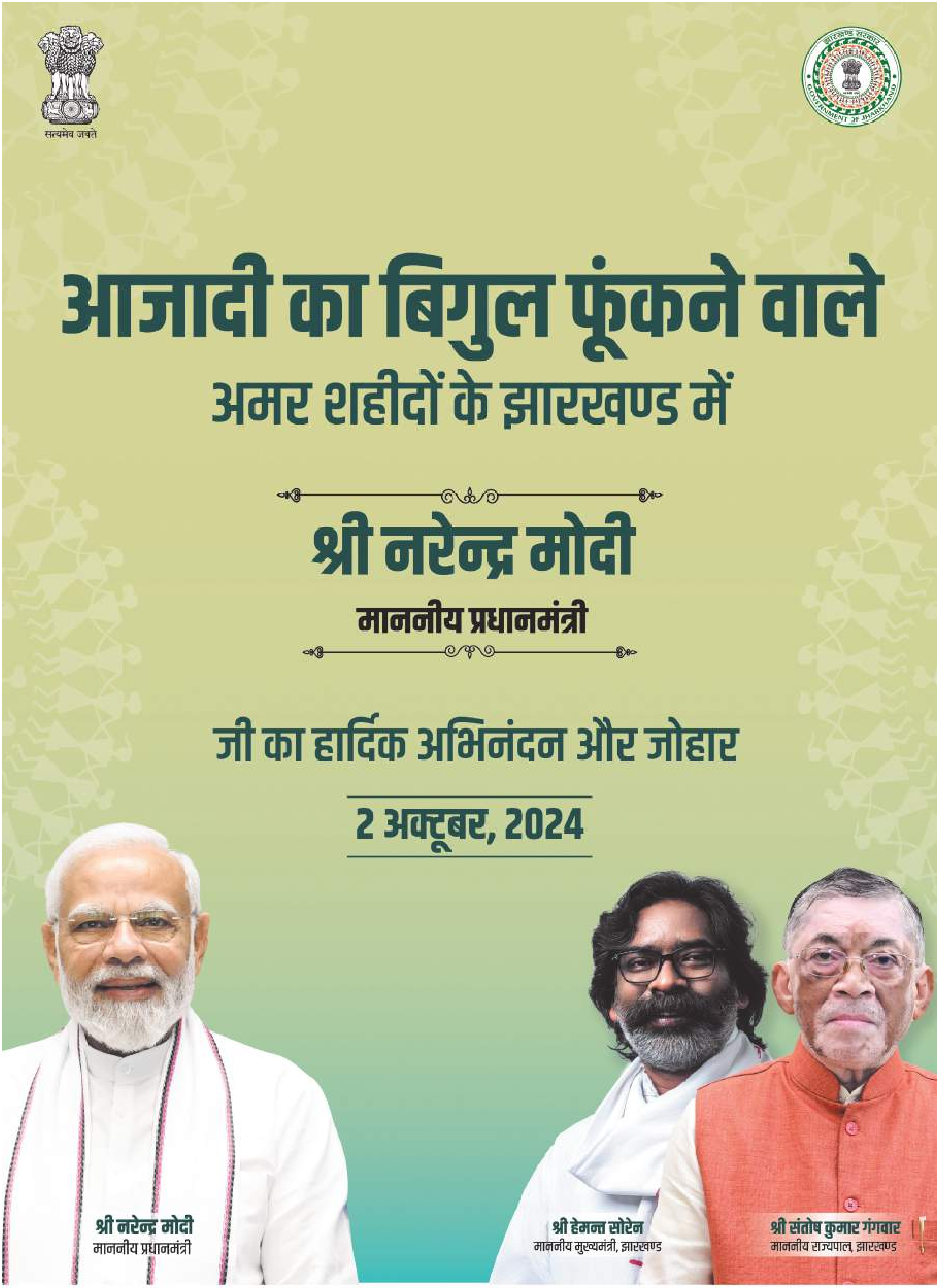

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन तैयार : झारखंड पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी से रिपोर्ट मांगी है

जबरन चंदा वसूली, संवेदनशील पंडाल समेत 17 बिंदुओं पर मांगी रिपोर्ट

वरीय संवाददाता। रांची

दुर्गा पूजा की शुरुआत तीन अक्टूबर से होगी. झारखंड के सभी जिलों में भव्य तरीके से दुर्गा पूजा का आयोजन किया जाएगा. सभी जगहों पर पूजा पंडाल का निर्माण लगभग पूरा कर लिया गया है. दुर्गा पूजा के दौरान झारखंड में किसी प्रकार की विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न ना हो, इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने जिले के एसपी से जबरन चंदा वसूली समेत कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी है.

इन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मांगी गयी है रिपोर्ट

- दुर्गा पूजा के अवसर पर पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कहां-कहां किये जायेंगे और कितनी भीड़ होने की संभावना है, इससे संबंधित विवरण.
- क्षेत्र में लाइसेंसी और गैर लाइसेंसी पूजा पंडालों की संख्या.
- दशहरा के नाम पर किन-किन स्थानों पर जबरन चंदा वसूली की जाती है और इसके रोकथाम के क्या उपाय हैं.
- दशहरा के अवसर पर पूर्व से संवेदनशील पूजा पंडाल किन-किन स्थानों पर है, जहां निगरानी रखे जाने की आवश्यकता है.
- पूजा पंडालों में आग लगने की स्थिति में अग्निशामक की व्यवस्था है या नहीं.
- पूर्व में हुए विवाद और घटना की सूची की विवरणी.
- बीते पांच सालों (2019-2023 तक) में दशहरा पर घटित सांप्रदायिक घटनाओं की संक्षिप्त विवरणी.
- वैसे असामाजिक तत्वों जो पूर्व में दंगा व सांप्रदायिक कांडों में संलिप्त व आरोपित रहे हो और विधि-विरुद्ध कार्य कर या अफवाह फैलाकर सांप्रदायिक तनाव और विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न कर सकते हैं, उसकी सूची.
- वैसे व्हाट्सएप, फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया ग्रुप जो किसी विशेष सांप्रदाय, धर्म और जाति की भावनाओं को आहत करने वाली टिप्पणियां करते हैं और नफरत व अफवाह फैलाते हैं, उनके एडमिन के नाम और मोबाइल नंबर.
- अवैध पशु तस्करों और वधशाला की सूची.
- अवैध शराब कारोबारियों की सूची.
- शांति समिति की बैठक से संबंधित सूचना और विवरणी.
- ऐसे शांतिप्रिय और गणमान्य व्यक्तियों (नाम, पता, फोन नंबर) की विवरणी जो आपातकालीन स्थिति में प्रशासन को सहयोग कर सकते हैं.
- विसर्जन जुलूस के दौरान किन-किन धार्मिक स्थानों, रास्तों और विवादास्पद स्थलों पर निगरानी रखे जाने की आवश्यकता है.
- नदी और जलाशयों में प्रतिमा विसर्जन के दौरान संभावित दुर्घटना से बचाव के लिए किन-किन स्थानों पर गोताखोरों और नावों की व्यवस्था की गयी है.
- किन-किन स्थानों और पंडालों में विशिष्ट और अति विशिष्ट महानुभावों के शामिल होने की संभावना है.
- शांति और विधि-व्यवस्था बनाये रखने के अन्य महत्वपूर्ण तथ्य और सुझाव.

ब्रीफ खबरें

मंजूनाथ ने रांची डीसी का पदभार किया ग्रहण

रांची। रांची के नये डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया. पूर्व डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने बुके देकर उनका स्वागत किया. मौके पर जिला प्रशासन के तमाम अधिकारी मौजूद रहे. मंजूनाथ भजंत्री 2011 बैच के आईएएस अधिकारी हैं. बता दें कि पूर्व डीसी राहुल कुमार ने जुलाई 2022 में रांची डीसी का पदभार ग्रहण किया था. मौके पर मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि त्योहार के सीजन की शुरुआत हो रही है. जिला प्रशासन की प्राथमिकता शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार संपन्न कराना है.

पूरा परिवार कांग्रेस के लिए समर्पित: अंबा

रांची। कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि कांग्रेस पार्टी की सच्ची सिपाही होने के नाते मैं किसी प्रकार से किसी दूसरे दल में शामिल होने का कभी सोच भी नहीं सकती. पूर्ववर्ती भाजपा और आजसू गठबंधन की सरकार के दौरान भी मेरे परिवार को विरोधियों ने काफी प्रताड़ित किया है, उस समय भी भाजपा में शामिल करवाने के लिए कई हथकंडे अपनाए गए. भाजपा में शामिल होने की खबर बिल्कुल बेबुनियाद और निराधार है. पूरा परिवार कांग्रेस के लिए समर्पित है.

कैबिनेट की बैठक आठ अक्टूबर को

रांची। हेमंत सरकार की कैबिनेट की बैठक आठ अक्टूबर को होगी. इस कैबिनेट की बैठक को कई मायनों में अहम माना जा रहा है. इस बैठक में राज्यकर्मियों के रिटायरमेंट की उम्रसीमा 60 से 62 साल करने पर फैसला लिया जा सकता है. इसके अलावा कई जनकल्याणकारी योजनाओं को भी मंजूरी मिल सकती है. बैठक शाम चार बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी. यह जानकारी मंत्रिमिमंडल सचिवालय विभाग ने दी.

मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग को मिले छह अवर सचिव

रांची। झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए छह अवर सचिव की सेवा मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग को सौंप दी गई है. ये अफसर सचिवालय सेवा के हैं. जिन अफसरों की सेवा मंत्रमिमंडल निर्वाचन विभाग को सौंपी गई है, उनमें मनोज कुमार सिंह, संजय कुमार सिन्हा, घनश्याम प्रसाद, विनोद कुमार, संतोष कुमार चौबे और विभाष चंद्र सिंह शामिल हैं, कार्मिक ने मंगलवार को इसका आदेश जारी कर दिया.

कोर्ट की खबरें : झारखंड हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई पर आदेश पारित किया

सेवा के दौरान नहीं उठी आपत्ति तो रिटायर होने पर भी नहीं उठा सकते

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया है कि यदि किसी कर्मचारी की सेवा अवधि के दौरान उसकी नियुक्ति के संबंध में कोई आपत्ति नहीं उठाई गई हो तो उसकी सेवानिवृत्ति के बाद आपत्ति नहीं उठाई जा सकती. दरअसल फूल चंद ठाकुर को एक अगस्त 1975 को एस.पी. कॉलेज दुमका की शासी निकाय द्वारा टाइपिस्ट के रूप में नियुक्त किया गया था. 31 दिसंबर, 2006 को सेवानिवृत्त होने से पहले उन्होंने 31 वर्षों तक कॉलेज में लगातार काम किया. अपनी सेवा के दौरान उन्हें कॉलेज के एक प्रस्ताव के माध्यम से लाइब्रेरी सहायक के पद पर समायोजित किया गया था, क्योंकि टाइपिस्ट के लिए कोई स्वीकृत पद नहीं था. कर्मचारी का वेतन शुरू में एक अप्रैल 1981 से प्रभावी चौथे वेतन संशोधन के अनुसार तय किया गया था और वह अपनी सेवानिवृत्ति तक उसी वेतनमान के आधार पर अपना वेतन प्राप्त करता रहा. जिसके बाद झारखंड सरकार ने 5वें और 6वें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार, घटक कॉलेजों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए वेतनमान संशोधित किए हैं. जो क्रमशः 1 जनवरी 1996 और 1 जनवरी 2006 से प्रभावी हैं. इन अवधियों के लिए कर्मचारियों के वेतन संशोधन की कॉलेज द्वारा अनुशंसा की गई और अनुमोदन के लिए उच्च शिक्षा विभाग को भेजा गया.

संस्तुति के बावजूद उच्च शिक्षा विभाग ने स्वीकृत वेतन निर्धारण चार्ट में कर्मचारी का नाम शामिल नहीं किया. नतीजतन, कर्मचारी का वेतन और पेंशन 5वें और 6वें वेतन आयोग के अनुसार, संशोधित नहीं किया गया और उसे पुराने चौथे वेतन आयोग के पैमाने के आधार पर पेंशन मिलती रही. जिसके बाद कर्मचारी ने पहले झारखंड उच्च न्यायालय में डब्ल्यूपी (एस) संख्या 1786/2015 दायर करके अपने वेतन निर्धारण दावे पर निर्णय लेने की मांग की. कर्मचारी ने दलील दी कि उसकी नियुक्ति पर राज्य को सवाल नहीं उठाना चाहिए था, खास तौर पर उसकी सेवानिवृत्ति के बाद. कर्मचारी ने दलील दी कि वह 5वें और 6वें वेतन आयोग के लाभों का हकदार था, जो क्रमशः एक जनवरी, 1996 और 1 जनवरी, 2006 से घटक कॉलेजों में गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए लागू थे.

दूसरी ओर प्रतिवादी राज्य की ओर से तर्क दिया गया कि कर्मचारी की प्रारंभिक नियुक्ति एस.पी. कॉलेज, दुमका में टाइपिस्ट के रूप में कॉलेज की शासी निकाय द्वारा की गई थी. लेकिन टाइपिस्ट का पद राज्य सरकार द्वारा कभी स्वीकृत नहीं किया गया था. ऐसे में कर्मचारी की नियुक्ति को नियमित नहीं किया जा सकता. न्यायालय ने सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने माना कि कर्मचारी की सेवानिवृत्ति (सेवानिवृत्ति के 13 वर्ष बाद) के बाद कोई भी आपत्ति उठाना अन्यायपूर्ण और कानूनी रूप से अस्वीकार्य है.

प्रेम प्रकाश की बेल पर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई

रांची/दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को प्रेम प्रकाश की जमानत याचिका पर आंशिक सुनवाई हुई. इसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 4 अक्टूबर की तिथि निर्धारित की है. दरअसल पिछले वर्ष जनवरी में झारखंड हाईकोर्ट ने प्रेम प्रकाश को बेल देने से इनकार करते हुए उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी. जिसके बाद प्रेम प्रकाश ने अपनी जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. प्रेम प्रकाश की जमानत अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की खंडपीठ में सुनवाई हुई. प्रेम प्रकाश अवैध खनन और लैंड स्कैम से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के केस में आरोपी है और फिलहाल दोनों मामलों में न्यायिक हिरासत में है. एक केस में शीर्ष अदालत ने प्रेम प्रकाश को बेल दे दी है.

कांके सीओ जय कुमार राम ने किया सरेंडर

रांची। लैंड स्कैम के आरोपी कांके सीओ जय कुमार राम ने मंगलवार को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लाउंड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में सरेंडर कर दिया. जिसके बाद उसने अपनी बेल के लिए कोर्ट में गुहार लगाते हुए एक लाख रुपए का बेल बॉण्ड कोर्ट में प्रस्तुत किया, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है.

राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठ की जांच को लेकर दायर पीआईएल पर अब 13 नवंबर को सुनवाई

रांची। बांग्लादेशी मूल के व्यक्तियों द्वारा झारखंड में घुसपैठ कर संथालपरगना इलाके में लैंड जिहाद किये जाने की जांच की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर अब हाईकोर्ट में 13 नवंबर को सुनवाई होगी. मंगलवार की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (स्पेशल लीव पिटीशन) दाखिल की गयी है. जो फिलहाल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं हुई है. इसके बाद झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और जस्टिस रंगान मुखोपाध्य की खंडपीठ ने सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने तक इस मामले की सुनवाई टाल दी है. इस संबंध में जमशेदपुर के रहने वाले दानयल दानिश ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है. राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन और उनके सहयोगी अधिवक्ता पियूष चित्रेश ने बहस की.

गैंगस्टर अमन की हत्या के आरोपी को बेल देने से सिविल कोर्ट का इनकार

रांची। गैंगस्टर अमन सिंह की धनबाद जेल में हत्या करने के आरोपी अभिमन्यु कुमार सिंह को बेल देने से रांची सिविल कोर्ट ने इनकार कर दिया है. मंगलवार को अभिमन्यु की ओर से दाखिल जमानत याचिका पर सीआईडी की विशेष अदालत में सुनवाई हुई. सीआईडी और बचाव पक्ष की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी है. बहस के दौरान सीआईडी की ओर से बताया गया कि अभिमन्यु सिंह पर आरोप गठित किया जा चुका है, इसलिए उसे बेल नहीं दी जानी चाहिए. दरअसल धनबाद जेल में बंद गैंगस्टर अमन सिंह की हत्या तीन दिसंबर 2023 को जेल में ही गोली मारकर कर दी गई थी.

पुतोहिया रे पुतोहिया... तोर कौन गुण गाईयो, कहां-कहां गाईयो

संजय सिंह

परिवारवाद जिंदाबाद... ई परिवारोवाद भइया झारखंड के राजनीति में तनिका जोरशोर से उछलकूद मचाईले रहइत है. ईहां की जनता तो बेचारी हइए है. ईहां तो हाल ई है कि नेता बनावेवाली जनता भिखारिए बनल रह जाईत है और नेताजी लोगन के ठस्सा तो पूछिए मत... ईहां के नेताजी लोगन के आदतवा बिगड़ैल हो गईस है. राजा-महाराजा जईसन रहेवाली आदतिया हो गईस है. चाहत ई हे कि अगिला पीढ़ी भी वईसही रहे. तो भईया जी, ऊ लोगन के राजनीति करावे ही न पड़ेगा. नेताजी लोगन के मालूम है कि अब सूखले राजनीति चमकावे से तो कुछो होवेवाला न है. खुद तो ढेरे दिन झोलवा ढो-ढो के राजनीति के उपरी तल्ला तक पहुंचिए गिये हैं, तो काहें न ऊ राजनीतिक तपस्या के लाभ से अपन धिया-पुता, लाडला (बेटाजी), पुतहू या दमदा के फायदा पहुंचा दीहल जाए. ई परदेश के दर्जन भर से बेसिए नेताजी लोगन अपन लाडला, भाई-भौजाई, मेहरारू, नाती-पोता के राजनीतिक विरासत संभाले ला आगे करे के कोशिश में लगल हैं. चुनाव के टिकटवा दिलावे लगी रांची से दिल्ली तक एक कईले हैं. पार्टी के बड़का नेताजी लोगन के आगे-पीछे पैडल मारले हैं. कुछ नेताजी के मालूम है कि अबकी चुनाउवा में उनकी उमरिया साथ न देवे, तो काहें न पहिले से अपन परिवार ला फील्ड तैयार कर दीहल जाए. नेताजी लोग के मालूम है कि उनके प्रभाव काम आ सकता है, इसलिए परिवार के लोग के टिकटवा के जुगाड़ कर सीधे चुनाउवे में लांच कर देवे ला हांफले हैं. नेताजी के मालूम है कि परिवार के लोग के तभिए राजनीति में सक्सेस मिले के चांस है, जब ले उनकर चलती है. न तो पद-विधायकी गई, तो कोनो घासों ने डालेवाला है. तो अभिए मौका है, काहें न अपन परिवार लगी फील्ड तैयार कर दीहल जाए. गेटिंग-सेटिंग से टिकटवा दिला दीहन जाए.

चुनावी चकल्लस

पलामू में परिवारवादी राजनीति उफान धईले है, तो भला बगल वाला चतरा के नेताजी लोगन काहें पिछुआईल रहें. ऊहो जिला के नेताजी लोग अपन राजनीतिक विरासत परिवार के लोग के सौंपे लगी बेचैन हैं. बेचैन का कहल जाओ, ई नेताजी लोगन परिवार के कोनो सदस्य के अपन राजनीतिक विरासत सौंपे ला पूरा हांफले हैं. पलामूये में कई गो दिग्गज नेताजी लोग हथीन, जे बेटा, पोता के राजनीति में आगे बढ़ावे लगी जुगाड़ मैनेजेंट में लगल हैं. बाबा जी पोता लगी, वंशी बजवइया अंकिल जी बेटा लगी, तो छतरी वाले पुर के पुरनका नेताजी, जे दल बदले के रिकार्ड बनाईले हैं और पियार से लोग उनका छुन्ना भईया जी बोलते हैं, उहो अपन लाडला लगी हाथ पारले हैं. एगो सिंह साहिब भी बेटे के आगे करेला हांफ रहीन हैं. आईसे में पलामू से बहेवाली पूर्वइया हवा अब बगल के चतरा जिला में घुसिया गईल, तो का किया जाए. ईहां के भी एगो नेताजी दलबदलुए हैं. नामो खूबे मजेदारे है. ई नेताजी के नामवा के पहिला अक्षर सत्य है, लेकिन केतना सच ई बोलइत रहिन हैं, ई सबके मालूमे है. ई नेताजी मंत्री पद के मजा चाभलथुन हे, तो आनंदित तो रहबे न करत... अबहियों मंत्री हथीन, पहिलहूं दूसरवाली पार्टिया में मंत्री पद के मजा मार लीहिन हैं. आउर न जाने कौन-कौन पदवा के मजा मार लीहिन हैं. पहिलवा कमल फूल खिलाईले थे. खेती-बारी करावे लगी जिम्मेवारी भेंटाईल तो मार दीहिन गच्चा. गड़बड़ झाला हो गईस, केस-मुकदमा झेले पड़ गईस, घोटाला जईसन आरोपो लग गईस, तो फूल ब्रांड वाशिंग मशीनवा सफाई करे से रिजेक्ट कर दीहिस. बेचारे पिछलका चुनाउवा समय टिकट ला ढेरे हापलथीन, लेकिन फूल ब्रांड पार्टिया नेताजी के बाहरी के रास्ता देखा दीहिस, तो लालटेन थाम लीहिन. जीतियो गईन. मंत्री सुख भोगईत हथीन. लेकिन नेताजी के रह-रह के उमरिया के चिंचा सता रहीस है, सो पुतोहिया लगी जोर लगाईले हैं. खुदो लालटन के फोड़ के दूसराका खेमा में घुसियाए लगी ताक लगाईले हथुन. लेकिन अपन राजनीतिक रसूख के इस्तेमाल कर पुतोहिया के टिकटवा दिलावे लगी हांफले हैं. फूल ब्रांड से लेकर एगो बिहार वाली पार्टिया से हमजोली करेला जुगाड़ लगावे ला नेजाती लग गईन हें. अब देखल जाए भाई...सत्य-झूठ कईले आनंदित हो रहीन नेताजी पुतोहिया लगी कुछो बढ़िया जुगाड़ कर पाते हैं या नहीं, या फिर कही चचा के खुदे चुनावी समर में ने उतरे पड़ जाए. लेकिन नेताजी के बारे में चर्चा है कि ई तो पूरे झूठे के मशीन बनल हैं. अब देखिए सत्या बाबू के.. सत्य-झूठ बोल के आनंदित हो सत्ता सुख भोग चुके नेताजी का ऊंटवा कौन करवट बदलेगा, ई तो आनेवाले दिनों में ही तय हो पाएगा. लेकिन नेताजी के अब बुझाए लगीस है कि ई लालटेनवा के भरोसे तो न चलेवाला है , तो पुतोहिया लगी जार लगाईले हैं. अब तो सत्य- झूठ नेताजी खाली ऐके गीतवा गाईले घूम रहीन हैं- पुतोहिया रे पुतोहिया, तोर कौन गुण गाईयो...और तनिका ईहो बताइयो कि अउर कहां-कहां और केकरा लगे कौन-कौन गुण गाइयो. लेकिन नेताजी के गीतवा लोगन के तनिको न सुहा रहीस है. अब देखिए सत्य-झूठ भाई के आगे-आगे होता है क्या?

भाजपा का मेनिफेस्टो फाइनल कल हो जाएगा जारी: हिमंता

- जेएसएससी-सीजीएल के पांच अभ्यर्थी कर सकते हैं पीएम से मुलाकात

प्रमुख संवाददाता। रांची

असम के सीएम सह भाजपा झारखंड के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्व सरमा ने कहा है कि विधानसभा चुनाव के लिए प्रदेश भाजपा का मेनीफेस्टो (घोषणा पत्र) फाइनल हो चुका है. तीन अक्तूबर को इसे जारी किया जाएगा. इस घोषणा पत्र को 30 सितंबर यानि सोमवार को हुए मैराथन बैठक में अंतिम रूप दिया गया. वे मंगलवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे.

जेएसएससी-सीजीएल के पांच अभ्यर्थी पीएम से मिलेंगे : हिमंता ने कहा कि प्रधान मंत्री दो अक्तूबर को झारखंड आ रहे हैं. वे हजारीबाग में परिवर्तन यात्रा के समापन समारोह में शिरकत करेंगे. पीएम से जेएसएससी-सीजीएल के पांच अभ्यर्थियों की मुलाकात भी हो सकती है. ये अभ्यर्थी पीएम के समक्ष परीक्षा के पूरे प्रकरण को रखेंगे. बताते चलें कि भाजपा नें पेपर लीक मामले को भी अहम मुद्दा बनाया है. उन्होंने बताया कि पीएम कई आदिवासी नेताओं से भी मुलाकात करेंगे.

खेल विभाग चार अक्टूबर को 539 खिलाड़ियों को देगा कैश अवॉर्ड

शुभम किशोर। रांची

झारखंड खेल विभाग चार अक्टूबर को जैप 1 के शौर्य भवन में कार्यक्रम आयोजित कर 21 खेल के 539 खिलाड़ियों को कैश अवॉर्ड देगा. इसमें सबसे अधिक फुटबॉल के 105 और हॉकी के 103 खिलाड़ी शामिल हैं. कार्यक्रम में खिलाड़ी और उनके कोच के बीच पांच करोड़ राशि का वितरण किया जाएगा. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विभागीय मंत्री मिथिलेश ठाकुर शामिल होंगे. विभाग द्वारा जारी विज्ञापन के अनुसार, यह अवॉर्ड झारखंड के वैसे खिलाड़ी को दिया जा रहा है, जिन्होंने 1 अप्रैल 2023 के बाद अंतरराष्ट्रीय और भारतीय ओलंपिक संघ से मान्यता प्राप्त खेलों की विभिन्न अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक जीते हैं.

किस खेल में कितने खिलाड़ियों को मिलेगा कैश अवॉर्ड

आर्चरी	:	58	साइक्लिंग	:	9
एथेलेटिक्स	:	40	गटका	:	13
फुटबॉल	:	105	हैंडबॉल	:	12
ताइक्वांडो	:	12	मॉडर्न पेंटाथलॉन	:	10
हॉकी	:	103	नेटबॉल	:	43
कुश्ती	:	12	रग्बी	:	1
स्विमिंग	:	1	जिम्नास्टिक	:	12
वुशु	:	50	शूटिंग	:	3
योगासन	:	6	वेटलिफ्टिंग	:	5
बॉक्सिंग	:	4	कबड्डी	:	1
लॉन बॉल	:	15			

विधानसभा चुनाव

छतरपुर से अब तक नहीं टूटा किशोर का रिकॉर्ड

छतरपुर में विरासत बचाने व सौंपने की लड़ाई

- पांच बार विधायक बन कर अब विरासत सौंपने की तैयारी
- 20 वर्षों में राजद अपने ही गढ़ नहीं खोल पाया खाता

समीर चक्रवर्ती। रांची

पलामू के छतरपुर विस सीट पर इस बार विरासत को बचाने और विरासत को सौंपने की लड़ाई में विधायक पुष्पा देवी और पूर्व विधायक राधाकृष्ण किशोर के बीच उलझा हुआ है.कभी राजद के गढ़ के रूप में चिह्नित छतरपुर विधानसभा में भले राजद ने कोई कमाल नहीं किया हो ,लेकिन वोट बैंक के मामले में आज भी मजबूत है. ये अलग बात है कि जीत आते-आते फिसल जाती है. क्षेत्र के इतिहास पर यदि नजर डालें तो वहां दूसरा ध्रुव भले ही कोई अन्य हो लेकिन एक ध्रुव अब तक पाटन-छतरपुर विस क्षेत्र से पांच बार विधायक रह चुके राधा कृष्ण किशोर पर जा टिकती है.

कई दलों से विधायक बन है राधाकृष्ण किशोर : साल 1980 के बाद राधा कृष्ण किशोर के अलावे कोई ऐसा प्रत्याशी नहीं रहा जो लगातार दूसरी बार विधायक बना हो. हालांकि पूर्व विधायक राधाकृष्ण किशोर तीन बार कांग्रेस, एक बार जदयू व एक बार भाजपा से विधायक रहे हैं. वहीं पिछली बार भाजपा से टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने आजसू पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था जबकि बाद में वह राजद में शामिल हो गए थे. श्री किशोर फिलहाल किसी भी दल में नहीं है लेकिन छतरपुर विस क्षेत्र में उनकी सक्रियता अभी भी बरकरार है. वहीं, भाजपा के टिकट पर प्रत्याशी रहीं, छतरपुर के पूर्व विधायक व पलामू के पूर्व सांसद रह चुके मनोज कुमार की पत्नी पुष्पा देवी ने जीत हासिल की. पलामू सीट से सांसद बनने के बाद मनोज कुमार ने 2004 के चुनाव में राजद से टिकट लेकर पुष्पा देवी को प्रत्याशी बनाया था, जिसमें वह राधा कृष्ण किशोर से 6500 मतों से पिछड़ गई थी.

विरासत सौंपने में सफल हो चुके हैं पूर्व सांसद मनोज कुमार: छतरपुर विस सीट से विधायक रहे रामदेनी राम के पुत्र विजय कुमार ने कई चुनाव में जोर लगाया, लेकिन उन्हें अभी तक सफलता नहीं मिल पाई है. वहीं पूर्व विधायक राधा कृष्ण किशोर भी अपने पुत्र प्रशांत किशोर के लिए टिकट की इच्छा रखते हैं लेकिन उन्हें भी इसमें सफलता नहीं मिल पाई है. वहीं, छतरपुर से विधायक रहे मनोज कुमार लगातार क्षेत्र में बने रहे उनके साथ रहने वाले भी उनके साथ लगातार बने हुए थे. कई चुनाव हारने के बाद भी मनोज कुमार ने हौसला नहीं छोड़ा और लगभग 15 वर्षों के बाद 2019 के चुनाव में मनोज कुमार की पत्नी पुष्पा देवी ने जीत हासिल की है.

चुनाव को लेकर है कई प्रत्याशियों की दावेदारी : आगामी विस चुनाव को लेकर छतरपुर सीट से कई प्रत्याशियों ने दावेदारी के साथ ही क्षेत्र में अपनी सक्रियता भी बरकरार रखी है. वर्तमान विधायक पुष्पा देवी क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं वहीं महागठबंधन से प्रबल दावेदारी जता रहे विजय कुमार, धनंजय पासवान, राहिल राज समेत अन्य कई नेताओं ने भी अपनी सक्रियता बढ़ाई है.

क्लासिफाइड

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित | रांची, बुधवार 02 अक्टूबर 2024 • आश्विन अमावस्या संवत 2081 • पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 • वर्ष : 2, अंक : 174 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एक राज्य - एक अखबार

शुभम संदेश

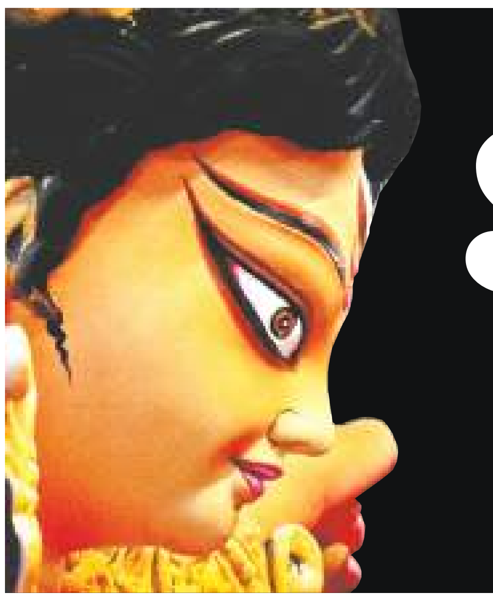

शुभो महालया

॥ जयंती मंगला काली भद्र काली कपालिनी
दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोऽस्तु ते ॥

सर्राफा

सोना (बिक्री)	71,400
चांदी (किलो)	93,000

ब्रीफ खबरें

जमैका के प्रधानमंत्री होलनेस से मिले मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हैदराबाद हाउस में जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस के साथ द्विपक्षीय वार्ता की. दोनों नेताओं ने भारत और जमैका के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की. होलनेस की नई दिल्ली यात्रा का ऐतिहासिक महत्व है. वह भारत दौरे पर आने वाले जमैका के पहले पीएम हैं. उनकी चार दिवसीय यात्रा तीन अक्टूबर तक जारी रहेगी. इससे पहले दिन में होलनेस ने राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की.

अभिनेता गोविंदा को लगी गोली, हालत स्थिर

मुंबई। बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता गोविंदा को मंगलवार की सुबह गोली लग गई. कथित तौर पर बंदूक संभालते वक्त उनसे मिस फायर हो गया और उनके पैर में गोली लग गई. उन्हें इलाज के लिए सीआरआईटीआई अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने उनके पैर से गोली निकाल दी. अभिनेता गोविंदा ने एक ऑडियो संदेश जारी कर इस बात की जानकारी दी. कहा- आप सभी लोगों, मां-बाप के आशीर्वाद और गुरु की कृपा से मैं ठीक हूं.

जम्मू-कश्मीर में तीसरे चरण में 65.82% मतदान

श्रीनगर/जम्मू। जम्मू-कश्मीर की 40 विधानसभा सीटों के लिए तीसरे अंतिम चरण में कुल 5,060 मतदान केंद्रों पर मंगलवार को मतदान हुआ. चुनाव आयोग द्वारा रात नौ बजे तक जारी आकंड़ों के मुताबिक, यहां कुल 65.82% मतदान हुआ है. इनमें उधमपुर जिले में 72.91%, कठुआ में 71.84%, कुपवाड़ा में 62.76%, जम्मू में 66.79%, बांदीपुरा में 64.85%, बारामूला में 55.73% और सबसे अधित साम्बा जिले में 73.45% मतदान हुआ.

छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से अक्टूबर से दिसंबर की अवधि के लिए छोटी बचत योजनाओं जैसे पब्लिक प्रोविडेंट फंड और सुकन्या समृद्धि योजना की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं गया है. वित्त मंत्रालय की ओर से नोटिफिकेशन जारी कर कहा गया है कि वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में सभी छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है. इस दौरान दूसरी तिमाहीके लिए अधिसूचित की गई ब्याज दरें ही लागू रहेंगी.

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक हिरासत में

नई दिल्ली। लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर राजधानी दिल्ली तक मार्च करनेवाले जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सोमवार की देर रात सिंधु बार्डर पर हिरासत में ले लिया गया. दिल्ली पुलिस के अधिकारी ने बताया कि वांगचुक और अन्य लोग सीमा पर रात बिताना चाहते थे. दिल्ली में निषेधाज्ञा लागू होने के कारण उन्हें वापस जाने के लिए कहा गया, लेकिन जब वे नहीं रुके, तो वांगचुक समेत करीब 120 लोगों को हिरासत में लिया गया.

- पेज 12 पढ़े.

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.4	26.2
जमशेदपुर	34.5	25.3
डालटनगंज	34.3	26.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

सीएम ने रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो को दी 1240.57 करोड़ की सौगात

भाजपा आदिवासी-मूलवासी हितैषी नहीं हो सकती : हेमंत

विशेष संवाददाता। रांची/बोकारो

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पहली अक्टूबर को सौगातों की बारिश की. सोरेन ने मंगलवार को सबसे पहले बोकारो जिले के चंदनकियारी के चंदीपुर मैदान में बोकारो, रामगढ़ और हजारीबाग जिले को 1240 करोड़ 57 लाख रुपये की सौगात दी. उन्होंने 50 विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया. इसमें 36 करोड़ 40 लाख रुपये की दो योजनाओं का उद्घाटन और 1204 करोड़ 11 लाख रुपये की 48 योजनाओं का शिलान्यास शामिल रहा. इस मौके पर मंत्री बन्ना गुप्ता, बेबी देवी, विधायक कुमार जयमंगल, विधायक लंबोदर महतो, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष योगेंद्र महतो, राज्य समन्वय समिति के सदस्य राजेश ठाकुर, सचिव अरवा राजकमल और डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा सहित कई शामिल हुए.

वहीं, राजधानी रांची के प्रभात तारा मैदान में सीएम ने राज्य की 25 हजार जलसहिया बहनों के बीच जल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में झार-जल ऐप के माध्यम से कार्य करने को लेकर स्मार्ट फोन के लिए 12 हजार की राशि हस्तांरित की. इतना ही नहीं, ग्राम स्तर पर कार्य कर रहीं जलसहिया बहनों को प्रतिमाह दो हजार रुपये मानदेय योजना को भी सीएम ने लॉन्च किया.

जलसहिया को स्मार्ट फोन के लिए 12 हजार की राशि हस्तांरित

आदिवासी-मूलवासियों की समस्याओं का कर रहे निदान

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि प्रदेश की सरकार गांव-गांव, टोला-टोला जाकर आदिवासी-मूलवासियों की समस्याओं का निदान कर रही है. बहाली शुरू कर नौकरी दी जा रही है, जबकि भाजपा लोगों को जाति-धर्म में बांटने का काम कर रही है. भाजपा कभी भी आदिवासियों और मूलवासियों की हितैषी नहीं हो सकती. सोरेन ने कहा कि हम एक तरफ झारखंड की चिंता कर रहे हैं, तो भाजपा डेमोग्राफी बदलने का मनगढ़ंत झूठ फैलाकर हिंदू-मुस्लिम के बीच खाई पैदा कर राजनीतिक रोटी सेंकने का काम कर रही है. उन्होंने कहा कि भाजपा को उखाड़ फेंकने से ही झारखंड का भला होगा. मुख्यमंत्री ने कहा कि हम गांव को समृद्ध कर रहे हैं और गरीब को आगे बढ़ाने की दिशा में लगाकर काम कर रहे हैं.

-शेष पेज 11 पर

कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते सीएम हेमंत सोरेन.

पीएम से आशा है कि हमारा हक 1.36 लाख करोड़ रुपये लौटाएंगे

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित झारखंड दौरे के ठीक एक दिन पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने फिर से केंद्र पर राज्य के 1.36 लाख करोड़ के बकाये का मुद्दा उठाया. सोरेन ने कहा है कि यह पैसा केंद्रीय कोल कंपनियों के पास है. यह राशि नहीं मिलने से झारखंड के विकास में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं. उन्होंने मंगलवार को 'एक्स' पर लिखा, ये हक समस्त झारखंडियों का है. यह हमारी मेहनत, हमारी जमीन का पैसा है. इसे मांगने के कारण ही मुझे बिना किसी कारण जेल में डाला गया. दो अक्टूबर को जब प्रधानमंत्री झारखंड में होंगे, तो मुझे पूर्ण आशा है कि वे हमारा हक हमें लौटाएंगे.

पीएम आज झारखंड में, जनजातीय उन्नत ग्राम योजना का शुभारंभ करेंगे

83 हजार करोड़ की योजनाओं की सौगात देंगे प्रधानमंत्री मोदी

प्रमुख संवाददाता। रांची

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को झारखंड आएंगे. वे दोपहर एक बज कर 10 मिनट पर विशेष विमान से रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचेंगे. दोपहर 1:30 बजे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से हजारीबाग के लिए हेलीकॉप्टर से रवाना होंगे और 1:55 बजे हजारीबाग पहुंचेंगे. यहां वे विनोबा भावे विश्वविद्यालय परिसर से 33 जनजातीय समूहों के प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे. साथ ही साथ 83 हजार करोड़ से अधिक की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे.

जनजातीय उन्नत ग्राम योजना का करेंगे उद्घाटन : प्रधानमंत्री हजारीबाग में पीएम जनजातीय उन्नत ग्राम योजना का उद्घाटन करेंगे. 79 करोड़ से अधिक की इस योजना के तहत देश भर के 549 जिले के 63 हजार गांवों को कवर किया जाएगा. वहीं झारखंड में 4000 गांवों को कवर किया जाएगा. इस योजना से देश भर के पांच करोड़ आदिवासियों को लाभ होगा.

एकलव्य विद्यालय व जनमन योजना का भी उद्घाटन : जनजातीय समुदायों के शैक्षणिक बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए पीएम 40 एकलव्य मॉडल विद्यालयों का भी उद्घाटन करेंगे. साथ ही 25 एकल्व्य मॉडल विद्यालयों की आधारशिला भी रखेंगे. इसके साथ ही पीएम जनमन योजना के तहत 1360 करोड़ से अधिक की योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे. इनमें 1380 किलोमीटर सड़क, 120 आंगनबाड़ी केंद्र, 250 मल्टीपरपस केंद्र और 10 छात्रावास भी शामिल हैं.

चाक-चौबंद रहेगी सुरक्षा व्यवस्था : पीएम नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद कर दी गई है. रांची जिला प्रशासन ने बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के आस-पास के क्षेत्रों में बुधवार की सुबह पांच बजे से रात के 11 बजे तक निषेधाज्ञा लागू कर दी है. एयरपोर्ट के आस-पास के क्षेत्रों में नो फ्लाई जोन भी घोषित कर दिया गया है. ड्रोन, पैराग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून को उड़ाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है.

पीएम का मिनट टू मिनट कार्यक्रम

- **1:10 बजे** - दोपहर को विशेष विमान से रांची एयरपोर्ट पहुंचेंगे.
- **1:30 बजे** - हेलीकॉप्टर से हजारीबाग के लिए रवाना होंगे.
- **1:55 बजे** - जेपीए हैलीपेड पर हेलीकॉप्टर की लैंडिंग होगी.
- **2:00 बजे** - विभावि में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे.
- **2:45 बजे** - मटवारी में परिवर्तन यात्रा समापन समारोह में शामिल होंगे.
- **5:05 बजे** - शाम को हेलीकॉप्टर से रांची एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे.
- **5:30 बजे**- रांची एयरपोर्ट पर हेलीकॉप्टर की लैंडिंग होगी.
- **5:45 बजे**- विशेष विमान से दिल्ली के लिए रवाना होंगे.

भारत ने घर में लगातार 18वीं टेस्ट सीरीज जीती

एजेंसी। कानपुर

- दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को सात विकेट से हराया

भारत ने कानपुर के ग्रीन पार्क में बांग्लादेश को पांचवें और अंतिम दिन मंगलवार को सात विकेट से हरा कर दूसरा टेस्ट जीत लिया. इसी के साथ दो मैचों की सीरीज को 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया. भारत की अपने घर में यह लगातार 18वीं टेस्ट सीरीज जीत है, जिसका सिलसिला 2013 में शुरू हुआ था. भारत की अपने टेस्ट इतिहास में यह 180वीं जीत है और वह सर्वाधिक टेस्ट जीतने के मामले में दक्षिण अफ्रीका को पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर पहुंच गया है. वहीं, घरेलू मैदान पर लगातार सबसे ज्यादा टेस्ट सीरीज जीतने वाले देशों में भारत पहले स्थान पर बना हुआ है.

- पेज 10 भी देखें

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम रोक

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन मामले पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है. फैसला सुनाए जाने तक बुलडोजर एक्शन पर रोक जारी ही रहेगी. जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की खंडपीठ ने मंगलवार को इस मामले पर विस्तृत सुनवाई की. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम एक धर्मनिरपेक्ष देश हैं. सड़क के बीच धार्मिक निर्माण गलत है.

सुनवाई के क्रम में तीन राज्य उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश उत्तर-प्रदेश की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए थे. खंडपीठ के सवाल पर मेहता ने भी हामी भरी कि आपराधिक मामले में आरोपी होना बुलडोजर एक्शन का आधार नहीं हो सकता है. जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की खंडपीठ अपराध के आरोपी के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी. जस्टिस गवई ने कहा कि मंदिर, दरगाह या अन्य कोई दूसरा धार्मिक स्थल हो, जहां जनता की सुरक्षा की बात हो और स्थल पब्लिक प्लेस पर हो, तो उसे हटाना ही होगा. जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है. लेकिन, अगर 10 दिन का समय मिलेगा, तो लोग कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकेंगे.

सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

- केवल आरोपी या दोषी होने के आधार पर तोड़फोड़ नहीं कर सकते
- कोर्ट के निर्देश सभी धर्म-समुदाय पर एक समान रूप से लागू होंगे
- धार्मिक स्थल पब्लिक प्लेस पर हैं, तो जनहित में उसे हटाना ही होगा

देश भर के लिए समान दिशा-निर्देश जारी करेगी कोर्ट : खंडपीठ ने कहा कि केवल इसलिए तोड़फोड़ नहीं की जा सकती कि कोई व्यक्ति किसी अपराध में आरोपी या दोषी है. साथ ही कोर्ट यह सुनिश्चित करेगी कि अनधिकृत निर्माण और सार्वजनिक अतिक्रमण को संरक्षित न किया जाए. कोर्ट देश भर के लिए दिशा-निर्देश जारी करेगी, जो सभी पर समान रूप से लागू होंगे, चाहे उनका समुदाय कोई भी हो. जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि इस बात पर भी गौर करना होगा कि तोड़फोड़ का आदेश पारित होने से पहले भी एक सीमित समय होना चाहिए. साल में करीब चार-पांच लाख डिमोलिशन की कार्रवाई होती है. पिछले कुछ सालों का यही आंकड़ा है.

एनडीए से अलग लाइन पर चिराग पासवान !

पिता की तरह एक मिनट में मंत्री पद को लात मार दूंगा

एजेंसी। पटना

खुद को मोदी का हनुमान बताने वाले चिराग पासवान मोदी सरकार 3.0 में कई मौकों पर एनडीए से अलग लाइन पर खड़े दिखे हैं. हाल के दिनों लेटरल एंट्री से कोटे के भीतर कोटा तक, कई मुद्दों पर वे एनडीए से अलग रुख दिखा चुके हैं. इस बार चिराग ने एक मिनट में मंत्री पद तक को लात मार देने की बात कह कर सनसनी फैला दी. पटना के एसके मेमोरियल हॉल में पार्टी के एससी-एसटी प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा, जिस दिन मुझे लगेगा कि गठबंधन में हमलोगों की बातों को नहीं सुना जा रहा है, उसी वक्त मंत्री पद को छोड़ दूंगा. जैसे मेरे पिता ने एक मिनट में मंत्री पद त्याग दिया था.

चिराग ने पीएम मोदी की तारीफ भी की : कार्यक्रम के दौरान चिराग पासवान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ भी की. उन्होंने कहा कि लैटरल एंट्री में आरक्षण के मुद्दे पर जब उन्होंने पीएम मोदी से बात की, तो उन्होंने उनकी बात सुनी. चिराग ने क्रीमी लेयर के मुद्दे पर भी पीएम का आभार जताया. कहा, प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया है कि यह लागू नहीं होगा. चिराग पासवान ने कहा कि हम अपने समाज के लोगों के साथ हमेशा चलते रहेंगे, चाहे इसके लिए कोई मेरा विरोध ही क्यों न करे. इस दौरान चिराग ने अपने चाचा पशुपति पारस पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि कुछ लोग उन्हें तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं.

- कुछ लोग मुझे तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं

लड्डू विवाद : राजनीति नहीं, धर्म को टूल बनाकर देश को जलाने की कोशिश थी

सुरजीत सिंह

टिप्पणी

घटनाक्रम

- मार्च महीने में तिरुपति मंदिर के प्रसादम बनाने के लिए खरीदी गई घी के पैकेज की जांच की गई. जांच में पता चला कि घी में जो फैट है, वह सिर्फ दूध का नहीं है. वह फैट सोयाबिन, पाम ऑयल का हो सकता है.
- जुलाई माह में मंदिर प्रशासन और सरकार के पास रिपोर्ट पहुंच गई.
- दो माह बाद सितंबर में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बयान दिया कि घी में जो फैट मिला है, वह बीफ का है. हिन्दुओं की आस्था से खिलवाड़ किया गया. यह काम पूर्व की जगन मोहन रेड्डी सरकार के कार्यकाल में हुआ. यह वही वक्त है, जब हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई थी.
- चंद्रबाबू नायडू के बयान के बाद वहां के सुपर स्टार अभिनेता और उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण सक्रिय हुए. उन्होंने कहा कि वह प्रायश्चित करेंगे. इतना ही नहीं उनका एक बयान यह भी आया कि अगर ऐसी घटना मुस्लिम या क्रिश्चयन धर्म के साथ हुआ होता तो देश में हंगामा खड़ा हो जाता. उन्होंने हिन्दुओं से आह्वान किया कि वह विरोध में सड़क पर उतरे.
- पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी ने प्रेस कांफ्रेंस करके बताया कि कोई गड़बड़ी नहीं है. उन्होंने नायडू के बयान के टाईमिंग को लेकर भी सवाल उठाया.

घटनाओं का असर

- घी में बीफ फैट होने की खबर देश भर में तेजी से फैली. मीडिया, खासकर टीवी मीडिया ने इस पर लगातार बहस की.
- सोशल मीडिया पर देश भर के लोगों ने इस कुकृत्य को लेकर निंदा की, गुस्सा जाहिर करने लगे. देखते-देखते यह देश का सबसे बड़ा मुद्दा बन गया.
- आईटी सेल सक्रिय हो गया. जिस कंपनी ने घी सप्लाई की थी, उसके मालिक को मुस्लिम बताया जाने लगा. ऐसा करने के लिए उसी नाम से पाकिस्तान में रजिस्टर्ड एक कंपनी के नाम का सहारा लिया गया.

सच क्या है

- मंदिर प्रशासन ने पहले ही स्पष्ट किया था कि जिस घी की जांच की गई है, उससे प्रसादम बना ही नहीं था.
- 30 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने चंद्रबाबू नायडू को फटकार लगायी और यह सवाल किया कि जब यह तय ही नहीं हुआ है कि घी में जो फैट मिला है, वह पाम ऑयल, सोयाबिन या बीफ की, तो उन्होंने मीडिया में गैर जिम्मेदाराना बयान क्यों दिया.
- सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी पाया कि जिस घी को जांच के लिए भेजा गया था, उससे प्रसादम तैयार ही नहीं किया गया था. यानी लड्डू बना ही नहीं था. फिर चंद्रबाबू नायडू ने यह क्यों कहा कि हिन्दुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ हुआ.

घटनाक्रम, घटनाओं का असर व प्रतिक्रिया और सच सामने आने के बाद क्या यह सवाल नहीं उठना चाहिए कि क्या यह सब देश के माहौल को खराब करने के लिए किया गया. दो राज्यों में चुनाव के वक्त एक सोची-समझी रणनीति के तहत तो नहीं किया गया. राजनीतिक लाभ के लिए देश को जलाने की कोशिश की गई. यह तो हमें कभी भी पता नहीं चलेगा. क्योंकि ना तो चंद्रबाबू नायडू और ना पवन कल्याण सफाई में कुछ कहेंगे. ना ही दोनों माफी मांगेंगे. ना ही आईटी सेल इसे लेकर कुछ बोलेगा. ना ही इनके खिलाफ कोई जांच होगी और ना ही अदालत जांच के लिए मजबूर करेगी. अगले कुछ दिनों में यह मुद्दा आया-गया हो जायेगा. पर, एक सच यह तो है कि हिंदू धर्म के नाम, हिंदुओं को भड़काने के लिए, हिंदुओं को सड़क पर विरोध प्रदर्शन के लिए उतारने के लिए ही यह सब किया गया. इसके लिए जो भी जिम्मेदार हो, उसे सजा जरूर मिलनी चाहिए.

भाजपा और मोदी पर जमकर बरसे राहुल

...पर किसान कर्ज लेकर ही शादी कर सकता है

एजेंसी। बहादुरगढ़

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को हरियाणा के बहादुरगढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा और पीएम मोदी पर जमकर हमला बोला. लोगों से पूछा कि क्या आपने अंबानी की शादी देखी है. अंबानी ने शादी पर करोड़ों खर्च किए, यह किसका पैसा है, यह आपका पैसा है. आप अपने बच्चों की शादी के लिए बैंक से लोन लेते हैं, लेकिन नरेंद्र मोदी ने ऐसा ढांचा बनाया है, जिसके तहत चुने हुए 25 लोग शादियों पर करोड़ों खर्च कर सकते हैं, लेकिन एक किसान कर्ज में डूब कर ही शादी कर सकता है. यह संविधान पर हमला नहीं है, तो और क्या है.

राहुल गांधी ने कहा कि जब हम सत्ता में आएंगे, तो 1200 रुपये में बिकने वाला गैस सिलेंडर 500 रुपये में मिलेगा. हम हरियाणा के किसानों को एमएसपी भी देंगे. कांग्रेस सांसद ने कहा कि हर कोई जानता है कि यहां ड्रग्स का मुद्दा है. मैं पीएम मोदी से पूछना चाहता हूं कि हजारों किलो की ड्रग्स पकड़ी गई थी, तो आपने क्या कार्रवाई की थी? अग्निवीर योजना को लेकर भी राहुल गांधी मोदी पर बरसे. कहा, यह भारतीय सैनिकों से पेंशन, कैंटीन और शहीद का दर्जा छीनने का एक तरीका है. अब सब का निजीकरण हो चुका है. इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय रक्षा बजट को अडानी डिफेंस को देना था.

पांच डीएसपी का तबादला, सात का ट्रांसफर आदेश विलोपित

संवाददाता। रांची

झारखंड सरकार ने पांच डीएसपी स्तर के पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया है. वहीं पांच दिन पहले जिन सात डीएसपी का तबादला किया गया था, उनके तबादला आदेश को विलोपित कर दिया गया है. इससे संबंधित अधिसूचना गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने मंगलवार की रात जारी कर दी. जिन डीएसपी का तबादला किया गया है, उनमें सुनील रजवार को एटीएस, अरविंद बिन्हा को चांडिल, नौशाद आलम को डीएसपी विधि-व्यवस्था धनबाद, पुरुषोत्तम कुमार को बाघमारा, अनुज उरांव को सिल्ली स्थानांतरित किया गया है. डीएसपी गिरिडीह विनोद रवानी का सिल्ली, बोकारो डीएसपी सीसीआर शकील आबिद शम्स का धनबाद मुख्यालय 1 के पद पर पदस्थापन को विलोपित किया गया. नीरज के डीएसपी मुख्यालय 2 हजारीबाग से खलारी में पदस्थापन को विलोपित किया गया. जय गोविंद प्रसाद गुप्ता डीएसपी रेल 2 का रामगढ़ डीएसपी के पद पर पदस्थापन को विलोपित किया गया. जरमुंडी डीएसपी संतोष कुमार का पाकुड़ डीएसपी के पद पर पदस्थापन को विलोपित कर दिया गया है.

झारखंड के 250 से अधिक अस्पतालों की ओर से दी गई सेवाओं का भुगतान पिछले चार महीनों से बंद है

झारखंड में स्वास्थ्य सेवाएं चरमराने की स्थिति में : एएचपीआई

संवाददाता। रांची

एएचपीआई के तत्वावधान में आयोजित की गई बैठक के दौरान पदाधिकारी.

- संबंधित अधिकारियों से मिलने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं
- एएचपीआई के तत्वावधान में इस मुद्दे पर बैठक की गई

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) / मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (एमएमजेएवाई) योजना के तहत झारखंड के 250 से अधिक अस्पतालों द्वारा दी गई सेवाओं का भुगतान पिछले चार महीनों से बंद है. बार-बार संबंधित अधिकारियों से मिलने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है. मंगलवार को एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स (इंडिया) एएचपीआई के तत्वावधान में इस मुद्दे पर बैठक आयोजित की गई, जिसमें जानकारी दी गई कि एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एनआरएचएम ने इनका भुगतान रोक दिया है. केंद्र सरकार नियमित प्रतिक्रिया के तहत पीएमजेएवाई/एमएमजेएवाई से अनुबंधित अस्पतालों को समय-समय पर फ़्लैग करती है, और यह सूचना राज्य सरकार को दी जाती है. इसके बाद राज्य सरकार इन फ़्लैग किए गए अस्पतालों का निरीक्षण और जांच करती है कि कहीं अनियमितता या धोखाधड़ी तो नहीं हुई. जिन अस्पतालों में गड़बड़ी पाई जाती है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाती है.

एनफोर्समेंट डायरेक्टर ने राज्य सरकार से ऐसे अस्पतालों की सूची मांगी थी, और पिछले वर्षों में 3 अस्पतालों में धोखाधड़ी पाए जाने पर उनका अनुबंध रद्द कर दिया गया था. बावजूद इसके, बाकी सभी अस्पतालों का भुगतान पिछले 4 महीनों से रोक दिया गया है, जबकि इनमें कोई अनियमितता नहीं थी. उनका कहना है कि ऐसी स्थिति में, बिना किसी दोष प्रमाण के बाकी अस्पतालों का भुगतान रोकना सर्वथा अनुचित है. बता दें कि एमएमजेएवाई के तहत प्रत्येक मरीज़ के इलाज के पहले टीएचए और एनएचए अप्रूवल के बाद ही ट्रीटमेंट की अनुमति मिलती है. इन सभी मरीजों को सेवाएं एमएमजेएवाई के अनुसार देने के लिए बाध्य करना और फिर भुगतान ना करना- यह किस प्रकार का न्याय है? एएचपीआई ने सीएम हेमंत सोरेन से अपील की है कि वे तुरंत हस्तक्षेप कर बिना उचित कारण के रोके गए भुगतान को बहाल करें, ताकि झारखंड के लोग स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दर-दर न भटकें.

शहर में आज

1. जेसीआई के एक्सपो उत्सव का समापन, मोरहाबादी में दिन के 11 बजे से
2. प्रदेश कांग्रेस कमेटी की गांधी जयंती पर कार्यक्रम, कांग्रेस भवन में दिन के 11 बजे
3. बापू वाटिक मोरहाबादी में राजनीतिक पार्टियों एवं संस्थाओं का श्रद्धांजलि कार्यक्रम दिन के 9 बजे से

ब्रीफ खबरें

आरके मल्लिक व मीणा को डीजी रैंक में प्रोन्नति

रांची। आईपीएस आरके मल्लिक और मुरारी लाल मीणा को डीजी रैंक में प्रोन्नति दी गई है. मल्लिक को डीजी हेड क्वार्टर के पद पर पदस्थापित किया गया है, जबकि मीणा को डीजी रेल बनाया गया है. गौरतलब है कि ये दोनों आईपीएस अधिकारी जनवरी 2025 में सेवानिवृत हो जाएंगे. आरके मल्लिक 1992 बैच, जबकि मुरारी लाल मीणा 1993 बैच के आईपीएस हैं. आईपीएस मीणा अपने कार्यों के अतिरिक्त डीजी जेयूवीएनएल के अतिरिक्त प्रभार में भी रहेंगे. इसके अलावा जैप 10 के कमांडेंट पीयूष पांडेय अपने कार्यों के अतिरिक्त गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा के कमांडेंट के प्रभार में रहेंगे.

शांति व सद्भाव से मनाएं दुर्गोत्सव : मुख्य सचिव

रांची। दुर्गोत्सव में चाक-चौबंद व्यवस्था को लेकर मंगलवार को महानगर दुर्गा पूजा समिति का प्रतिनिधिमंडल मुख्य सचिव एल.खियांग्ते से शिष्टाचार भेंट कर ज्ञापन सौपा. साथ ही मुख्य संयोजक डॉ अजीत सहाय ने हर संभव सहयोग की अपेक्षा जाहिर की. मुख्य सचिव ने आश्वासन देते हुए कहा कि दुर्गा पूजा को शांति, सद्भावना और भाईचारे से मनाने में प्रशासन का पूरा सहयोग रहेगा. सांप्रदायिक सौहार्द हर स्थिति में कायम रखना हम सब की जिम्मेवारी है. पूजा समितियां भी इसके लिए सजग रहे. अमन-चैन कायम रखने के लिए पुलिस लगातार प्रयासरत है.

भूमि जल बोर्ड में हिंदी पखवाड़ा का समापन

रांची। केंद्रीय भूमि जल बोर्ड प्रभाग-5 के हरमू स्थित कार्यालय में सोमवार को हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह संपन्न हुआ. इस दौरान कराए गए कविता पाठ में प्रथम सदानंद सिंह यादव, द्वितीय हसन इमाम अंसारी, तृतीय रविंद्र पांडेय घोषित किये गये. श्रुति लेख में प्रथम सदानंद सिंह यादव, विवेक कुमार, तृतीय निर्मला, अनुवाद में प्रथम निर्मला, द्वितीय दीपक कुमार, तृतीय सदानंद सिंह यादव, निबंध में प्रथम दीपक कुमार, द्वितीय विनय श्रीवास्तव, तृतीय रवि रंजन कुमार, सुलेख में प्रथम बबीता शर्मा, द्वितीय विनोद चौधरी, तृतीय ओम प्रकाश सिंह घोषित किए गए.

आदिवासियों-मूलवासियों का सबसे बड़ा दुश्मन है झारखंड मुक्ति मोर्चा

प्रधानमंत्री आ रहे सौगात देने पर झामुमो भयभीत : प्रतुल

प्रमुख संवददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झामुमो पर निशाना साधा है. कहा कि प्रधानमंत्री का जब भी झारखंड में आगमन होता है, तो झारखंड मुक्ति मोर्चा के खेमे में डर समा जाता है. प्रधानमंत्री खरबों रुपये की सौगात देने आ रहे हैं, लेकिन भ्रष्टाचार में लिप्त झामुमो के नेताओं को अब भी डर लग रहा है. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार पूरे तरह भ्रष्टाचार में डूबी हुई है. लोकतंत्र के लिए यह डर अच्छा भी है.

हक मांगने पर आदिवासी-मूलवासी छात्रों को मिली लाठियां : आदिवासियों और मूलवासियों की सबसे बड़ा दुश्मन झामुमो है. हक मांगने निकले आदिवासी-मूलवासी छात्रों को लाठियां मिलीं और फर्जी मुकदमों में फंसाया गया. प्रतियोगी परीक्षाएं कदाचार की भेंट चढ़ गईं. हेमंत सरकार पर पिछले पांच वर्षों के कार्यकाल में 70 हजार करोड़ रुपये के घपले-घोटाले का आरोप लगा है.

झारखंड आंदोलन को तीन करोड़ रुपये में बेच दिया : प्रतुल ने कहा कि जिस पार्टी ने झारखंड आंदोलन को तीन करोड़ रुपये में बेच दिया हो, वह अब नैतिकता का पाठ पढ़ा रही है. अब सर्वोच्च न्यायालय में यह मामला फिर से खुला है और इस पर सुनवाई चल रही है. यह झारखंड को बेचनेवाले लोगों की सरकार है. हेमंत सोरेन बेल पर बाहर है, लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा ऐसे बयान दे रहा है, जैसे वह दोष मुक्त हो गए हैं.

झारखंड का जो बकाया है, वह तो मिल कर ही रहेगा

झारखंड की जो भी राशि बकाया है, वह तो उसे मिलकर रहेगी. अब इस पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला भी आ गया. हेमंत सोरेन को ये बताना चाहिए कि इस राशि का कितना बकाया केंद्र की एनडीए सरकार के दौरान का था और कितना पैसा उनके सहयोगी दल कांग्रेस की यूपीए सरकार के दौरान था. साथ-साथ यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि शिबू सोरेन जब कोयला मंत्री थे, तो उस समय उन्होंने इस पैसे को वापस लाने के लिए क्या कदम उठाया था?

ऐतिहासिक होगी प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा, तैयारी पूरी : आदित्य साहू

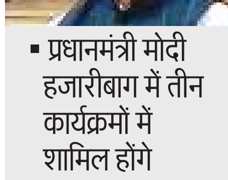

- प्रधानमंत्री मोदी हजारीबाग में तीन कार्यक्रमों में शामिल होंगे

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है. सभा स्थल का निरीक्षण करते हुए हजारीबाग प्रमंडलीय प्रभारी सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है. इस कार्यक्रम में लाखों की संख्या में लोग शामिल होंगे. साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री हजारीबाग में आयोजित तीन कार्यक्रमों में शामिल होंगे. विनोबा भावे विश्वविद्यालय परिसर के बिनोदिनी पार्क में होने वाले पहले सरकारी कार्यक्रम में वह कई राष्ट्रीय योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे. इसके बाद पीएम मटवारी मैदान पहुंचेंगे जहां दो अलग-अलग कार्यक्रमों का हिस्सा बनेंगे. यहां पीएम आदिवासी समुदाय के लोगों से मुलाकात करेंगे और भाजपा के परिवर्तन यात्रा का परिवर्तन महासभा के माध्यम से समापन करेंगे.

सड़क के दोनों ओर की गई है बैरिकेडिंग : साहू ने बताया कि पीएम के हजारीबाग आगमन को लेकर विनोबा भावे विश्वविद्यालय से लेकर गांधी मैदान तक सड़क के दोनों ओर बैरिकेडिंग कर दी गई है. कार्यक्रम स्थल के साथ शहर के विभिन्न चौक-चौराहे और हरेक मार्ग को फ्लेक्स पोस्टर और बीजेपी झंडा से पाट दिया गया है.

इन नेताओं ने कार्यक्रम स्थल का लिया जायजा : पीएम मोदी के कार्यक्रम स्थल का जायजा सांसद आदित्य साहू, सांसद मनीष जायसवाल, यूपी की राज्यसभा सांसद दर्शाना सिंह, छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी, प्रदेश महामंत्री सह प्रमंडलीय प्रभारी मनोज सिंह, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सह सदर विधानसभा प्रभारी आरती कुजूर, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, भाजपा नेता आनंद देव, अरविंद जी सिकरवार, जीतू जैन, दामोदर सिंह, विवेक जोशी सहित अन्य लोगों ने निरीक्षण कर जायजा लिया और तैयारी पूर्ण होने की बात कही.

पांच न्याय और 25 गारंटी की बात घोषणा पत्र में होगी : बंधु

झारखंड प्रदेश मैनिफेस्टो कमेटी की परामर्श बैठक में मौजूद कांग्रेस नेता.

विशेष संवाददाता। रांची

- जमशेदपुर में हुई मैनिफेस्टो कमेटी की परामर्श बैठक
- समाज के कई तबकों ने अपने सुझाव रखे

झारखंड प्रदेश मैनिफेस्टो कमेटी की परामर्श बैठक मंगलवार को जमशेदपुर में कमेटी के चेयरमैन बंधु तिर्की की अध्यक्षता में हुई. इस मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य के दूसरे जिलों में भी चौपाल लगाकर आमजनों की बातों को संकलित करते हुए हम ऐसा एक मेनिफेस्टो बनाने जा रहे हैं. जो सच्चा रियलिस्टिक हो चाहे फाइनेंस का मामला हो, घोषणा पत्र में समाहित किया जाएगा. इसी क्रम में हम लोग पूर्वी सिंहभूम में आए हैं और यहां 12 से 13 संगठन के लोगों से मिलकर उनसे परामर्श लिया.

इसमें पश्चिमी सिंहभूम चैंबर आफ कॉमर्स, दलित संगठन,आदिवासी संगठन, मुस्लिम संगठन, सिख समुदाय, इंटक, बार एसोसिएशन, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, इसरो छात्र संगठन सभी ने अपना-अपना सुझाव दिया. इस बार का जो मेनिफेस्टो होगा यहां का जल, जंगल, जमीन, भाषा-संस्कृति, इंडस्ट्रीज, आदिवासी-मूलवासी, पलायन का जो परामर्श आया है उसको संकलित किया जाएगा. इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, राहुल गांधी, प्रभारी मीर, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के समक्ष रखा जाएगा. सारी चीज को देखते हुए एक अंतिम रूप देने का काम हमारे राष्ट्रीय नेता लोग करेंगे. जिस तरह से लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने पांच न्याय 25 गारंटी की बात की थी हम लोग भी इस घोषणा पत्र को गारंटी के रूप में बनाने का काम करेंगे. घोषणा पत्र जो बनेगा उसका हर छह महीना में सोशल ऑडिट किया जाएगा.

कार्यक्रम में शहजाद अनवर, जलेश्वर महतो, सतीश पाल मुंजनी, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉक्टर तौसीफ, जगदीश साहू, बद्री राम, रविंद्र झा, प्रवीण सिंह, आनंद बिहारी दुबे बलजीत सिंह बेदी, संजय, परविंदर सिंह आदि उपस्थित थे.

रामप्रवेश ने 28 को ही ताला तोड़कर लिया था चार्ज

नामकुम के निवर्तमान सीओ प्रभात ने 29 को किया म्यूटेशन

नामकुम अंचल कार्यालय.

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

राज्य सरकार ने पिछले दिनों बड़े पैमाने पर सीओ का तबादला किया था. इसके बाद से नामकुम अंचल के निवर्तमान सीओ प्रभात भूषण और नवनियुक्त सीओ रामप्रवेश कुमार काफी चर्चा में हैं. एक तरफ राम प्रवेश कुमार ने आनन-फानन में जिस तरह अंचल कार्यालय का ताला तोड़कर चार्ज लिया, उसकी विभाग के साथ ही साथ पूरे प्रशासनिक हलके में चर्चा हो रही है.

वहीं दूसरी तरफ नये सीओ के चार्ज लेने के बाद भी प्रभात भूषण म्यूटेशन करते रहे, इसकी भी चर्चा है. पुख्ता जानकारी के मुताबिक, 28 सितंबर को जब रामप्रवेश कुमार ने बतौर नामकुम सीओ ताला तोड़कर स्वतः चार्ज संभाल लिया, तो उसके दूसरे दिन निवर्तमान सीओ प्रभात भूषण ने कई भूखंडों का म्यूटेशन कर दिया है. जिस दिन प्रभात भूषण ने म्यूटेशन किया, वह रविवार का दिन था. म्यूटेशन से संबंधित जो करेक्शन स्लिप जेनेरेट हुई है, उसमें स्पष्ट तौर पर यह लिखा हुआ है कि सीओ के स्तर से म्यूटेशन की स्वीकृति रविवार को मिली है. यानि रामप्रवेश कुमार के चार्ज लेने के एक दिन बाद. सभी म्यूटेशन हल्का चार से संबंधित है. रविवार को करीब एक एकड़ भूमि का म्यूटेशन सीओ प्रभात भूषण के डिजिटल साइन वाले आईडी से किया गया है.

झारखंड बचाने के लिए मजबूती से उतरेंगे : विजय

रांची। संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी व झारखंड नवनिर्माण दल के संयुक्त तत्वाधान में पुराना विधानसभा के विधायक क्लब में झारखंड बचाओ अभियान के तहत पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शिव उरांव की अध्यक्षता में मंगलवार को कैडर कन्वेंशन का आयोजन किया गया. मुख्य वक्ता के रूप में पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सह झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह शामिल हुए. उन्होंने कहा कि पार्टी भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, पलायन, अपराध, मानव तस्करी, महिला उत्पीड़न पर रोक, सहारा इंडिया समेत दर्जनों ननबैंकिंग कंपनियों में लोगों के जमा पैसे के भुगतान में देरी जैसी समस्याओं से झारखंड को बचाने के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में मजबूती के साथ उतरेगी. विजय सिंह ने कहा कि भाजपा, कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसी पार्टियां राज्य की जनता का विश्वास खो चुकी हैं. ऐसी स्थिति में संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी झारखंड में एक मजबूत राजनीतिक विकल्प बनकर उभरेगी. उन्होंने 6 अक्टूबर को रातू में होनेवाली महापंचायत को ऐतिहासिक बनाने के लिए पार्टी नेताओं से कमर कस लेने की अपील की है. प्रदेश अध्यक्ष शिव उरांव ने कहा कि पार्टी का जनाधार जिस तेजी से राज्य में बढ़ रहा है हमें उम्मीद है कि खनिज व अधिकारों की लूट के विरुद्ध आंदोलन को मजबूती मिलेगी.

प्रधान सचिव ने फ्लाईओवर के उद्घाटन की तैयारियों का जायजा लिया

फ्लाईओवर का रंगरोगन पूरा कर डिवाइडर पर पौधे लगाने का निर्देश

- सिरमटोली-कांटाटोली के कनेक्टिंग ब्रिज का शिलान्यास भी उद्घाटन के साथ ही होगा

संवाददाता। रांची

कांटाटोली फ्लाईओवर का जायजा लेते प्रधान सचिव सुनील कुमार.

राजधानी रांची के बहुप्रतीक्षित और पहले कांटाटोली फ्लाईओवर के उदघाटन की उलटी गिनती शुरू हो गयी है. क्रियान्वयन कंपनी जुडको एवं कार्य एजेंसी डीआरए ने दिनरात एक कर सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं. मंगलवार शाम नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने उद्घाटन समारोह की तैयारियों का जायजा लिया. चार अक्टूबर को मुख्यमंत्री कांटाटोली फ्लाईओवर का उदघाटन और सिरमटोली से बहुबाजार तक कनेक्टिंग फ्लाईओवर का शिलान्यास करेंगे. सिरमटोली और कांटाटोली कनेक्टिंग फ्लाईओवर बन जाने बाद मेकॉन चौक से शांति नगर कोकर तक सीधे वाहनों का आवागमन हो पायेगा.

प्रधान सचिव ने नवनिर्मित फ्लाईओवर के ऊपर जाकर लाइटिंग और सजावट का जायजा लिया. उन्होंने फ्लाईओवर के डिवाइडर पर पौधे लगाने का निर्देश दिया. जल्द से जल्द रंगरोगन का काम, जो अंतिम चरण में है, पूरा करने का निर्देश दिया. बहुबाजार साइड में जहां फ्लाईओवर के उद्घाटन के क्रम में पूजा-पाठ होना है, उस स्थल का भी जायजा लिया.

संत पॉल्स स्कूल प्रांगण में होगा उद्घाटन समारोह

प्रधान सचिव कुमार ने संत पाल स्कूल प्रांगण में बन रहे वाटरप्रूफ पंडाल और मंच का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया. यही उदघाटन एवं शिलान्यास पट्ट का अनावरण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे. यहीं फ्लाईओवर को आम लोगों को आवागमन के लिए समर्पित करेंगे. फ्लाईओवर पर पूजा वाले स्थान पर फीता काट कर मुख्यमंत्री उदघाटन करेंगे. प्रधान सचिव के मुआयना के दौरान सूडा डायरेक्टर अमित कुमार, जुडको के परियोजना निदेशक (तकनीकी) गोपालजी, परियोजना निदेशक (प्रशासन) अरविंद कुमार मिश्र, परियोजना निदेशक (वित्त) अमित कुमार चक्रवर्ती और महाप्रबंधक (परिवहन) विनय कुमार और एजेंसी डीआरए के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे.

डीलर एसोसिएशन ने मंत्री का जताया आभार

रांची। अनुकंपा में उम्र सीमा समाप्त कर पूर्व की तरह बहाल करने को लेकर डीलर एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को खाद्य मंत्री बन्ना गुप्ता से मुलाकात कर आभार जताया. साथ ही राज्य सरकार की ओर से कमीशन वृद्धि के आश्वासन को तत्काल लागू करने की मांग भी की. वरीय उपाध्यक्ष सुरेश प्रसाद ने कहा कि सरकार की ओर से दो रुपये कमीशन देने की बात कही गई थी, जो अप्राप्त है. इस पर भी फिर से विचार करने की जरूरत है. इससे पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हुई, जिसमें 24 जिला के जिला अध्यक्ष और प्रदेश के सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने भागीदारी निभायी. सभी ने उम्र सीमा समाप्त किए जाने पर एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाया. मिठाइयां बांट खुशियां मनायी. प्रदेश अध्यक्ष ओंकार नाथ झा, वरीय उपाध्यक्ष सुरेश प्रसाद, प्रधान महासचिव संजय कुंडू ने इसमें मुख्य रूप से हिस्सा लिया.

डीलर एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल खाद्य मंत्री बन्ना गुप्ता से मिला.

अच्छी खबर बिजली बकाया माफी योजना के तहत बिजली उपभोक्ताओं के लिए खुशखबरी

जेबीवीएनएल कल से उपभोक्ताओं को प्रमाणपत्र देगा

विशेष संवाददाता। रांची

जेबीवीएनएल रांची सर्किल मुख्यमंत्री उर्जा खुशहाली योजना के तहत बिजली बिल बकाया माफी योजना के लाभुक उपभोक्ताओं को प्रमाण पत्र देगा. इसके लिए रांची सर्किल द्वारा तीन से पांच अक्टूबर तक कैंप लगाया जा रहा है. यह जानकारी रांची अधीक्षण अभियंता डीएन साहू ने दी. उन्होंने बताया कि रांची सर्किल के तहत कुल 3,70,996 लाभुकों का 300.23 करोड़ रुपये का बिल माफ हो चुका है.

चार अक्टूबर को कहां-कहां लगेगा कैंप : सिल्ली पंचायत भवन, ओरमांझी प्रखंड कार्यालय परिसर, तमाड़ पंचायत भवन, बिजली कार्यालय हरमू, बिजली कार्यालय पिठोरिया, बिजली कार्यालय चान्हो, बेड़ो ब्लॉक, सुंडील पंचायत, बिजली कार्यालय तुपुदाना, बिजली कार्यालय कांटाटोली और बिजली कार्यालय तोरपा.

पांच अक्टूबर को कहां-कहां लगेगा कैंप : सोनाहातू प्रखंड कार्यालय, अड़की प्रखंड कार्यालय, विद्युत शक्ति उपकेंद्र सिकिदरी, राज्यकीय मध्य विद्यालय बूटी, बिजली कार्यालय पुंदाग, बैंक मोड़, ठाकुरगांव, बिजली कार्यालय अपर बाजार, इटकी ब्लॉक, मुरमा पंचायत भवन, बिजली कार्यालय डोरंडा, बिजली कार्यालय पानी टंकी बरियातू, अड़की ब्लॉक कार्यालय.

तीन अक्टूबर को कहां-कहां लगेगा कैंप

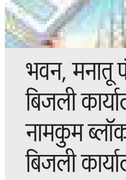

बिजली कार्यालय टाटीसिलवे, इरबा मैदान, एसडीएम कार्यालय बुंडू, मेन रोड सैनिक मार्केट कार्यालय,कांके ब्लॉक चौक, लापुंग ब्लॉक, बुढ़मू पंचायत भवन, मनातू पंचायत भवन, बिजली कार्यालय एचईसी, नामकुम ब्लॉक ऑफिस कैंपस, बिजली कार्यालय खूंटी.

पोल हटाने के लिए विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल को ज्ञापन सौंपा

रांची। इस्लाम नगर हमदर्द कमेटी की ओर से स्कूल के सामने लगे सर्विस पोल को हटाने के लिये विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल के सहायक अभियंता को ज्ञापन दिया गया है. ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि इस्लाम नगर में विस्थापितों के लिये प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भवन निर्माण का कार्य चल रहा है, बड़े वाहनों के प्रवेश से परेशानी हो रही है. पोल में लगे सर्विस वायर काफी नीचे है, जिस कारण परेशानी हो रही है. सर्विस पोल के बगल में रेल पोल लगा हुआ है, जिससे 11 हजार वोल्ट सप्लाई हो रहा है उसी पोल में ब्राइकेट लगा कर सर्विस तार शिफ्ट करा दिया जाता है तो वाहन के प्रवेश करने में परेशानी नहीं होगी. सर्विस तार भी ऊपर हो जायेगा. सड़क का निर्माण भी होना है. इस कारण पोल का हटना जरूरी है. इस कार्य के लिये इस्लामनगरवासी सदा आभारी रहेंगे. ज्ञापन देने वालों में कमेटी अध्यक्ष मो शकील, मो तौहीद, मो आसिफ शामिल हैं.

झारखंड, पंजाब, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश और कर्नाटक ने जीते अपने मैच

संवाददाता। रांची

जयपाल सिंह मुंडा हॉकी स्टेडियम में मंगलवार को पांच मैच खेले गए.

रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा हॉकी स्टेडियम में 30 सितंबर से 10 अक्तूबर तक आयोजित 14 वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप के दूसरे दिन झारखंड, पंजाब, अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक ने अपने मुकाबले जीतकर पूरे अंक अर्जित किए.

मंगलवार को पांच मैच खेले गए, जिनमें मेजबान झारखंड ने तमिलनाडु को 11-00 से, पंजाब ने आंध्रप्रदेश को 6-3 से, अरुणाचल प्रदेश ने दादरा नागर हवेली को 3-0 से, महाराष्ट्र ने चंडीगढ़ को 2-1 से और कर्नाटक ने हिमाचल प्रदेश को 4-1 से पराजित कर पूरे अंक अर्जित किए. इससे पूर्व आज हॉकी इंडिया कोषाध्यक्ष शेखर जे मनोहरण, ओलंपियन अजीत लकड़ा, हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह, संयुक्त सचिव माइकल लाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच प्रारंभ कराया. मौके पर मुख्य रूप से हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी सुभद्रा प्रधान, सई के हाई परफोर्मेंस डायरेक्टर पियूष दुबे, मनोज कोनबेगी, रणधीर कुमार उपस्थित रहे.

www.lagatar.in रांची, बुधवार 02 अक्टूबर 2024 • आश्विन अमावस्या संवत 2081 • पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 • वर्ष : 2, अंक : 174 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एक राज्य - एक अखबार

शुभम संदेश

शत-शत नमनः राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती आज

ब्रीफ खबरें

मीर ने सीएम से की अहम मुद्दों पर चर्चा

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंगलवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश केशव महतो कमलेश एवं विधायक दल के नेता डॉ रामेश्वर उरांव ने मुलाकात की. इस दौरान राज्य में चल रहे विकासात्मक योजनाओं के कार्यान्वयन, जनहित से जुड़े कई अहम मुद्दे एवं राज्य की वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई. जानकारी के अनुसार, इन नेताओं के बीच आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सीट शेयरिंग और अन्य चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई.

कांग्रेस का चुनावी आगाज आज से

रांची। कांग्रेस के चुनावी अभियान का आगाज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती दो अक्टूबर को होगा. प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश द्वारा बापू वाटिका में गांधी की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात बीजूपाड़ा में स्वतंत्रता सेनानी सोमा टाना भगत की जयंती पर उनकी प्रतिमा के समक्ष विशाल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के अलावाद कांग्रेस विधायक दल के नेता डॉ रामेश्वर उरांव, सांसद सुखदेव भगत, कालीचरण मुंडा, बंधु तिर्की सहित मंत्रीगण एवं वरीय नेतागण शामिल होंगे.

रांची में हाईकोर्ट के वकील को मारी गोली

रांची। राजधानी रांची में एक बार फिर से अपराधियों ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया. मंगलवार शाम हथियारबंद अपराधियों ने झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता बबन प्रसाद को उनके घर के पास ही गोली मारकर घायल कर दिया. वे मूल रूप से रातू थाना क्षेत्र के ब्रजपुर के रहनेवाले हैं. घटना के संबंध में बताया जाता है कि अधिवक्ता हाईकोर्ट से अपने घर लौट रहे थे. इसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठे अपराधियों ने पीछे से उन्हें गोली मार दी. गोली उनकी पीठ में लगी है. घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया है. वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की. अधिवक्ता को गोली मारने की सही वजह सामने नहीं आ पायी है.

हजारीबाग और लातेहार में उग्रवादियों और अपराधियों का उत्पात, कोल वाहनों में आगजनी और लेवी के लिए फायरिंग

केरेडारी परियोजना में उग्रवादियों ने पांच हाइवा में लगाई आग

- एनटीपीसी कोल माइंस से कोयला ढुलाई में लगी हुई थी पांचों हाइवा
- चार दिन पूर्व ट्रांसपोर्टिंग कंपनी के ऑफिस में हुई थी गोलीबारी की घटना

संवाददाता। हजारीबाग

जिले में एक बार फिर उग्रवादियों का उत्पात देखने को मिला है. यहां केरेडारी थाना क्षेत्र के केरेडारी-टंडवा मुख्य मार्ग पर स्थित डाम्भाबागी में सोमवार की देर रात करीब दो बजे हथियारबंद उग्रवादियों ने केरेडारी एनटीपीसी कोल माइंस से कोयला ढुलाई में लगी पीएनएम कंपनी के पांच हाइवा को आग के हवाले कर दिया. जिन पांच हाइवा में आगजनी की गयी है, उसमें तीन में ओडिशा और दो

केरेडारी-टंडवा मुख्य मार्ग पर जलता हाइवा.

वाहनों में झारखंड के हजारीबाग के नंबर हैं. इस घटना में पांचों वाहनों की केबिन और इंजन जल कर राख हो गयी है. हथियारबंद उग्रवादियों ने भय उत्पन्न करने के लिए एक वाहन में दो-तीन राउंड फायरिंग भी की है. हालांकि इस घटना को उग्रवादियों ने अंजाम दिया है या फिर अपराधियों ने, पुलिस दोनों पहलुओं की जांच कर रही है.

बीकेएस तिवारी गिरोह ने ली घटना की जिम्मेदारी

पांच हाइवा में आगजनी और गोलीबारी की जिम्मेदारी बीकेएस तिवारी गिरोह के बिपिन पांडेय ने ली है. पोस्टर जारी कर चेतावनी दी कि चट्टी बरियातू कोल माइनिंग से पांच हाइवा में आगजनी व गोलीबारी की जिम्मेदारी लेता हूं. इसे अनदेखा करने की भूल न करें.

पुलिस ने घटनास्थल से खोखा बरामद किया

हाइवा चालकों ने बताया कि देर रात करीब रात 2.30 बजे एक दर्जन से अधिक संख्या में हथियारबंद अपराधी आए और उनके साथ मारपीट की. इसके बाद पांच हाइवा को आग के हवाले कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही केरेडारी थाना प्रभारी अजीत कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. वहीं फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंची और हाइवा में लगी आग को बुझाया. मौके पर हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह, डीएसपी कुलदीप कुमार और इंस्पेक्टर अनिल कुमार भी पहुंचे. पुलिस ने घटनास्थल से खोखा भी बरामद किया. बता दें कि चार दिन पहले भी हथियारबंद अपराधियों ने एक ट्रांसपोर्टिंग कंपनी के कार्यालय में घुस कर गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया था. पुलिस जांच में जुटी हुई है.

बालूमाथ में कोयला लदे हाइवा को अज्ञात अपराधियों ने फूंक दिया

बालूमाथ (लातेहार)। सीसीएल द्वारा संचालित मगध परियोजना के चमातु स्थित 20 नंबर कोटा के पास कोयला लदे हाइवा में सोमवार की देर रात अपराधियों ने आग लगा दी. इस घटना में हाइवा समेत कोयला जल गया. हाइवा पीएनएम कंपनी की है. कंपनी के तरुण सिंह ने बताया कि कोयला लदा हाइवा का चालक कोटा में वजन कराने के बाद गाड़ी को सड़क किनारे खड़ा कर पेपर लेने ऑफिस गया था.

इसी दौरान चार-पांच अज्ञात लोग हाइवा के समीप पहुंचे और उसमें आग लगा कर मौके से फरार हो गए. स्थल पर पेट्रोल का

- पीएनएम कंपनी की थी हाइवा, जांच में जुटी पुलिस

चमातु स्थित 20 नंबर कोटा के पास जला हुआ हाइवा.

गैलन भी पाया गया है. कंपनी के उच्च अधिकारी आगे की कार्रवाई कर रहे हैं. बालूमाथ थाना प्रभारी विक्रांत कुमार उपाध्याय ने बताया कि रात में घटना हुई है. प्राथमिक दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है. ज्ञात हो कि फूलबसिया और बालूमाथ रेलवे साइडिंग में कोयले में मिलावट करने के मामले में उक्त कंपनी पर खनन विभाग के द्वारा बारियातू थाने में प्राथमिककी दर्ज कराई गई थी. घटना के बाद क्षेत्र में कई तरह की चर्चा हैं. जांच के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा कि घटना को अंजाम देने वाले कौन लोग हैं?

खनन रॉयल्टी के बकाया पर झामुमो की पीएम को चेतावनी, कहा

दिल्ली में उजाला रखना है,तो चौहद्दी बांधने पर मजबूर न करें

विशेष संवाददाता। रांची

खनन रॉयल्टी का बकाया एक लाख छतीस हजार करोड़ मामले पर झामुमो ने सख्त रूख अपना लिया है. पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आगाह करते हुए कहा कि हम खैरात नहीं मांग रहे हैं. अपना हक मांग रहे हैं. हम लड़ कर, संघर्ष कर के हर चीज लेना जानते हैं, झारखंड का गठन इसका प्रमाण है. अगर दिल्ली में उजाला कायम रखना है, तो हमें झारखंड की चौहद्दी बांधने पर मजबूर न करें. हमें सौगात नहीं, अपना हक चाहिए. हमारा पैसा पूंजीपतियों, अडाणी और अंबानी को देने को देने के लिए नहीं है. ये बातें झामुमो के महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान कही.

चुनाव के वक्त ही पीएम को याद आते हैं आदिवासी : सुप्रियो ने कहा कि 15 दिन के अंतराल में दो अक्टूबर को प्रधानमंत्री झारखंड दौरे पर आ रहे हैं. आखिकार प्रधानमंत्री और भाजपा को चुनाव के वक्त ही आदिवासी क्यों याद आते हैं? ये लोग आदिवासी के नाम पर राष्ट्रपति जैसे पद का इस्तेमाल भी चुनावी फायदे के लिए करते हैं. इसलिए इधर-उधर की बातें नहीं, हमें कोई सौगात नहीं चाहिए. बुधवार को मंच से प्रधानमंत्री को हमारे बकाया को लेकर घोषणा करना ही होगा. क्योंकि इस पैसे का इस्तेमाल युवाओं, बेरोजगारों, महिलाओं, किसानों, मजदूरों के लिए चलाए जा रहे योजनाओं के लिए जरूरी है.

- झारखंड को उनके हक का ऐलान कर दें पीएम मोदी
- झामुमो ने कांग्रेस प्रभारी के बयान पर किया पलटवार

झारखंड में सिंगल डिजिट में रहेगी भाजपा

सुप्रियो ने कहा कि झारखंड में भाजपा को जो मुद्दे उठाने हैं, उठाते रहें. जितना जहर घोलना है, घोलते रहें. जितना झूठ-सच बोलना है, बोलते रहें. इन सबसे कोई फर्क नहीं पड़ता है. हरियाण और महाराष्ट्र में तो उसका रिजल्ट अंकित हो चुका है. झारखंड में इन राज्यों से भी बुरी स्थिति होगी. यहां पर भाजपा सिंगल डिजिट में रहेगी और पुनः हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनेगी. रही बात घुसपैठ की, तो बुधवार को मंच में पीएम के साथ सारे घुसपैठिये ही रहेंगे.

हेमंत का नेतृत्व स्वीकार नहीं, तो अकेले सक्षम

सुप्रियो ने प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि किसी को अगर हेमंत सोरेन का नेतृत्व मंजूर नहीं है, तो हमारी पार्टी भी सभी 81 सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार हैं, जिसमें हम 55 सीट जीतने में सक्षम हैं. हमारे उपर भी पार्टी कार्यकर्ताओं को दबाव है. हम चाहते हैं कि इंडिया गठबंधन मजबूती के साथ चुनाव लड़े, मगर कोई भी झामुमो को कमजोर समझने की भूल न करे. कांग्रेस को 2009, 2014 और 2019 नहीं भूलना चाहिए. यह सरकार गठबंधन के तहत अच्छा काम कर रही है.

नो फ्लाईंग जोन जैसे हालात न हों, आयोग तय करे

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा किसी भी राज्य सरकार की जिम्मेवारी है. इसमें कोई कोताही नहीं बरती नहीं जाती है. मगर यह भी सच है कि चुनाव के पहले और चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री का झारखंड दौरा बढ़ जाता है. अभी तो चलेगा, मगर चुनाव में नो फ्लाईंग जोन की स्थिति नहीं बने, यह चुनाव आयोग सुनिश्चित करे. हमने चुनाव आयोग के साथ मीटिंग में भी सभी दलों को समान ग्राउंड मिले, इसकी गुजारिश कर चुके हैं.

कोल्हान में परिवर्तन सभा संपन्न, ओडिशा के सीएम मोहन माझी बोले

विकास और सुशासन के लिए भाजपा की सरकार जरूरी है

चाईबासा में परिवर्तन सभा के समापन समारोह में भाजपा के शीर्ष नेता.

- भाजपा सरकार बनते ही महिलाओं को मिलेंगे 2100 रुपये
- सरकार बनते ही 2.87 लाख सरकारी पदों को भरेगी भाजपा

प्रमुख संवाददाता। रांची

कोल्हान प्रमंडल के चाईबासा में आयोजित भाजपा की परिवर्तन सभा के समापन के अवसर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी शामिल हुए. सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड प्रदेश में इस बार झामुमो-कांग्रेस-राजद की गठबंधन सरकार का सफाया होने वाला है और राज्य में डबल इंजन की भाजपा सरकार आने वाली है. केंद्र और राज्य में अगर भाजपा की सरकार रहेगी, तो राज्य और राज्य की जनता का विकास होगा. जनता का काम तीव्र गति से हो सकेगा और लोगों को लाभ होगा.

मोहन माझी ने कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार बनी, तो दो लाख 87 हजार सरकारी पद भरे जाएंगे. सरकार बनते ही दिसंबर महीने से महिलाओं के खाते में डीबीटी के माध्यम से 2100 रुपये डालने का काम होगा. प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को पक्का घर दिया जाएगा. हर घर में शौचालय और नल का जल होगा. उन्होंने अपील करते हुए कहा कि झारखंड में कुशासन का अंत और विकास करना है, तो राज्य में भाजपा की सरकार जरूरी है.

चुनाव नजदीक, होनेवाला है परिवर्तन : बाबूलाल मरांडी

- झामुमो, कांग्रेस और राजद के राज में झारखंड बना लूट का अड्डा
- हेमंत ने किया राज्य की जनता से विश्वासघात, भाजपा लाएगी परिवर्तन

रांची। कोल्हान प्रमंडल में भाजपा की परिवर्तन सभा के समापन समारोह में चाईबासा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य की गठबंधन सरकार पर निशाना साधा. सभा को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव नजदीक है, परिवर्तन होने वाला है. राज्य की गठबंधन सरकार ने पिछले पांच सालों में राज्य की जनता को सिर्फ लूटने का काम किया है. झामुमो-कांग्रेस की सरकार ने झारखंड के जंगल, पत्थर और बालू से सिर्फ अपनी तिजोरी भरने का काम किया है. राज्य में जमीन की हेराफेरी कर सिर्फ लूटने का काम किया है.

सीएम हेमंत जनता के बीच डाल रहे चारा : मरांडी ने कहा कि चुनाव निकट है, इसलिए हेमंत सोरेन एक हजार रुपये महिलाओं के खाते में डाल कर जनता के बीच चारा डाल रहे हैं. इनके जाल में नहीं फंसना है. इस सरकार ने युवाओं को नौकरी तो नहीं दी, लेकिन मौत जरूर दे दी. राज्य की भ्रष्टाचार की सरकार को हटाने और झारखंड के विकास के लिए सत्ता परिवर्तन तक यह यात्रा चलती रहेगी. उन्होंने कहा कि झामुमो और कांग्रेस जनता को ठगती है, लेकिन भाजपा जो कहती है, वह करती है.

कांग्रेस-झामुमो ने वीरों का किया अपमानः मुंडा : परिवर्तन सभा को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि झारखंड के निर्माण में बलिदान देनेवालों का एक लंबा इतिहास है. इस राज्य को बनाने में कई पीढ़ियों ने अपना जीवन खपाया है. झारखंड बनने से पहले कई लोगों ने इसका राजनीतिक लाभ उठाया है. कई आंदोलनकारियों ने बलिदान देकर झारखंड राज्य बनाने का सपना सजाया. लेकिन आज कांग्रेस और झामुमो मिलकर पर्दे के पीछे से झारखंड को बर्बाद करने पर तुले हैं. मुंडा ने कहा कि झारखंड में आदिवासियों की भाषा को मान्यता दिलाने के लिए गृह मंत्री ने आश्वासन दिया है. आज देश और प्रदेश में जो भी विकास का काम हुआ है, उसे भाजपा ने ही किया है.

आदिवासियों की भाषा को मिलेगी मान्यता : मुंडा ने कहा कि झारखंड में आदिवासियों की भाषा को मान्यता दिलाने के लिए गृह मंत्री ने आश्वासन दिया है. आज देश और प्रदेश में जो भी विकास का काम हुआ है, उसे भाजपा ने ही किया है. प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा है कि भाषा भारत की बहुत बड़ी संपदा है.

रांची से लापता हुए चार बच्चे सिमडेगा से बरामद

संवाददाता। रांची

रांची रेलवे स्टेशन से पांच दिन पहले लापता चार बच्चों को सिमडेगा से बरामद कर लिया गया है. जानकारी के मुताबिक, चारों बच्चे रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़ कर सिमडेगा चले गये थे. बानो स्टेशन पर आरपीएफ के जवानों ने चारों बच्चों देखा, तो पूछा कि कहा जा रहे हो. बच्चों ने कुछ जवाब नहीं दिया, तो आशंका होने पर आरपीएफ के जवानों ने चारों बच्चों को ट्रेन से उतारा और आरपीएफ पोस्ट में रखा. इसके बाद सिमडेगा सीडब्ल्यूसी से संपर्क किया और बच्चों को सौंप दिया.

चारों बच्चों के परिजन ने दर्ज कराई थी रिपोर्ट : चारों बच्चों के परिजनों ने सोमवार को चुटिया थाना में बच्चों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. चुटिया थाना पुलिस ने इसकी जानकारी वरीय पुलिस अधिकारी को दी. सिटी एसपी राज कुमार मेहता ने डीएसपी केवी रमन को त्वरित टीम बना कर कार्रवाई का निर्देश दिया. देर रात पुलिस को सभी बच्चों को सिमडेगा में होने की जानकारी मिली. इसके बाद चुटिया थाना की पुलिस सिमडेगा पहुंची और सिमडेगा सीडब्ल्यूसी से कागजी कार्रवाई के बाद चारों बच्चों को लेकर रांची लेकर आ गई. सभी बच्चे अरगोड़ा इलाके में कचरा चुनने वाले बताये जा रहे हैं.

- पांच दिन पहले हुए थे लापता, बानो स्टेशन पर मिले
- आरपीएफ ने सिमडेगा सीडब्ल्यूसी को सौंपे थे बच्चे

टंडवा : नो एंट्री लागू व कोल ट्रांसपोर्टिंग को पब्लिक रूट प्रतिबंधित करने की मांग

15 गांव के लोगों ने समाहरणालय घेरा

संवाददाता। चतरा

ट्रांसपोर्टिंग और आम सड़क को अलग करने की मांग को लेकर टंडवा के 15 गांव के ग्रामीणों ने मंगलवार को समाहरणालय का घेराव किया. प्रदर्शनकारियों ने स्थानीय प्रशासन से टंडवा में नो एंट्री लागू करने तथा कोल ट्रांसपोर्टिंग को पब्लिक रूट से नहीं किए जाने की अपील की.

इस दौरान ग्रामीणों ने अपने मुद्दों को लेकर नारेबाजी की और प्रशासन पर जनता की उपेक्षा का आरोप लगाया. उनका कहना है कि कोल ट्रांसपोर्टिंग गतिविधियों के कारण आम लोगों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है. आए दिन कोल वाहनों की चपेट में आकर निर्दोष ग्रामीण मौत के मुंह में समा रहे हैं. टंडवा वासियों के सर पर हमेशा मौत का खतरा मंडराता रहता है. काल के रूप में कोल वाहनों की रफ्तार से टंडवा क्षेत्र के ग्रामीणों की रुह कांपती रहती है. पता नहीं इन कोल वाहनों की रफ्तार के कहर से कब किसकी मौत हो जाए, इसकी इसकी चिंता में दिन और रात गुजर रहे हैं.

चतरा समाहरणालय के बाहर प्रदर्शन करते टंडवा के 15 गांवों के लोग.

एसडीओ ने दिया मांगों पर विचार करने का भरोसा

चतरा एसडीओ ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा. एसडीओ ने सभी लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से वापस जाने की अपील की. ग्रामीणों ने प्रशासन के आश्वासन पर चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं हुआ, तो वे फिर से सड़कों पर उतरेंगे, मांगें पूरी होने तक वापस नहीं जाएंगे.

लंबी लकीर पूर्वी भारत का पहला प्रीकास्ट सेगमेंट्ल बॉक्स गडर प्रणाली का है कांटाटोली फ्लाईओवर

जुडको ने रिकॉर्ड दो साल में पूरा किया फ्लाईओवर का काम

रवि भारती। रांची

जुडको की टीम ने एक लंबी लकीर खींच दी है. रिकॉर्ड दो साल में कांटाटोली फ्लाईओवर का निर्माण कार्य पूरा किया है. जुड़को ने फ्लाईओवर निर्माण का जिम्मा मेसर्स दिनेशचंद्र अग्रवाल एसोसिएट इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को सौंपा था. अब सीएम हेमंत सोरेन के निर्देशन और नगर विकास सचिव सुनील कुमार की देख-रेख में बहुबाजार कांटटोली शांति नगर फ्लाईओवर बनकर तैयार है. चार अक्तूबर को इसका उद्घाटन होगा.

पूर्वी भारत का पहला बॉक्स गडर प्रणाली का फ्लाईओवर : यह पूर्वोत्तर भारत का पहला प्रीकास्ट सेगमेंट्ल बाक्स गडर प्रणाली का फ्लाईओवर है. इसमे 486 प्रीकास्ट सेगमेंट्ल बॉक्स लगे हैं. 42 स्पैन (पीलर) पर सेगमेंट्ल बॉक्स टिके हैं. इसकी लंबाई 2.4 किलोमीटर है. इस पर कुल 224 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं. ब्रिज पर 125 बिजली के खंभे भी लगाए गए हैं.

जुडको की इस टीम ने योजना को धरातल पर उतारा : जुडको की जिस टीम ने फ्लाईओवर को धरातल पर उतारा, उनमें रमेश कुमार (पूर्व परियोजना निदेशक, तकनीक), गोपालजी (परियोजना निदेशक तकनीक), पूर्व महाप्रबंधक वीरेंद्र कुमार कुमा (परिवहन), विनय कुमार महाप्रबंधक (परिवहन), अभिनेंद्र कुमार (सहायक महाप्रबंधक), शीतांशु वैभव (परियोजना प्रबंधक), नयन मोदक (परियोजना प्रबंधक), प्रत्युष आनंद झा(उप परियोजना प्रबंधक), विनय कुमार शील (सहायक परियोजना प्रबंधक), राहुल मिश्र सहायक (परियोजना प्रबंधक) और संजय कुमार सहायक (परियोजना प्रबंधक) शामिल हैं.

इन्होंने दी बेहतरीन सलाह : फ्लाईओवर के निर्माण के लिए कर्नल राजीव भटनागर, आकाश कुमार, श्रीकांत कुमार और कौशिक कुमार नेम ने परमर्शी के रूप में अहम भूमिका निभाई.

पांच अप्रैल 2022 को मिला था कार्यादेश

इनका भी रहा योगदान

डीआरए एजेंसी के समन्वयक प्रशांत कुमार, वरीय परियोजना प्रबंधक रामप्रवेश, गुणवत्ता अभियंता सुमित कुमार, साइट अभियंता मुकेश कुमार व दीपक कुमार और एजीएम नितिन मिश्र का योगदान रहा.

पूर्व डिप्टी मेयर सह कांग्रेस महासचिव अजय नाथ शाहदेव ने मध्यस्थता कर एचइसी प्रबंधन और सप्लाई कर्मियों को जोड़ा

मुख्यालय बंद नहीं करेंगे सप्लाई कर्मचारी, ईएसआई सुविधा व वेज स्लिप मिलेगा

संवाददाता। रांची

एचइसी सप्लाई कर्मी प्रबंधन के आश्वासन के बाद मंगलवार से मुख्यालय व तीनों एडमिन बिल्डिंग कार्यालय को बंद नहीं करेंगे. इस संबंध में मनोज पाठक ने बताया कि सोमवार को पूर्व डिप्टी मेयर सह कांग्रेस महासचिव अजय नाथ शाहदेव की मध्यस्थता में प्रबंधन व सप्लाई कर्मियों की बैठक मुख्यालय में हुई. बैठक में सप्लाई कर्मियों को अपने कार्यस्थल व प्लांटों में जाने की अनुमति देने पर चर्चा हुई. ज्ञात हो की श्री शाहदेव शुरू से ही एचइसी कर्मियों के हक और अधिकार की लड़ाई में उनके साथ रहे हैं.

प्रबंधन की ओर से निदेशक कार्मिक ने सप्लाई कामगार प्रतिनिधियों से कहा कि प्लांट के अंदर ले जाने के लिए और प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कुछ दिनों के लिए कार्यालय को खुला रखना जरूरी है. अगर कार्यालय खुला रहेगा, तभी प्रबंधन प्रक्रिया पूरा करेगा. उन्होंने कहा कि छह माह के लिए सीधे तौर पर सप्लाई कर्मियों को प्रबंधन प्लांट के अंदर ले जायेगा. प्लांट के अंदर जाते ही इएसआइ सुविधा बहाल की जायेगी. सभी कामगारों को वेज स्लिप भी दिया जायेगा. उन्होंने कहा कि सप्लाई कर्मियों के बिना प्लांट को नहीं चलाया जा सकता. सप्लाई कर्मी धैर्य बनाये रखें. कंपनी सुचारू रूप से चलेगी, तो सभी मांगों का हल निकाला जायेगा.

वहीं मनोज पाठक ने कहा कि वार्ता के बाद धरना स्थल पर सप्लाई कामगार प्रतिनिधियों ने बैठक कर आम सहमति बनायी कि कुछ समय के लिए प्रबंधन को मोहलत दी जाये. मुख्यालय और कार्यालय बंद नहीं किया जायेगा. सप्लाई कर्मी धरना स्थल पर शांतिपूर्ण तरीके से रहेंगे.

ब्रीफ खबरें

सिल्ली रेलवे मार्केट के दुकान में हुई चोरी

सिल्ली/मुरी। राजकीय रेल थाना क्षेत्र के रेलवे मार्केट के एक दुकान में एस्बेस्टस तोड़कर चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है. दुकान के मालिक अजीत कुमार ने बताया कि प्रतिदिन की भांति सोमवार को रात्रि में दुकान बंद कर अपने घर चले गए परंतु मंगलवार को प्रातः जैसे ही उन्होंने अपने दुकान को खोला तो देखा कि छत का एस्बेस्टस तोड़कर उनके दुकान में चोरी हो गई है. चोरों द्वारा रखे नगद 26000 रुपया एवं बिस्किट समेत और भी कई वस्तुओं को चोरी कर लिया गया है. घटना की खबर फैलते ही उनके दुकान पर लोगों की काफी भीड़ जमा हो गई तत्पश्चात घटना की सूचना राजकीय रेल थाना मुरी को दी गई. पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जायजा लिया .

अनगड़ा में बच्चों ने चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान

अनगड़ा। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत मंगलवार को संत अलोयसियस इंग्लिश मीडियम स्कूल अनगड़ा के विद्यार्थियों ने स्वच्छता अभियान चलाया. अभियान में कक्षा आठवीं से 12वीं तक के विद्यार्थी शामिल हुए. रैली स्कूल परिसर से प्रिंसिपल रेव सीनियर मर्सी मैथ्यू, प्रबंधक रेव सीनियर हीरामनि तिर्की, वाइस प्रिंसिपल रेव सिस्टर दीप्ति पी और शिक्षकों के नेतृत्वमें निकाली गई. छात्रों ने हाथों मेंबैनर, प्लक कार्ड और पोस्टर लेकर नारों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता का संदेश देकर जागरूक किया. विद्यार्थियों ने अनगड़ा चौक में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से साफ-सफाई का संदेश दिया.

तमाड़ में चूल्हा प्रमुखों का सम्मेलन कल

तमाड़। प्रखंड क्षेत्र के सालगाडीह इंटर कॉलेज तमाड़ मैदान में गुरुवार को तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के लगभग 15 हजार चूल्हा प्रमुखों का सम्मेलन होगा. सम्मेलन में मुख्य अतिथि आजसू पार्टी प्रमुख सह पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो उपस्थित होंगे. सम्मेलन की तैयारी को लेकर आजसू के वरिष्ठ नेताओं ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया.

गढ़ाटोली के लोग विकास से कोसों दूर

नामकुम। मंगलवार को आजसू पार्टी का सिलवे पंचायत में ग्राम प्रभारी आशा टोप्पो की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन गया . बताया गया कि देश की आजादी के बाद भी सिलवे पंचायत के गढ़वाटोली गांव में एक भी विकास की योजनाएं सड़क, पुल, पुलिया, नाली, गली नहीं आ पाया है. यहां के लोगों को बाजार अस्पताल आने जाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है जो झारखंड राज्य की खिजरी विधानसभा के लिए दुर्भाग्य की बात है. मौके आजसू पार्टी जिला अध्यक्ष सह उपप्रमुख वीणा कुमारी पारस उरांव व चूल्हा प्रमुख मंगल तिर्की,राजू तिर्की,आइती देवी, सुनीता देवी, आदि दर्जनों लोग उपस्थित रहें .

मानसिक रोगी बुधन और काजल को पहुंचाई मदद

रांची। झालसा के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के सचिव के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के पीएलवी अपने-अपने क्षेत्र में अपने काम का लोहा मनवा रहे हैं. पीएलवी जिनकी नियुक्ति ब्लॉक, अस्पताल, थाना एवं स्कूल-कॉलेज के लिगल-ऐड-क्लिनिक में की गयी है वे सभी पूरे निष्ठा और समर्पन भाव से काम कर रहे हैं . जरूरतमंदों को विधिक सेवा मुहैया कराकर सरकार के लाभकारी योजना का लाभ दिला रहे हैं. सीआईपी में कार्यरत पीएलवी शंपा दास ने रामगढ़ करमा से आए अपने पिता के मानसिक इलाज के लिए बुधन महतो को पहली बार सीआईपी लाया गया है.

महादानी मैदान में प्रखंड स्तरीय खेल दिवस समारोह आयोजित

जरूरतमंदों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सभी की जिम्मेवारी : तिर्की

संवाददाता। बेड़ो

विभिन्न खेलों के प्रतिभावान एवं मुकाम हासिल करने का बुलंद हौसला रखने वाले खिलाड़ियों को छात्र-छात्राओं को उनके लिए सरकार द्वारा बनाई गई लाभकारी योजनाओं की जानकारी रखना और समय पर उसका लाभ उठाना ही सबसे महत्वपूर्ण है. उक्त बातें बेड़ो के ऐतिहासिक महादानी मैदान में प्रखण्ड स्तरीय खेल दिवस सह खेल किट वितरण समारोह के दौरान बतौर मुख्य अतिथि मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कही. उन्होंने कहा कि जरूरतमंद छात्र-छात्राओं एवं खिलाड़ियों तक सरकारी योजनाओं की जानकारी नहीं मिल पाती जिसके कारण वे इसका लाभ नहीं उठा पाते हैं. उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेवारी है और अगर इसमें कोई भी कोताही होती है तो यह झारखंड के ऊपर कुठाराघात साबित हो सकता है. मंगलवार को बेड़ो के ऐतिहासिक महादानी मैदान में खेलो झारखंड योजना के तहत आयोजित प्रखंड स्तरीय खेल दिवस सह खेल किट वितरण समारोह में श्रीमती तिर्की ने कही. उन्होंने कहा कि जागरूकता के अभाव के खामियाजा के साथ ही जिम्मेदार लोगों की लापरवाही और गंभीर बातों को हल्के में लेने की आदत से ग्रामीण भाई-बहनों को नकारात्मक परिणाम भुगतना पड़ रहा है और इसके लिये जिम्मेदार लोगों को अपने-आप में सुधार करने की जरूरत है. विधायक ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच आयोजित फुटबॉल मैच की सराहना किया. इस मौके अंचल अधिकारी प्रताप मिंज और प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल उरांव ने कहा कि खेलकूद पूरे समाज को जोड़ता है. नकारात्मक गतिविधियों से हमें यह सकारात्मक रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करता है. इस मौके पर समाजसेवी शंभू बैठा, जिला परिषद बेरोनिका उरांव, उप प्रमुख मुदस्सिर हक, कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, देवनिश तिग्गा, अनमोल टोप्पो, अमीन अंसारी, मुन्ना मलिक, सब्दुल मलिक, रमेश उरांव, सोमरा लोहरा, फहीमुल हक, महावीर उरांव, शाबान अंसारी, लालदेव लोहार, बिगा उरांव, विजय उरांव,अर्जुन मुंडा,मकबूल अंसारी, विशेश्वर उरांव सहित दर्जनों खिलाड़ी मौजूद थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता और संचालन उप प्रमुख मोद्दिसर हक ने किया.

खिलाड़ियों को किट देकर सम्मानित करती विधायक शिल्पी नेहा तिर्की.

अनुमंडलीय अस्पताल बन जाने से लोगों को मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सेवा

बुंडू। यह अस्पताल स्वास्थ्य क्षेत्र में लोगों के लिए वरदान साबित होगा . जो यह अस्पताल पांचपरगना क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेगा. उक्त बातें विधायक विकास कुमार मुंडा ने कही. वे मंगलवार को बुंडू स्थित अपने आवास के निकट स्थित अनुमंडलीय अस्पताल के नये भवन का शिलान्यास कर रहे थे. मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह अस्पताल 50 बेड का होगा. जो प्रिफेब्रिकेटेड फील्ड का बनेगा. जिसकी लागत तीन करोड़ 37 लाख 82 हजार दो रुपये है.अस्पताल सभी सुविधाओं से लैस होगा. इस अस्पताल के बन जाने से पांचपरगना क्षेत्र के लोगों की रांची पर निर्भरता कम होगी. अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की भी व्यवस्था होगी. पुराना अस्पताल भवन जर्जर हो गया था. जिसे तोड़कर नया बनवाना जरूरी था.

बुंडू में जंगली हाथियों ने धान की फसल रौंदा

बुंडूः बुंडू अंचल के रेलाडीह-खुदीमदुकाम जंगल में 35 की संख्या में जमे जंगली हाथियों के दस्ते ने गत सोमवार रात्रि खूब उत्पाद मचाते हुए दर्जनों किसानों के धान की खड़ी फसलों को रौंद कर नष्ट कर दी। जबकि रविवार रात्रि हाथियों ने जंगल के सीमावर्ती सोनाहातू अंचल क्षेत्र के पोवादिरी ,महकमशीला गांव में उत्पात मचाते हुए कई किसानों के खेत में खड़ी फसल को रौंद डाला। महकमशीला ग्राम निवासी अलका देवी ने बताया कि जंगली हाथियों उसके 1एकड़ धान के खेत की फसल को खाकर एवं रौंद कर बर्बाद कर दिया।गत रात्रि खुदीमदुकम गांव के कई किसानों के खेतों को रौंद दिया, जिनमें रामसिंह महतो, कलेश्वर महतो दशरथ महतो, सुरेंद्र महतो, बानेश्वर महतो, गोकुल महतो, करम महतो, राम लाल महतो, मेघु महतो, रामनाथ महतो, परेश महतो, मेघनाथ महतो, हरिहर महतो, विक्रम मुंडा आदि शामिल थे.

गंगा मंदिर निर्माण के लिए निकलेगी कलश यात्रा

सोनाहातू। प्रखंड के बारेंदा पंचायत के पांडुडीह गांव के स्वर्णरेखा नदी के तट पर स्थित महातीर्थ सतीघाट पर भव्य गंगा मंदिर निर्माण किया जाना हैं. 3 अक्तूबर को मां दुर्गा पूजा के कलश स्थापना के अवसर पर निर्माण कार्य का नींव रखी जायेगी. नींव अनुष्ठान के अवसर पर भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा. कलश यात्रा में विधायक सुदेश कुमार महतो मौजूद रहेंगे. बैठक में प्रशांत कुमार (कनीय अभियंता, जिला परिषद्), अरुण रंजन , गूंज परिवार के संरक्षक सुनील सिंह, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष चित्तरंजन महतो, बारेंदा मुखिया प्रतिनिधि माधव सिंह मुंडा, सत्यनारायण सिंह मुंडा, पूर्व उपप्रमुख अनिता देवी कृष्ण सिंह मुंडा, बेनीमाधव सिंह मुंडा आदि शामिल थे.

न्यूज अपडेट

झारखंड में शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सब चौपट है: राजा पीटर

बुंडू। अखबार के पहले पन्ने में ही झारखंड के महिलाओं पर हो रहे अत्याचार और दुष्कर्म की घटनाओं से ही पता चलता है कि महिलाओं को यहां कितना सम्मान मिलता है .वे कितना सुरक्षित हैं. उक्त बातें जदयू नेता गोपाल कृष्ण पातर उर्फ राजा पीटर ने कही. जदयू की सदस्यता ग्रहण करने के पश्चात् पहली बार बुंडू पहुंचने पर लोगों ने उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया. भारत माता चौक होते हुए वे सुभाष चौक पहुंचे. वहां नेताजी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के पश्चात् उन्होंने राधारानी मंदिर में जाकर भगवान के समक्ष अपना माथा टेका.बाद में वे तमाड़ चले गये. इस बीच उन्होंने पत्रकारों को बताया कि राज्य में शिक्षा की क्या स्थिति है. अड़की के एक स्कूल के बच्चे चटाई में बैठकर पढ़ते हैं.उनके सर के ऊपर छत नहीं है. तमाड़ का गांगों गांव में विद्यालय का भवन जर्जर है. रूड़ी आवासीय विद्यालय की भी स्थिति जर्जर है. राज्य में शिक्षा, रोजगार स्वास्थ्य सब चौपट है. हेमंत सरकार गले तक भ्रष्टाचार में डूबी है. सुशासन तो कहीं भी नहीं है.

टोल प्लाजा से टैक्स वसूली शुरू, ग्रामीणों ने किया विरोध

अनगड़ा। एनएच-33 पर हेसल में नवनिर्मित टोल प्लाजा पर मंगलवार से टोल टैक्स की वसूली शुरू हो गई. वहीं टोल टैक्स से वसूली शुरू होने की सूचना पर ग्रामीणों ने विरोध-प्रदर्शन किया. ज्ञात हो कि एनएचआई के साथ हुए करार के बाद इगल इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा टोल टैक्स की वसूली की जा रही है. टोल प्लाजा के प्रबंधक प्रमोद राय ने बताया कि टोल प्लाजा से 20 किमी के दायरे तक के निजी कार चालकों से प्रतिमाह 340 रुपये टोल टैक्स निर्धारित किया जाएगा. फास्ट टैग वाली कार को टोल प्लाजा पार करने पर 70 रुपये और लौटने पर 35 रुपये देने होंगे. वहीं व्यावसायिक वाहनों से 110 रुपये और लौटने पर 55 रुपये जबकि ट्रक-बस चालकों को 230 और लौटने पर 115 रुपये देना होगा. वहीं पूर्व विधायक रामकुमार पाहन के नेतृत्व में लोगों ने स्थानीय ग्रामीणों से टोल टैक्स नहीं लेने और टोल प्लाजा में स्थानीय ग्रामीणों को काम पर रखने की मांग कर रहे थे. हालांकि सक्षम अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण मामले का कोई निष्कर्ष नहीं निकला. अब दोनों मांगों को लेकर बुधवार को एनएचआई और इगल इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के उच्च अधिकारियों के साथ ग्रामीणों की बैठक होगी. ग्रामीणों का कहना है कि अधूरी योजना पर टैक्स वसूली शुरू की गई है, जबकि कई जगहों पर सर्विस रोड अपूर्णहै. सड़क विभिन्न जगहों पर क्षतिग्रस्त हो गई है.

ऑल इंडिया पोस्टल एसोसिएशन ने पेंशनर्स दिवस मनाया

रांची। रांची जीपीओ में ऑल इंडिया पोस्टल/ आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन के बैनर तले एम जेड खान,राज्य सचिव के नेतृत्व में इंटरनेशनल ट्रेड यूनियन पेंशनर्स एंड रिटायरीज तथा एनसीसीपीए के आह्वान पर अंतरराष्ट्रीय पेंशनर्स दिवस मनाया गया. राज्य सचिव ने कहा कि सरकारें पेंशन का निजीकरण न करे. नई पेंशन व्यवस्था(एनपीएस) को समाप्त करे . ये एक शोषणकारी व्यवस्था है, जो केवल कारपोरेट के हित में काम करती है. यूपीएस के नाम से जो पेंशन की नई व्यवस्था लागू की जा रही है ,वो भी शोषण मुक्त नहीं है. कर्मचारी एवं पेंशनर्स संगठनों ने भी इसका विरोध किया है . हम आज के दिन इस शोषणकारी पेंशन व्यवस्था का विरोध करते हैं .मौके पर केडी राय व्यथित, गौतम विश्वास, त्रिवेणी ठाकुर ने भी अपने विचार रखा. मौके पर बी बारा, हसीना तिग्गा, रामचंद्र प्रसाद, जयनारायण प्रसाद, मो रफी, त्रिलोकी नाथ साहू, सुखदेव राम, रमेश सिंह, सुशीला कुजूर, रमेश काशी, धनेश्वर गोस्वामी, शिबू पहन, जयप्रकाश, जयराम प्रसाद शामिल थे.

ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करते दो युवक धराये

रांची। ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते दो युवक गिरफ्तार किए गए हैं. कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के रहने वाले अंकित कुमार और हिंदपीढ़ी के मो. कैफी को गिरफ्तार किया है. दोनों की गिरफ्तारी सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के विद्यानगर मैदान के पास से हुई है. इनके पास से पुलिस ने 30 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किया है. मंगलवार को कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि गुप्ता सूचना मिली थी कि किशोरगंज विद्यानगर मैदान के पास अवैध नशीले पदार्थों की खरीद- बिक्री हो रही है. इसे सूचना पर बाद पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई.

बंगाल में माओवादियों के 11 ठिकानों पर एनआईए की रेड

- झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ में माओवादी विचारधारा को पुनर्जीवित करने की साजिश

संवाददाता। रांची

झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तरी और पूर्वी भारत में माओवादी संगठन के सक्रिय होने की सूचना पर एनआईए ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में 11 ठिकानों पर छापेमारी की. एनआईए की टीम ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना, आसनसोल, हावड़ा, नादिया और कोलकाता जिले में कुल 11 स्थानों पर संदिग्धों के घरों पर गहन तलाशी ली. माना जाता है कि ये सभी संदिग्ध माओवादी के ओवरग्राउंड वर्कर थे और उन्होंने नक्सली गतिविधियों को अंजाम देने में संगठन के कमांडरों की मदद की थी. तलाशी में कई आपत्तिजनक दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पर्चे, पत्रिकाएं और हस्तलिखित पत्र जब्त किए गए.

एनआईए ब्रांच ने दर्ज किया था मामला : यह मामला प्रतिबंधित माओवादी संगठन के पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति के सदस्यों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा रची गई साजिश से संबंधित है. इस साजिश का उद्देश्य झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और भारत के उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों के अन्य राज्यों में माओवादी विचारधारा को पुनर्जीवित करना और उसका विस्तार व प्रचार करना है. अप्रैल 2022 में एनआईए पुलिस स्टेशन, रांची में आईपीसी और यूए (पी) एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले में अब तक भाकपा (माओवादी) पोलित ब्यूरो के सदस्य प्रशांत बोस व प्रमोद मिश्रा और केंद्रीय समिति के सब्यसाची गोस्वामी समेत कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. एफआईआर में अन्य के साथ माओवादी के 13 शीर्ष नेताओं का नाम भी शामिल हैं.

दुर्गोत्सव की तैयारी जोर-शोर से, आकार लेने लगे पंडाल

संवाददाता। रांची

राजधानी में दुर्गोत्सव की तैयारी जोर-शोर से चल रही है.शहर के प्रमुख चौक-चौराहों से लेकर गली-कूचो तक इसकी धमक देखने को मिल रही है. जहां हर ओर एक से बढ़ कर एक पंडाल बनाया जा रहा, विद्युत सज्जा की समुचित व्यवस्था की जा रही है, वहीं शिल्पकार भी मां दुर्गा सहित अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमा को अंतिम रूप देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे. मोरहाबादी, एचइसी, अरगोड़ा और टाटिसिल्वे में विजयदशमी के दिन रावण दहन किया जायेगा. इसको लेकर भी कारीगर अधर्म प्रतीक रावण, कुंभकरण और मेघनाथ का पुतला बनाने में वयस्त हैं. तीन अक्तूबर को कलश स्थापना के साथ मां दुर्गा धरा पर अवतरित होंगी. साथ ही भक्ति और मस्ती का आलम चहुंओर छा जाएगा. यूं तो नवरात्र के पंचमी तिथि से लगभग पूजा पंडालो के पट आम भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे, लेकिन श्रीराम लला पूजा समिति, पुराना विधान सभा मैदान और भारतीय युवक संघ बकरी बाजार दुर्गा पूजा समिति का पूजा पंडाल तृतीया तिथि को ही खुल जाएगा. चकाचौंध रौशनी से शहर नहा जायेगा. विद्युत सज्जा की मनोहारी छटा देखते ही बनेगी. कहीं भालू गीटार बजायेगा, तो भूत-बेताल नृत्य कर बरबस ही आकर्षित करेंगे.

बढ़ता जा रहा उत्साह : जैसे-जैसे दुर्गोत्सव का दिन नजदीक होता जा रहा, भक्तों का उत्साह भी बढ़ता जा रहा है. मां के उपासक नवरात्र पूजन की समाग्री एकत्रित करने में जुटे हैं. पूजा दुकानों में लोगों का तांता सुबह से देर शाम तक लग रहा है. परिधान बाजार भी गुलजार है. कपड़ा दुकानों और मॉलो में नये डिजाइनदार परिधानों का कलेक्शन देखते ही बन रहा. दुकानदारों का मानना है कि माह के शुरुआत में नवरात्र पड़ने से इस बार का पूजा बाजार बूम रहेगा.

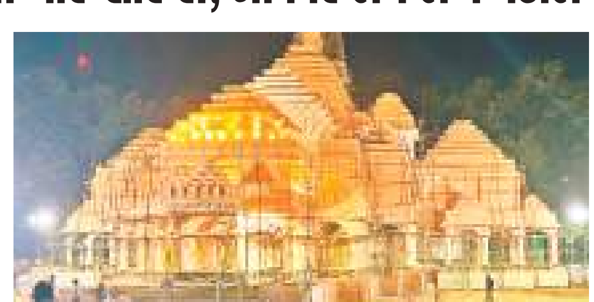

अच्छी पहल

उषा मार्टिन फॉउंडेशन का गरीबों को सरकारी योजना से जोड़ने का अभियान

133 गरीब लोगों को स्वास्थ्य कार्ड से जोड़ा गया

- बुजुर्गों को ओल्ड ऐज पेंशन स्कीम से जोड़ा
- 15 दिव्यांग को सरकारी योजना का लाभ

संवाददाता। नामकुम

गांव के गरीब जनजातीय समाज के लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने के लिए उषा मार्टिन फॉउंडेशन ने अभिनव पहल की है. फॉउंडेशन और सरकारी संस्थानों के सहयोग से सुदूर जंगल में स्थित गांवों में कैंप लगाकर 135 गरीब लोगों का आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड बनवाया गया है. सिलवई पंचायत के उलातू गांव के सात टोला में यह अभियान चलाया गया. इसके अलावा सामाजिक सुरक्षा के लिए सालों से वंचित वृद्धजनों को ओल्ड एज पेंशन स्कीम से जोड़ने के लिए कार्ड बनवाया गया है. अभी तक 12 से अधिक लोगों का वृद्धावस्था पेंशन कार्ड बनवाया गया है.

उषा मार्टिन फॉउंडेशन के माध्यम से मासू और उलातू गांव में गरीब किसानों को सरकारी योजना से जोड़ने का अभियान चल रहा है. फॉउंडेशन के सुपरवाइजर मेवालाल महतो ने बताया कि उलातू गांव नामकोम प्रखंड का सबसे पिछड़ा गांव है, जहां अधिकतर आबादी जंगल और पहाड़ पर रहती है. यहां के बच्चे सामान्यतः अनीमिया से ग्रस्त हैं. इनको बेहतर स्वास्थ्य लाभ के लिए शालिनी अस्पताल के माध्यम से महीना में तीन कैंप लगाकर कर ऐसे कुपोषित बच्चों का इलाज कराया जा रहा है. इसके अलावा गांव में आयुर्वेद और योगा कैंप लगाकार लोगों को जागरूक किया जा रहा है.

गांवों के 15 दिव्यांगों को सरकारी योजना से जोड़ने के लिए विकलांगता प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र और यूडीआईडी कार्ड बनवाया गया है. फॉउंडेशन की सुपरवाइजर मोनीत बूतकुमार ने बताया कि इन दिव्यांगों को दीपशिखा के माध्यम से विकलांगता की जांच करायी गयी है.

स्कूल में पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

उषा मार्टिन फॉउंडेशन के माध्यम से महिलौंग राजकीयकृत मध्य विद्यालय में पर्यावरण जागरूकता के लिए पेंटिंग और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयी . इसमें ओजोन लेयर से होने वाले प्रभाव को पेंटिंग का विषय बनाया गया . इसमें पहला पुरस्कार सातवें वर्ग के शिवम स्वांसी, दूसरा पुरस्कार श्रीद्धि कुमारी और तीसरा पुरस्कार कमलेश लोहरा को मिला . विद्यालय की प्राचार्या हेमलता कुमारी ने सभी सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया .

पासवा ने बापू वाटिका में 1001 दीप प्रज्वलित कर दी श्रद्धांजलि

संवाददाता। रांची

पब्लिक स्कूल्स एपड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे के नेतृत्व में मंगलवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर के पूर्व संध्या पर मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका में 1001 दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई. पासवा वॉलिंटियर्स ने 1001 दीपों से संपूर्ण बापू वाटिका को सजाया. दीपों की जगमगाहट में बापू वाटिका झलक बहुत मोहक प्रतिक हो रही थी. मौके पर वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि महात्मा गांधी के आदर्शों को जीवन में अपनाना ही महात्मा गांधीजी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी. उन्होंने कहा कि सफल राष्ट्र के निर्माण के लिए गांधीजी के वाक्य "साधन और साध्य दोनों की पवित्रता"महात्मा गांधी के सिद्धांत को हम सब को अपनाने की जरूरत है. आलोक कुमार दूबे ने कहा कि महात्मा गांधी के दर्शन से ही भारत में लोकतंत्र मजबूत होगा. राष्ट्रपति अवार्डी फलक फातिमा ने कहा कि समाज के सभी वर्गों को मुख्य धारा में जोड़ने के लिए महात्मा गांधी के दर्शन ही वर्तमान युग में प्रासंगिक हैं. मौके पर डॉ राजेश गुप्ता, पासवा अध्यक्ष डॉ सुषमा केरकेट्टा, पासवा के अनिकेत कुमार, मेंहुल दूबे, विशाल सिंह, रिया कुमारी, मृत्युंजय कुमार, संजय तिर्की, प्रियंका कुमारी, निकोदीम सोय, विशाखा कुमारी, साक्षी प्रिया, नन्दिनी कुमारी, मोअजहर, मो शाहिद, मो शैफ, मो जाबिर, मो कैफ, मो खालिद, अटल कुमार, आकांक्षा आनंद, सुशांत कुमार शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

राज्यपाल से मिले दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष

रांची। राज्यपाल संतोष गंगवार से मंगलवार को राजभवन में चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष रमेश सिंह ने मुलाकात की.इस दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने राज्यपाल को अवगत कराया कि हर वर्ष की तरह इस साल भी चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति भव्य रूप से दुर्गा पूजा का आयोजन कर रही है. पूजा समिति के सदस्यों ने राज्यपाल को मां दुर्गा की प्रतिमा एवं चुनरी भेंट कर सम्मानित किया. साथ ही उन्हें सपरिवार पूजा पंडालों में मां दुर्गा के दर्शन करने के लिए सादर आमंत्रित किया. इस अवसर पर राज्यपाल ने पूजा समिति के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं.

संत जेवियर्स कॉलेज में टेकबाइट सोसाइटी प्रारंभ

रांची । संत जेवियर्स कॉलेज के टेकबाइट सोसाइटी का भव्य शुभारंभ मंगलवार को 'टेकक्रिति 2024' इवेंट के दौरान हुआ. मुख्य अतिथियों के रूप में फादर डॉ मार्नियस कुजूर एसजे, निदेशक, एक्सआईएसएस और पीआरके नायडू, सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक, झारखंड राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण के वर्तमान अध्यक्ष एवं झारखंड रक्षा शक्ति विवि के पूर्व कुलपति शामिल थे.

डीएसपीएमयू में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन

रांची । डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के स्कूल ऑफ लॉ में समन्वयक डॉ. पंकज कुमार को विदाई का सम्मान समारोह का आयोजन एलएल.एम के विद्यार्थियों के द्वारा आयोजन किया गया. इस मौके पर डॉ पंकज सर को अंगवस्त्र , तुलसी के पौधा और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया. समारोह में डॉ. रवींद्र कुमार, वकील अभय सहाय, सचिन इंदीवर ने डॉ. पंकज सर के कार्यों की प्रशंसा की. मौके पर एलएलएम निकिता सिंह, रॉबिन टोप्पो, विवेक सिंह, सौरव त्रिवेदी, आशीष रंजन, निषाद खान, मनीष कुमार, प्रियंका कुमारी आदि मौजूद थे.

जीतो जैन इंटरनेशनल की नई कार्यकारिणी गठित

रांची। दिगंबर जैन भवन में जीतो जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन द्वारा वर्ष 2024 - 26 के लिए नई टीम का गठन किया गया. नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष विशाल जैन, उपाध्यक्ष राजकुमार रामपुरिया, अजय छाबड़ा, मुख्य सचिव सर्वेश गोधा, सचिव विनय नाहटा एवं हर्षवर्धन जैन, कोषाध्यक्ष अर्पित जैन, मोहित जैन, प्रतीक जैन पांडया बनाये गये हैं. युवा शाखा के प्रभारी निदेशक देवेश जैन, अध्यक्ष नितेश जैन, उपाध्यक्ष निपुण जैन व वैभव जैन, मुख्य सचिव श्रेय जैन, सचेत सार्थक सेठी व सुमिल जैन, कोषाध्यक्ष अंकित लुहाड़िया, महिला शाखा प्रभारी निदेशक प्रियंका जैन, अध्यक्ष सरोज जैन, उपाध्यक्ष पायल एगोधा एवं विनीता सेठी, मुख्य सचिव एकता बड़जात्या, कोषाध्यक्ष आशिका अजमेरा एवं स्नेहा सेठी, सचिव शुभिका पाटनी एवं मनीषा जैन ने शपथ ग्रहण किया.

इनरव्हील क्लब ने मनाया वृद्धजन दिवस

रांची। इनर व्हील क्लब ऑफ रांची साउथ ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया. अपने गोद लिए ओल्ड ऐज होम ''अपना घर'' में क्लब की सदस्याओं ने अपनों द्वारा उपेक्षित वृद्ध माताओं के संग यह विशेष दिवस मनाया. उनकी रोजमर्रा की जरूरत की चीजों के अलावा एक वॉकर भी दिया गया. ज्ञातव्य हो कि इनर व्हील क्लब ऑफ रांची साउथ 'अपना घर' की माताओं की जरूरतें पूरा करने हेतु कटिबद्ध है.

पारंपरिक वेश-भूषा में महिलाओं ने लहराया ध्वज, रास्ते भर झुमाते रहे भजन मंडली के कलाकार

अग्रसेन जयंती महोत्सव पर निकली शोभायात्रा

- जगह-जगह पुष्प वर्षा कर किया शोभायात्रा का स्वागत

संवाददाता।रांची

अग्रसेन जयंती महोत्सव को लेकर अग्रवाल सभा की ओर से मंगलवार को गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गयी. इसमें बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भागीदारी निभायी. अग्रसेन भवन में दिन के तीन बजे पूजा-अर्चना से यात्रा की शुरुआत हुई.

महाराजा अग्रसेन जी की मनोरम झांकी के साथ पारंपरिक वेष-भूषा में अग्रध्वज लहराते समाजजन निकले तो वातावरण में मनोहारी छटा छा गयी. बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी का उत्साह और भक्ति देखते ही बन रहा था. यात्रा अपर बाजार, बंशीधर अडूकिया रोड, साबू रिक्शा रोड, शहीद चौक, पुस्तक पथ होते हुए गांधी चौक, मारवाड़ी टोला, नॉर्थ मार्केट रोड, ईस्ट मार्केट रोड, कोर्ट सराय रोड के रास्ते शाम साढ़े छह बजे अग्रसेन भवन पहुंच कर संपन्न हुई. इस दौरान भजन गायकों की टोली ने एक से बढ़ कर एक भजन प्रस्तुत कर सब को झुमाया. रास्ते में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और व्यवसायी संगठनों की ओर से यात्रा में शामिल लोगो का गर्मजोशी से पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया, सभी के बीच खाने-पीने के समान बांटे गए. महाराजा अग्रसेन जी की आरती उतारी उतारने को होड़ सी लगी रही.अग्रवाल युवा सभा के सदस्य संचालन का कार्यभार संभाल रहे थे.

रांची में निकली महाराजा अग्रसेन की शोभा में शामिल अग्रवाल महिलाएं.

यात्रा में थे शामिल

प्रमोद कुमार अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, मनोज चौधरी, सुरेश चंद्र अग्रवाल, ललित कुमार पोद्दार, विनोद कुमार जैन, सज्जन पाड़िया, पवन पोद्दार, कौशल राजगढ़िया, चंडी प्रसाद डालमिया, निर्मल बुधिया, अमर अग्रवाल, संजय सर्राफ, विजय कुमार खोवाल, अजय डीडवानिया, कमल खेतावत, मंजीत जाजोदिया, विनोद टिबडेवाल, नरेश बंका, रमाशंकर बगड़िया, राजकुमार मित्तल, रोहित पोद्दार, अंजय सरावगी, शिवभावसिंहका,आनंद जालान, मुकेश जाजोदिया, विकास अग्रवाल, सौरभ बजाज, सुनील केडिया, सुनील पोद्दार, रौनक झुनझुनवाला, विशाल पाड़िया, विनीता सिंघानिया, रीना सुलेखा आदि यात्रा में मुख्य रूप से शामिल थे.

शहर के पूजा पंडाल

जंगल थीम पर बन रहा है नवयुवक संघ दुर्गा समिति का पूजा पंडाल

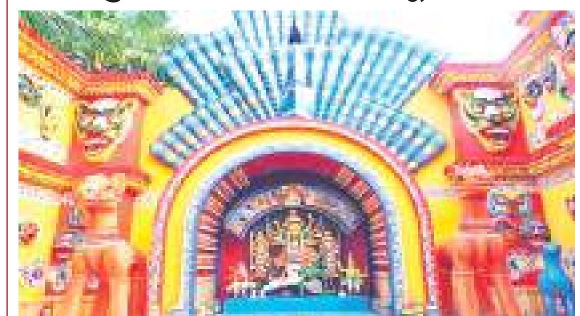

संवाददाता ।रांची

नवयुवक संघ दुर्गा पूजा समिति, लोअर चुटिया का पूजा पंडाल इस बार कुछ अलग हट कर बनाया जा रहा है. दर्शनार्थी यहां मां और अन्य देवी-देवताओ के दिव्य स्वरूप का दर्शन तो करेंगे ही, साथ ही पंडाल में आ दिम जनजाति और वन्य जीव-जंतु की उकेरी गयी आकृतियां भी लुभाएगी. 50 ऊंचा, 60 चाड़ा और 100 फीट लंबे पंडाल को मूर्त रूप देने में गिरिडीह और पश्चिम बंगाल से आए कारीगर रात-दिन काम कर रहे हैं. इनमें कई मुस्लिम कारीगर भी शामिल हैं, सभी पूरे मनोयोग से मां भगवती का दरबार सजा रहे हैं. टाटीसिलवे के गोस्वामी टेंट हाउस की ओर से पंडाल निर्माण कार्य कराया जा रहा है. विद्युत साज-सज्जा और साउंड की जिम्मेवारी रांची के मां सरना साउंड को दी गयी है. कोलकाता के हुगली निवासी कार्तिक चित्रकार मां दुर्गा और अन्य देवी-देवताओ की प्रतिमा का रंग-रोगन कर चुके हैं. मां को मनोहारी रूप देने का काम किया जा रहा है. संयोजक प्रमोद गोप और अध्यक्ष मिथिलेश गोप ने बताया कि पूजा का बजट इस बार लगभग 15 लाख रुपया तय किया गया है, जिसमें आठ लाख पंडाल, 81 हजार रुपया प्रतिमा और लाइट और साउंड में एक लाख रुपया, भोग में दो लाख रुपया खर्च किए जाएंगे. पूजन आदि अन्य खर्च में लगभग तीन लाख रुपए खर्च आने का अनुमान है. उन्होंने बताया कि महाषष्ठी के दिन आम भक्तों के लिए पूजा पंडाल का पट खोल दिया जाएगा.

- मुस्लिम कारीगर भी सजा रहे पूजा पंडाल
- राक्षस का संहार करते होगा मां का दर्शन
- लगभग 15 लाख रुपया है पूजा का बजट

सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम

दर्शनार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रख पूजा स्थल के आस-पास पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे. समिति के पदाधिकारी और सदस्य मौके पर मुस्तैद रहेंगे. भक्तों को किसी भी तरह की परेशानी न हो इसका खास ख्याल रखा जाएगा. गार्ड की भी तैनाती की जाएगी. सीसीटीवी कैमरे से भी चारो ओर नजर रखी जाएगी.

लगेगा मेला

श्रद्धालुओ के मनोरंजन को ध्यान में रख पूजा स्थल के पास मेला भी लगाया जाएगा. इसके लिए कई तरह के झूले और खाने-पीने के स्टाल लगाए जा रहे हैं. मिक्की माउस, नाव, स्कॉर्पियो, मारुति और जंपिंग झूला बच्चो के साथ बड़ो को भी लुभाएगा.

कमेटी एक नजर में

मुख्य संरक्षक राजकुमार महतो संरक्षक लालो महतो, राधेश्याम केसरी, अरविंद महतो, संजय प्रसाद, मनोज गोप, गोपाल ठाकुर, प्रदीप चौधरी, मुख्यसलाहकार प्रमोद गोप, संयोजक रवि गोप, सहसंयोजक रविंद्र प्रसाद, राजू गोप, अध्यक्ष मिथिलेश गोप कार्यकारी अध्यक्ष अमित साहू, भोला चौधरी, महामंत्री रवि महतो, संगठन महामंत्री विजय गोप, सकलदीप सिंह, कोषाध्यक्ष धनंजय ठाकुर, सहकोषध्यक्ष सुमित महतो, वरीय उपाध्यक्ष धनंजय सिंह, श्रवण महतो, अजीत गोप, अमित गोप, रणजीत राम, तपन महतो, आयुष महतो, गौतम महतो, रितेश गोप, सूरज मुंडा, उपाध्यक्ष अंकित केसरी, अमरदीप महतो, उमेश गोप, मनीष बरनवाल, विक्रम साहू, अमित केसरी, सेंकी सिंह, पंडाल प्रभारी राजेंद्र केसरी, मीडिया प्रभारी सिकंदर महतो, उज्जवल महतो, भोग व्यवस्था प्रभारी सुनील वर्मा.

अमावस्या तिथि बुधवार को सर्वपितृ विसर्जन के साथ ही पितृपक्ष का होगा समापन

महालया आज, नवरात्र को लेकर कलश स्थापना कल

संवाददाता ।रांची

आश्विन माह कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि बुधवार को सर्वपितृ विसर्जन के साथ पितृपक्ष संपन्न हो जाएगा. साथ ही देवी पक्ष की शुरुआत होगी. घरो और मंदिरो में वैदिक मंत्रोच्चारों के बीच नेम-निष्ठा से नवरात्र मंगल कलश स्थापित की जाएगी. चहुंओर ओर भक्ति के साथ मस्ती का साम्राज्य स्थापित होगा. सनातनी श्रद्धा पूर्वक उत्साह और उल्लास से दुर्गोत्सव धूमधाम से मनाएंगे. नौ दिनो तक नित्य पूजा-अर्चना और पाठ के साथ भजन-संकीर्तन कर मां भगवती की आराधना में रमे रहेंगे. नित्य मां जगदंबा के विविध स्वरूपों की पूजा-अर्चना 11 अक्तूबर तक की जाएगी.शनिवार को विजयदशमी धूम रहेगी. अधर्म का प्रतीक रावण धू-धू कर जलेगा.

अमावस्या का समय : आचार्य अजय मिश्रा ने कर बताया कि आश्विन माह की अमावस्या तिथि 01 अक्टूबर की रात 09: 03 मिनट से प्रारंभ हो रही है, जो बुधवार को 11 : 05 मिनट तक रहेगी. इसके बाद प्रतिपदा तिथि प्रारंभ हो जाएगी. 02 अक्तूबर को उदीयमान तिथि में अमावस्या मिलने के कारण इसी दिन सर्वपितृ अमावस्या शास्त्रानुसार मान्य होगा. श्रद्धालु अपने पितरों की प्रसन्नता के लिए श्राद्ध और तर्पण करेंगे.

कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त ; आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि में नवरात्र कलश स्थापना की जाएगी. आचार्य अजय मिश्रा के अनुसार 02 अक्टूबर की रात 12 :18 मिनट से प्रतिपदा तिथि शुरू हो रही है, जो शुक्रवार अहले सुबह 02 : 58 मिनट पर खत्म होगी. गुरुवार को उदया तिथि में प्रतिपदा मिलने से संपूर्ण दिवस मंगल कलश की स्थापना की जा सकती है, लेकिन ब्राह्म मुहूर्त सुबह 3:00 से 6:00 तक,अभिजित मुहूर्त दिन के 11:37 से 12:24 तक और विजय मुहूर्त दिन के 01: 55 से 2:45 तक करना अतिशुभकारी रहेगा.सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग के शुभ संयोग मिलने से इस दिन का मान और भी बढ़ गया है.

पितृलोक लौट जाएंगे पितर

सर्वपितृ विसर्जन के साथ पितर देव अपने धाम लौट जाएंगे. साथ ही एक पखवाड़ा से चल रहे पितृ पक्ष का भी समापन हो जाएगा. तिथि ज्ञात न होने पर इस दिन ही पूर्वजों के श्राद्ध का विधान है. जलाशयों, पीपल पेड़ के नीचे और देवालयों में पूर्वजों का श्राद्ध और तर्पण किया जाएगा. सुविधानुसार सनातनी घरों में भी श्राद्ध कर्म करते हैं. मान्यता है कि इससे पितृगण प्रसन्न हो, पुत्र रत्न, धन और सौभाग्य का आशीर्वाद प्रदान करते हैं.

दुर्गाबाड़ी में आगोनी गान के साथ शंख ध्वनि गूंजी

रांची । दुर्गा बाड़ी, मेन रोड में महालया की पूर्व संध्या पर मंगलवार को बंग समुदाय की ओर से आगोमनी गान, शंख ध्वनि, उलुक ध्वनि और चंडी पाठ के साथ मां वैष्णव देवी की थीम पर नृत्य नाटिका के मंचन का रिहर्सल किया गया. अब बुधवार की शाम इसका जीवंत मंचन किया जायेगा. प्रदीप राय बाबू ने समाज के लोगों से इसमें बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की है.मेकन सामुदायिक भवन में मजलिस की ओर से महिषासुर मर्दिनी का मंचन शाम सात बजे से किया जा रहा है.

इधर चंडी पाठ, आगोमनी गान के साथ मां दुर्गा के स्वागत की तैयारी हो चुकी है. महालया के प्रवेश के साथ ही देवी पक्ष की शुरुआत हो जायेगी. दुर्गा पूजा बंग समुदाय के लिए धार्मिक ही नहीं सांस्कृतिक उल्लास का पर्व है. मां एक वर्ष बाद अपने मायके आ रही हैं. उनके आगमन सूचना से हर ओर उल्लास छाया है. शिउली फूल का सुंगध पूरे वातावरण में फैल कर मां के आगमन की सूचना दे रहा है. शिउली फूलेर गंधो मां एशे छे घॉरे तारे मोने एतो आनंदो ..., मां ऐशे छे घॉरे एकटी बोच्छोर पॉरे ... और मां का आह्वान किया जा रहा है. जागो दशो प्रहरणधारिणी जागो, मां जागो ... गुणगुनाते हुए बंगभाषी जोर-शोर से दुर्गोत्सव की तैयारी में लगे हैं.

गूंज रहा वीरेंद्र कृष्णभद्र की आवाज : महालया की सुबह चार बजे स्वर्गीय वीरेंद्र कृष्णभद्र की आवाज आज भी गूंज रहा है. महिषासुर मर्दनी की आवृति की गूंज के साथ ही समझा जाता है कि देवी पक्ष का आगमन हो गया. 1931 में पहली बार ऑल इंडिया रेडियो, कोलकाता से इसका प्रसारण किया गया था. संगीतकार पंकज मलिक के निर्देशन में वीरेंद्र कृष्णभद्र ने चंडिपाठ किया था. उनकी इस आवृति का प्रसारण आज भी निर्बाध रूप से जारी है.

एक्सपो उत्सव का समापन आज

रांची । जेसीआई रांची के तत्वावधान में मोरहाबादी मैदान में आयोजित एक्सपो उत्सव 2024 का समापन बुधवार को होगा. छठे दिन मंगलवार को करीब तीन लाख से अधिक लोग एक्सपो का हिस्सा बने. रांचीवासियों ने शॉपिंग के साथ-साथ मनोरंजन और दैनिक प्रतियोगिताओं का खूब आनंद लिया. आज टॉक शो का आयोजन हुआ, जिसमें बीएनआई के अंकित जैन ने युवाओं को प्रेरित करते हुए अपनी सफलता के अनुभव साझा किये. उन्होंने युवाओं को नए अवसरों का लाभ उठाकर बड़ी सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित किया. इसके अलावा, ओएसएएम डेयरी के सीईओ अभिनव ने अपने सफर की कहानी सुनाई, उन्होंने ब्रांड को स्थापित करने की चुनौतियों और उपलब्धियों का वर्णन किया.

एसबीयू में मना वर्ल्ड फार्मेसी दिवस

रांची। मंगलवार को एसबीयू के फार्मेसी विभाग द्वारा वर्ल्ड फार्मेसी डे के अवसर पर आयोजित मीटिंग ग्लोबल हेल्थ नीड्स कार्यक्रम आयोजित किया गया. मौके पर सरला बिरला विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने कहा कि फार्मेसी के क्षेत्र में उपयुक्त जानकारी और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है. सरला बिरला विश्वविद्यालय में पठन-पाठन के अलावा इस दिशा में सराहनीय पहल हो रही है और हमारे प्रयास निरंतर जारी हैं. फार्माकोजेनोमिक्स और फार्मेसी की भूमिका के विषय में भी उन्होंने उपस्थित श्रोताओं को विस्तार से जानकारी दी. कार्यक्रम में बीआईटी मेसरा के फार्मेसी विभाग की प्रमुख डॉ. पापिया मित्रा मजूमदार, एफडीए के संयुक्त निदेशक सुमंत कुमार तिवारी समेत सहायक निदेशक रामकुमार झा ने भी संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1945 के विषय में विस्तार से बताया.

खेल मंत्री से मिले डे बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षक

खेल मंत्री से मिलते डे बोर्डिंग क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षक.

संवाददाता।रांची

झारखंड खेल निदेशालय द्वारा विभिन्न जिलों में संचालित डे बोर्डिंग क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षकों ने मंगलवार को खेल मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर से मिलकर कई मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा, जिसमें मुख्य रूप से श्रम नियोजन विभाग के द्वारा किए जा रहे मानदेय भुगतान को श्रम नियोजन विभाग से हटाकर, प्रशिक्षकों को सम्मान प्रदान करते हुए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के द्वारा खेलो इण्डिया स्किम अंतर्गत चलाए जा रहे गैर आवासीय प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षकों को किए जा रहे भुगतान के समतुल्य राशि करने की मांग रखी. वहीं खिलाड़ियों के लिए मांग करते हुए प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण केन्द्र से निष्कासन की आयु 15 वर्ष से बढ़ाकर 19 वर्ष तक किए जानें की मांग की. उनका कहना है कि की वर्ष 2005 से ही राज्य के विभिन्न जिलों में संचालित डे बोर्डिंग क्रीडा प्रशिक्षण केंद्र में कार्यरत प्रशिक्षकों को खेल निदेशालय द्वारा मानदेय के आधार पर नियुक्ति किया गया है. पूरे राज्य में लगभग सैकड़ों प्रशिक्षक कार्यरत हैं. इनके द्वारा प्रशिक्षित अनेकों प्रशिक्षुओं ने अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवम राज्य स्तरीय पदक जीतकर राज्य एवम देश का नाम रौशन किया है. खेल मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने हुए प्रशिक्षकों को सम्मान प्रदान करने की बात कही.

नई पुस्तक 'डिजिटल मार्केटिंग' का राज्यपाल ने किया विमोचन

संवाददाता।रांची

रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना,रांची विवि द्वारा आयोजित 'स्वच्छता ही सेवा' समारोह में राज्यपाल-सह-कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने जेएन कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. दीपक कुमार साहु द्वारा लिखित पुस्तक 'डिजिटल मार्केटिंग' का विमोचन किया. इस अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा, डीन छात्र कल्याण डॉ. सुदेश कुमार साहु, कुलसचिव डॉ. विनोद नारायण, कार्यक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार उपस्थित रहे. विमोचन समारोह के दौरान राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि डिजिटल मार्केटिंग आज के समय में व्यापार जगत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है और इस पुस्तक से छात्रों, शोधार्थियों और इस क्षेत्र के पेशेवरों को अत्यधिक लाभ मिलेगा.

भोजपुरिया मिलन समारोह का आयोजन

संवाददाता।रांची

झारखंड भोजपुरी विकास केंद्र, रांची के तत्वावधान में काव्य गोष्ठी सह भोजपुरिया मिलन समारोह का आयोजन किया गया. लालपुर के होटल सिटी पैलेस में आयोजित समारोह की अध्यक्षता निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव ने की. मुख्य अतिथि के रूप में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा के पूर्व कुलपति डॉ. सुरेश प्रसाद सिंह तथा विशिष्ट अतिथि सूरज भान सिंह, डॉ. हरेराम त्रिपाठी चेतन सहित झारखंड भोजपुरी विकास केंद्र रांची के संरक्षक रामजी यादव, वरीय सदस्या डॉ. उर्मिला सिन्हा और सचिव बिनोद सिंह गहरवार द्वारा समारोह का शुभारंभ किया गया. कार्यक्रम का शुभारम्भ सुनीता सिन्हा की सरस्वती वंदना से हुआ. अर्पणा सिंह ने मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन झारखंड भोजपुरी विकास केंद्र के सचिव बिनोद सिंह गहरवार ने किया.

मुख्य अतिथि डॉ. सुरेश प्रसाद सिंह ने भोजपुरी भाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डाला. समाजसेवी सूरजभान सिंह ने हर संभव सहायता करने की बात कही. अध्यक्ष निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव ने रांची में अखिल भारतीय भोजपुरी सम्मेलन कराने का प्रस्ताव रखा, जिसका समर्थन संस्था के संरक्षक रामजी यादव ने किया. डॉ. हरेराम त्रिपाठी चेतन ने भोजपुरी पुस्तकालय के लिए पांच सौ पुस्तक देने की घोषणा की. होटल सिटी पैलेस रांची के मालिक विजय राजगढ़िया ने हर संभव मदद करने की घोषणा की. समारोह में उपस्थित कवि-कवयित्रियों ने सराहना बटोरी.

अभियान गांधी जयंती के उपलक्ष्य में नशाखोरी के खिलाफ सदर अस्पताल रांची का कार्यक्रम

तंबाकू जनित पदार्थ का सेवन न करने की ली शपथ

संवाददाता।रांची

मंगलवार को गांधी जयंती के पूर्व संध्या के उपलक्ष्य में सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में तंबाकू एवं तंबाकू जनित पदार्थ का सेवन न करने की शपथ ली गई. डॉ सीमा गुप्ता जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी तंबाकू नियंत्रण इकाई रांची के अध्यक्षता में कार्यालय के सभी डॉक्टर, पदाधिकारी एवं कर्मचारी को शपथ दिलाई गई. डॉ. सीमा गुप्ता ने बताया कि भारत में प्रतिवर्ष तंबाकू का सेवन करने से लगभग 14 लाख लोगों की मौत हो जाती हैं. केवल वयस्कों की बात की जाए तो कुल मौतों का लगभग 9.5% है. भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा वर्ष 2004 तक प्रकाशित साहित्य के विश्लेषण के आधार पर तम्बाकू का सेवन करने के कारण हृदयाघात (78 प्रतिशत), तपेदिक (65.6 प्रतिशत), इस्केमिक हृदय रोग (85.2 प्रतिशत), गंभीर मायोकार्डियल इनफ्रेक्शन (52 प्रतिशत) इसोफेजियल कैंसर (43 प्रतिशत) और मुंह का कैंसर (38 प्रतिशत) तथा फेफड़ों का कैंसर (16 प्रतिशत) बीमारी हो रहा है. तंबाकू का धूम्रपान और साथ ही इसे चबाकर सेवन करने से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल परिणाम आए हैं जिसके कारण अकाल अथवा समय से पहले मृत्यु हो जाती है. सरकार द्वारा तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के जरिए स्कूली बच्चों को तंबाकू के इस्तेमाल से बचाए हेतु टोबैको फ्री एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के तहत गठित टीम द्वारा जागरूक किया जा रहा है.तंबाकू के इस्तेमाल से लोगों को निजात दिलाने हेतु सदर अस्पताल एवं रिम्स में तंबाकू सजेशन सेंटर में परामर्श दिया जाता है जहां लोग आकर तंबाकू के लत से निजात पा सकते हैं. डॉक्टर अरविंद कुमार एसीएमओ ने बताया कि तंबाकू जनित पदार्थ से लोगों को बचाव हेतु लोगों में जागरूकता लाना अति आवश्यक है इसके लिए विभाग की ओर से समय-समय पर मीडिया एवं बैनर ,माइकिंग ,नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाता है. डीपीएम प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन के सहयोग से कोटपा एक्ट 2003 के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में खास तौर पर स्कूल एवं शिक्षण संस्थान के 100 गज के दायरे में मुहिम के तहत एनफोर्समेंट ड्राइव्स चलाया जा रहा है. कार्यक्रम के दौरान डॉ. मुस्ताफी मेडिकल ऑफिसर, डॉ. राजीव भूषण एपिडेमियोलॉजीसट, प्रीति चौधरी डीपीसी, सुशांत कुमार जिला सलाहकार तंबाकू नियंत्रण निकाय, सतीश कुमार सोशल वर्कर, हैदर अली डीडीएम आईडीएसपी, नीरज कौशिक कोऑर्डिनेटर कैंसर केयर फाउंडेशन उपस्थित रहे.

नशा मुक्ति के लिए शपथ लेते चिकित्सक और कर्मचारी.

चैंबर ने व्यावसायिक संवाद में औद्योगिक विकास पर चर्चा की

संवाददाता ।रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा झारखंड के सामाजिक आर्थिक विकास पर व्यावसायिक संवाद में महासचिव आदित्य मल्होत्रा के नेतृत्व में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश की आर्थिक प्रगति में सहायक बिंदुओं पर चर्चा की. संवाद में शामिल कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी से मिलकर प्रतिनिधिमंडल ने खनन और उद्योग विकास, पर्यटन विकास, कृषि विस्तार, कौशल विकास और उद्यमिता तथा उद्योगों के उत्थान के लिए बुनियादी ढांचे के विकास से जुडे. अपने विचार साझा किये. मौके पर प्रदेश प्रोफेशनल कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष आदित्य विक्रम जयसवाल शामिल थे. चैंबर महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ करने के लिए प्रदेश में बंद पड़ी खदानों को खुलवाना, पर्यटन विकास की दिशा में ठोस पहल और रोजगार सृजन के लिए प्रदेश में रेलवे और डिफेंस के बडे उपक्रमों की स्थापना के साथ ही राज्य से निर्यात को बढावा देना आवश्यक है. प्रतिनिधिमंडल में सचिव नवजोत अलंग, कार्यकारिणी सदस्य शैलेश अग्रवाल, अमित शर्मा, रोहित पोद्दार और निवर्तमान अध्यक्ष किशोर मंत्री शामिल थे.

औद्योगिक विकास की चर्चा के दौरान चैंबर के प्रतिनिधि.

झारखंड के हक का सवाल

झारखंड में चुनाव एलान के पहले ही पक्ष और विपक्ष ने अपने एजेंडे को सार्वजनिक कर दिया है. अपने 24 साल के इतिहास में झारखंड पहली बार चुनावी कारपेट बांबिंग का साक्षी बन रहा है. दोनों ही पक्षों ने साफ कर दिया है कि किसी के लिए भी राह आसान नहीं रहने वाली है. भाजपा के घुसपैठ और सरकार की नाकामी का मुद्दा तेज किया है तो दूसरी ओर इसी बीच झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है. इस पत्र को अखबारों में विज्ञापित भी ठीक उस समय किया गया है, जब प्रधानमंत्री का झारखंड दौरा होने जा रहा है. इस पत्र ने भारतीय जनता पार्टी के समक्ष एक बड़ी चुनौती पेश की है. प्रधान मंत्री से झारखंड की सरकार की अपेक्षा है कि वे मुख्यमंत्री के पत्र का सीधा जवाब दें. हेमंत सोरेन ने अपने पत्र में केंद्र सरकार से एक लाख 36 करोड़ के बकाए राशि के भुगतान की मांग की है. इस पत्र में बकाया राशि का विवरण भी दिया गया है. पत्र में कहा गया है कि कुल बकाया राशि लगभग 1,36,042 करोड़ रुपये है. इसमें शामिल हैं वॉश्ड कोयला रॉयल्टी के रूप में 2,900 करोड़ रुपये, पर्यावरण मंजूरी सीमा के उल्लंघन के लिए 32,000 करोड़ रुपये, भूमि अधिग्रहण मुआवजे के रूप में 41,142 करोड़ रुपये (38,460 करोड़ रुपये जीएम भूमि और 2,682 करोड़ रुपये जीएम जेजे भूमि के लिए). इस पर लगी सूद की रकम 60,000 करोड़ रुपये. मुख्यमंत्री ने लिखा है कि इस बकाया राशि के कारण, हमारे राज्य में अनेक महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं प्रभावित हुई हैं. शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला और बाल विकास, स्क्च्छ पेराजाल एवं मंईयां, बच्चों, युवा, वृद्ध, किसान, मजदूर, आदिवासी-मूलवासी, दलित, अल्पसंख्यक, विस्थापित एवं समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यकियों तक योजनाओं को लागू करने में कठिनाई हो रही है. झारखण्ड एक अल्प विकसित राज्य है, जो संसाधनों की कमी से गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है. संसाधनों की कमी को पूर्ण करने के लिए उपरीक राशि अत्यंत आवश्यक है. यह पत्र बताता है क झारखंड की राजनीति में सत्ता पक्ष इस मुद्दे के सहारे भाजपा को कठघरे में खड़ा करना चाह रहा है. प्रधानमंत्री ने अब तक मुख्यमंत्री के पत्र का लिखित उत्तर नहीं दिया है. तो क्या यह अपेक्षा की जा सकती है कि वे झारखंड दौरे में इस सवाल पर अपनी बात राज्य की जनता के सामने रखेंगे. मुख्य मंत्री ने यह भी याद दिलाया है कि सर्वोच्च न्यायालय की नौ सदस्यीय पीठ ने राज्य के पक्ष में फैसला दिया है. माननीय न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि खनन और रॉयल्टी शुल्क वसूलने का अधिकार राज्य को है. यह भी कहा गया है कि रॉयल्टी एक कर नहीं है और इसलिए इस पर कोई सीमा नहीं लगाई जा सकती. मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें और कोयला कंपनियों को बकाया राशि का भुगतान करने का निर्देश है. जब तक पूरी राशि का भुगतान नहीं हो जाता, कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों को ब्याज राशि का भुगतान करना चाहिए या कोल इंडिया के खाते से राज्य के स्वाते में सीधे क्रेडिट किया जाना चाहिए. यह राशि झारखण्ड के लोगों के कल्याण और राज्य के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है.

> हेमंत सोरेन ने अपने पत्र में केंद्र सरकार से एक लाख 36 करोड़ के बकाए राशि के भुगतान की मांग की है. इस पत्र में बकाया राशि का विवरण भी दिया गया है. पत्र में कहा गया है कि कुल बकाया राशि लगभग 1,36,042 करोड़ रुपये है.

सुभाषित

कन्या वरयते रूपं माता वित्तं पिता श्रुतम्।
बान्धवा: कुलमिच्छन्ति मिष्टान्नमितरेजना: ।।

विवाह के समय कन्या सुन्दर पति चाहती है. उसकी माताजी धनवान जमाई चाहती हैं. उसके पिताजी ज्ञानी जमाई चाहते हैं तथा उसके बन्धु अच्छे परिवार से नाता जोड़ना चाहते हैं, परन्तु बाकी सभी लोग केवल अच्छा खाना चाहते हैं.

अहिंसा के प्रतीक महात्मा गांधी

इन 75 वर्षों में व्यक्ति गांधी से व्यक्तित्व गांधी बहुत बड़ा हो गया. भले ही गांधी किसी गांधीवाद के हिमायती नहीं थे, लेकिन दुनिया ने गांधीवाद का लोहा मान लिया. मार्टिन लूथर किंग से लेकर नेल्सन मंडेला जैसे लोगों ने गांधी के सत्याग्रह के प्रयोग को एक मॉडल मानकर रंगभेद जैसी कई कुरीतियों का सफलतापूर्वक सामना किया.यदि भारत के कुछ एक वैश्विक ब्रांड की बात करें तो एक नाम गांधी का भी होगा.

• देश-काल

डॉ. प्रमोद पाठक

आजकल हम एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जहां गांधी के योगदान के बारे में बात करना फैशन में नहीं है. बल्कि थोड़ा जोखिम भरा भी हो सकता है. दरअसल सोशल मीडिया के जमाने में एक नई ब्रिगेड खड़ी हो गई है डिजिटल ब्रिगेड. इसके जिम्मे एक ही पूर्णकालिक काम है. छद्म इतिहास का उत्पादन और उसके जरिए सच को झूठ और झूठ को सच साबित करना और यदि आप उनके सच के साथ इत्तेफाक नहीं रखते हैं तो डिजिटल शोर के जरिए आपकी आवाज को दबाने का पुरजोर प्रयास किया जाएगा. इसे हम डिजिटल शूटआउट भी कह सकते हैं. तो यदि गांधी के बारे में कुछ बात यदि ऐसे लोगों के एजेंडे में फिट नहीं बैठती तो इस हमले के लिए तैयार रहना पड़ेगा. मगर जब गांधी अपने मूल्यों के लिए गोली खा सकते हैं तो यह शूटआउट तो कोई खास बात नहीं है. यह इत्तेफाक ही है कि आजादी के 75वें वर्ष के जश्न के दरमियान ही आज गांधी की शहादत के 75वें वर्ष की शुरुआत हो रही है. गांधी की हत्या क्यों की गई इस सवाल का आज कोई बहुत महत्व नहीं है, क्योंकि शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं रहने के बावजूद भी गांधी मजबूती से हमारे साथ हैं. अपने विचारों के जरिए, अपने आदर्शों के जरिए, अपनी विश्वसनीयता के जरिए, अपनी प्रतिबद्धता के जरिए और अपने त्याग एवं बलिदान के जरिए. दरअसल इन 75 वर्षों में व्यक्ति गांधी से व्यक्तित्व गांधी बहुत बड़ा हो गया. भले ही गांधी किसी गांधीवाद के हिमायती नहीं थे, लेकिन दुनिया ने गांधीवाद का लोहा मान लिया. मार्टिन लूथर किंग से लेकर नेल्सन मंडेला जैसे लोगों ने गांधी के सत्याग्रह के प्रयोग को एक मॉडल मानकर रंगभेद जैसी कई कुरीतियों का सफलतापूर्वक सामना किया.यदि भारत के कुछ एक वैश्विक ब्रांड की बात करें तो एक नाम गांधी का भी होगा. हाल फिलहाल के इतिहास में तो शायद एक ही नाम. प्रबंधन से लेकर नेतृत्व कौशल के सिद्धांत में गांधी की चर्चा होती है.यही वजह है कि जब बीसवीं सदी के अंत में दुनियां के कई बड़े अखबारों ने एक सर्वेक्षण के जरिए इतिहासकारों से बीसवीं सदी के सबसे बड़े नायक का नाम जानने की कोशिश की तो सबसे ज्यादा लोगों ने मोहनदास करमचंद गांधी का नाम लिया और उन्हें मैन ऑफ द मिलेनियम की संज्ञा दी गई. इस लिहाज से किस ने गांधी को क्यों मारा इससे गांधी के व्यक्तित्व पर कोई खास फर्क नहीं पड़ता. कितने भी पुख्ता तर्क दिए जाएं, कितनी भी फिल्में बना ली जाए, गांधी का कद छोटा करना संभव नहीं. ना ही गांधी की हत्या को सही ठहराया जा सकता है. वैसे भी फिल्म वाले क्या दिखाते हैं, क्यों दिखाते हैं यह सर्वविदित है. पैसा किसी और का, कहानी किसी और की, निर्देशन किसी और का और निर्माता कोई और. फिर तर्क चाहे कितने भी तरीके से सजाकर परोसा जाए, वह सच्चाई को ढांक नहीं सकती. सतयुग से लेकर आज तक हर नायक और खलनायक के पास तर्क रहे हैं. किंतु इससे वास्तविकता नहीं बदली. गांधी को खारिज नहीं किया जा सकता. किंतु यह आवश्यक है कि आज की पीढ़ी को गांधी से रूबरू होना चाहिए. उस गांधी से जिसके बारे में महान वैज्ञानिक, विचारक और दार्शनिक आइंस्टाइन ने कहा था कि आने वाली पीढ़ियों को यह विश्वास करना कठिन होगा की गांधी जैसा हाड़ मांस का कोई आदमी इस दुनिया में आया होगा. और यह सत्य भी है. यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र की पहल पर गांधी के सम्मान में उनके जन्मदिन दो अक्टूबर को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में दुनिया भर में मनाया जाता है.

दक्षिण अफ्रीका के बैरिस्टर मोहनदास करमचंद गांधी से साबरमती के संत और महात्मा गांधी बनने तक की यात्रा संघर्षपूर्ण और संकल्पों की यात्रा थी. एक ऐसी यात्रा जिसमें गांधी को कई बार विषम परिस्थितियों से गुजरना पड़ा.79 वर्षों तक कि जीवन में गांधी जी को 17 बार बड़े-बड़े आमरण अनशन पर बैठना पड़ा. इस तरह करीब 144 दिन तक उन्हें बिना भोजन के रहना पड़ा था. दो बार उन्हें लगातार 21 दिनों तक अनशन करना पड़ा था. वर्ष 1921 में उन्होंने एक संकल्प लिया कि वे प्रत्येक सोमवार को उपवास करेंगे. इस प्रकार 1341 दिन का उपवास और बढ़ गया. उन्हें 13 बार गिरफ्तार होना पड़ा था और इस प्रकार कुल 6 साल और 5 महीने जेल में बिताने पड़े. दुनिया के कोई 100 देशों में गांधी की मूर्तियां हैं जिसमें पाकिस्तान और ब्रिटेन शामिल हैं. रोचक बात यह है कि उनकी मूर्ति ब्रिटेन के पार्लियामेंट स्क्वायर में चर्चिल की मूर्ति के बगल में है. उसी चर्चिल के बगल में जिसने उन्हें नंगा फकीर की संज्ञा दी थी. 70 देशों के कोई 250 शहरों में कई प्रमुख सड़कें गांधी के नाम पर हैं. हमारे देश के करीब 719 जिलों में स्कूल, भवन, चौराहे या पार्क गांधी के नाम पर हैं. 70 शहरों में गांधी के नाम से महात्मा गांधी रोड है. कोई 150 देशों ने गांधी के नाम से 800 प्रकार के डाक टिकट जारी किए हैं. 1969 में उनके शताब्दी वर्ष पर ब्रिटिश सरकार ने उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया था. इसके पहले तक केवल शाही परिवार के सदस्यों को ब्रिटेन के डाक टिकट में जगह मिली थी. गांधी के ऊपर 45 फिल्में और 500 डॉक्यूमेंट्री बन चुकी है. दुनिया के आधुनिक इतिहास में सबसे बड़ा जननायक था. गांधी की सबसे बड़ी खूबी थी उनकी कथनी और करनी में एका. स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई अकेले गांधी ने नहीं लड़ी थी. लेकिन उस पूरे स्वतंत्रता संग्राम की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी गांधी ही थे. गांधी की दृष्टि, गांधी की परिकल्पना और गांधी की निष्ठा समझने, जानने,और व्यवहार में लाने की बातें हैं. पर्यावरण से लेकर आर्थिक नीतियों पर उनके विचार आज भी सार्थक हैं. एक बार फिर से गांधी को आमजन तक पहुंचाना जरूरी है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

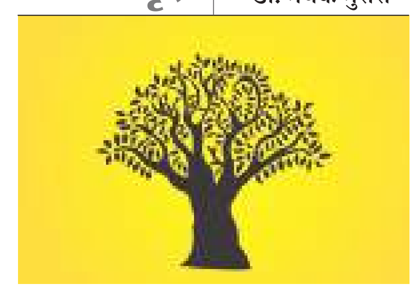

ईश्वर की रचना का सुख

ईश्वर की रचनाओं का साथ मिले, तो जीवन में तनाव दूर होता है और शाश्वत सुख की प्राप्ति होती है. ईश्वरीय हरेक रचना में हमारे मूड को बेहतर करने का रसायन होता है, वह हमारी क्रिया के विपरीत प्रतिक्रिया कर हमारी शारीरिक कोशिकाओं को बेहतर पोषण से जोड़ते हैं. मानसिक तंतुओं को एक टॉनिक प्राप्त होती है, जो हमें फिर से हमारी ऊर्जा, ताजगी, चैतन्यता को बढ़ाकर हमारी जीवनशक्ति को बढ़ा देती है. प्रकृति की रचनाओं का संग सुकून का एहसास देता है. यह तनाव और चिंताओं को दूर करता है और हमारी सोच को सकारात्मक दिशा के साथ सृजनधर्मिता के लिए प्रेरित करता है. इंसान में तनाव बढ़ने का एक सीधा कारण हमारा प्रकृति से दूर होना है. अपनी दिनचर्या से प्रकृति के विभिन्न अवयवों को बाहर कर लिया है. इसलिए कई देशों में जड़ों से जुड़ने के लिए नये नये प्रयोग हो रहे हैं. वॉशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं तथा यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया से जुड़े लोगों का कहना है कि प्रकृति के साथ प्रेम और संपर्क से व्यक्ति का तनाव दूर होता है और उसमें सृजनात्मक हॉर्मोन बनता है. प्रकृति के साथ कुछ पल बिताने से व्यक्ति में ताजगी और नई ऊर्जा का संचार होता है. अस्तित्व की विभिन्न रचनाओं से जोड़ने के लिए जापान में फॉरेस्ट बाथ की अवधारणा दी गयी है. इसमें इच्छुक व्यक्तियों को जंगल की सैर करायी जाती है. जंगल भ्रमण के दौरान पेड़ों से दोस्ती, तालाब-पोखर से जुड़ाव और हवा, मिट्टी तथा जंगल के जीवों से प्रेम करना सिखाया जाता है. पेड़ों की गंध और जंगल की पत्तियों से आती गंध, हवाओं के साथ मोहक सुवास और जंगल की आवाज में व्यक्ति को मानसिक स्नान कराया जाता है. प्रकृति की ताजगी से भरपूर हवा को लेकर व्यक्ति अपने फेफड़ा को शुद्ध और स्वस्थ बनाता है. अस्तित्व की रचनाएं अपनी शक्तियों के साथ हमारे चारों तरफ सुरक्षा कवचन बनाती है. प्रकृति यह सुनिश्चित करती है कि अशुद्ध और अस्वस्थ चीजें हमारे अंदर नहीं आ सके. दैनिक जीवन में ऋतुएं थीं. उसका स्वभाव होता है कि हेमंत में ठंड होगा, ग्रीष्म में गरमी लगेगी और बरसात में बारिश होगी. उसी प्रकार हम सभी अपने स्वभाव, गुण और अपने कर्म से घिरे हैं. हम अपने गुण, काल और स्वभाव के कारण सुख दुख पाते हैं. फ्रांस के आलोचक एंथेम ब्रिलट सैवरिन ने कहा था कि देशों और समाज का भविष्य भोजन के उनके तरीकों पर निर्भर करता है.

वैकल्पिक अवधारणाओं के प्रेरक नायक

• प्रेरणा

अविजित पाठक

जब मैं मोहनदास करमचंद गांधी को याद करता हूं या उनकी लिखी किताबें 'द स्टोरी ऑफ माई एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रुथ' और 'हिंद स्वराज' को विवेचनात्मक समझ के साथ पढ़कर, उनके विश्व-दृष्टिकोण को समझने की कोशिश करता हूं, तो मेरे समक्ष विरोधाभास खड़ा हो जाता है. जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसकी कठोर हकीकत पर सावधानीपूर्वक नज़र डालने से कह सकते हैं कि गांधी की भावना नकारी जा रही है. राजनीतिक अर्थव्यवस्था से लेकर संस्कृति एवं शिक्षा के क्षेत्रों तक में.

फिर भी, इस तमाम नकारात्मकता के बावजूद, मुझे यकीन है कि जख्मी हुई इस दुनिया को बचाने और ठीक करने के लिए हमें उनके विचार के साथ गंभीर जुड़ाव बनाने की आवश्यकता है. जब मैं मौजूदा अति-आधुनिक/परम-राष्ट्रवादी काल में हमारी सामूहिक नियति पर नज़र दौड़ाता हूं तो मुझे लगता है कि 'बढ़िया जीवनशैली' के मोहपाश में फंसकर हम अपनी पहचान को मुख्यतः बाजार-संचालित प्रचार से बहकाए गए बेलगाम उपभोक्तावाद और विशिष्टतावादी अहसास (जो चीज़ मेरे पास है वह किसी अन्य के पास नहीं) के खुमार में धुत्त एक अतिवादी योद्धा के रूप में परिवर्तित करते जा रहे हैं. जैसे-जैसे हम अनवरत उपभोग के सिद्धांत को आत्मसात करने लगे हैं, जो कि नवउदारवादी बाजार के मूल सिद्धांत का एक तार्किक हश्र है – हमारी ज़रूरतें बढ़ती जा रही हैं. हमारे अतृप्त लालच (अधिक कारें, अधिक उपकरण, अधिक खपत, अधिक बिजली, अधिक जीवाश्म ईंधन का धुआं, अधिक वनों की कटाई और इस तरह अधिक कार्बन उत्सर्जन) पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं. इसी तरह, जैसे-जैसे हम अधिक से अधिक परम-राष्ट्रवादी होते जा रहे हैं, हम दुनिया को और ज्यादा विभाजनों और खंडों में बांट रहे हैं. देखा जाए तो, खुद को हिंदू बनाम मुस्लिम या भारत बनाम पाकिस्तान या फिर इस्राइल बनाम फलस्तीन के संकीर्ण पालों से मुक्त रखना बेहद मुश्किल हो जाता है. हां, हम खुद को उस स्थिति में पाते हैं, जिसकी संज्ञा कई सामाजिक वैज्ञानिक 'जोखिमज़दा समाज' के रूप में करते हैं, एक ऐसा समाज जो युद्ध, सैन्यवाद, आतंकवाद, अधिनायकवाद और सबसे अधिक, जलवायु आपातकाल से त्रस्त है. कोई शक नहीं, इस दुनिया में गांधीवादी भावना का ज़रा नामोनिशान बाकी नहीं है.

गांधी शायद हेनरी डेविड थोरो की भांति हमें अपनी कृत्रिम ज़रूरतें कम करने, आध्यात्मिक रूप से जाग्रत होकर सादगी पर जोर देने और पर्यावरणीय तंत्र के साथ समरसता बनाकर रहने का आग्रह करते हैं. गांधी हमसे आंतरिक शक्ति, साहस, सत्य और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता और अन्यायपूर्ण व्यवस्था (जैसे कि उपनिवेशवाद या जाति व्यवस्था) के विरुद्ध प्रतिरोध की कला का स्रोत अहिंसा, अपरिग्रह और सर्वोदय में खोजने का आह्वान करते हैं. संभवतः, गांधी की सोच के पीछे भगवद् गीता की कर्मयोग की धारणा और यीशु द्वारा पर्वत पर दिए अपने उपदेश में व्यक्त 'प्रेम की मुक्तिदायिनी शक्ति' का रचनात्मक सम्मिश्रण था.

इसके अलावा, औद्योगिक पूंजीवाद के संपूर्ण ढांचे की आलोचना करने के गांधी के तरीकों में 'दार्शनिक अराजकता' और रूमानियत के निशान खोजना कठिन नहीं है. हां, 'हिंद स्वराज' नामक अखबार में 'डॉक्टरों और वकीलों' पर की उनकी तीखी टिप्पणियां या काफी हद तक विकेन्द्रित ग्राम स्वराज के प्रति उनका लगाव यह दर्शाता है कि वे अपने वक्त में प्रचलित आधुनिकता की मानकीकृत धारणा से काफी अलग थे, चाहे यह बुर्जुआ औद्योगिक पूंजीवाद हो या मार्क्सवादी समाजवाद. इसी तरह, जैसा कि उन्होंने अपनी आत्मकथा में स्पष्टतया व्यक्त किया है, जॉन रस्किन ने जिस तरह से श्रम की गरिमा को महत्व दिया और दमनकारी युग्मक-बौद्धिक बनाम शारीरिक- पर सवाल उठाया, उसका गहरा प्रभाव पड़ा. गांधी के विश्वदृष्टिकोण में किसान, बुनकर और बढ़ई डॉक्टरों और वकीलों से कम महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाते. इसलिए, कोई हैरानी नहीं कि 'नई तालीम' या बुनियादी शिक्षा के सिद्धांत में इस तरह की शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया है, जिसमें विद्यार्थी केवल किताबी ज्ञान न पाकर हाथ- पैरों का उपयोग कर सीखें अर्थात व्यावहारिक शिक्षा, जिससे दिमाग एवं मन और सिद्धांत एवं व्यवहार के बीच नाता कायम होता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> हमारे अतृप्त लालच (अधिक कारें, अधिक उपकरण, अधिक खपत, अधिक बिजली, अधिक जीवाश्म ईंधन का धुआं, अधिक वनों की कटाई और इस तरह अधिक कार्बन उत्सर्जन) पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं. इसी तरह, जैसे-जैसे हम अधिक से अधिक परम-राष्ट्रवादी होते जा रहे हैं, हम दुनिया को और ज्यादा विभाजनों और खंडों में बांट रहे हैं.

लहराया समावेशी राष्ट्रवाद का परचम

• राष्ट्रवाद

नारायण देसाई

राष्ट्रवाद सकारात्मक भी हो सकता है और नकारात्मक भी. सकारात्मक राष्ट्रवाद ऐसे राष्ट्र का निर्माण करता है जो देश में मौजूद विभिन्न धार्मिक, भाषाई, जातिगत और सामुदायिक विभेदों को एक सूत्र में जोड़ता है और कभी भी अपने को समूची मानवता से अलग नहीं समझता या बाकी दुनिया के विरोध में खड़ा नहीं होता. नकारात्मक राष्ट्रवाद राष्ट्रीय दंभ और सारी दुनिया से अपने को अलग समझने की भावना पर निर्मित होता है तथा अन्य देशों के प्रति घृणा या तिरस्कार की भावना पर फलता-फूलता है. आप चाहें तो पहले प्रकार के राष्ट्रवाद को अहिंसक राष्ट्रवाद या गांधी का राष्ट्रवाद भी कह सकते हैं. दूसरे प्रकार के, यानी संकीर्ण और अपने को सबसे ऊपर समझने की प्रतिस्पर्धा वाले राष्ट्रवाद को हम कह सकते हैं हिंसक राष्ट्रवाद या हिटलर का राष्ट्रवाद.

गांधी जब युवा हुए, भारत अपनी पराधीनता के प्रति सजग हो रहा था. दूसरों का गुलाम होना गांधी की प्रकृति के खिलाफ था. गांधी ने ऐसे राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया जिसने भारत को एक संपूर्ण इकाई के रूप में ऐक्यबद्ध किया. उन्होंने भारत को तरह-तरह के विभाजनों में देखा था. ढेर सारे राजनीतिक ग्रुप थे, रियासतों में भी और ब्रिटिश शासन वाले भारत में भी; धार्मिक समूह थे, जैसे कि हिंदू और मुसलमान, और हजारों जातियां थीं. फिर, वर्गीय विभाजन भी थे. गांधी से पहले अनेक नेताओं ने ऐसी शक्ति खड़ी करने की कोशिश की थी जो ब्रिटिश हुकूमत से लोहा ले सके, पर उनकी दिलचस्पी विभाजन की शक्तियों को घटाने और एक समरस राष्ट्र बनाने में ज्यादा नहीं थी.

ऐसे समय जब भारत का जनसाधारण राजनीतिक स्वाधीनता के प्रति उदासीन था, गांधी ने उनमें एक राष्ट्रीय आलोड़न पैदा किया. इस लिहाज से, वे भारत के राष्ट्रपिता थे. दरअसल, महान राष्ट्रवादी नेता सुभाषचंद्र बोस ने, स्वाधीनता-प्राप्ति के तरीके को लेकर जिनके गांधी से गहरे मतभेद थे, गांधी को सबको जोड़ने वाली महान शक्ति के रूप में पहचाना था, और इसीलिए, सबसे पहले उन्होंने ही गांधी को राष्ट्रपिता कहा था. बाद में, स्वतंत्र भारत की संसद ने इस पर अपनी मुहर लगा दी.

गांधी का राष्ट्रवाद कभी भी वर्जनशील नहीं रहा. 4 अप्रैल 1929 के 'यंग इंडिया' में उन्होंने कहा, ''मेरा लक्ष्य केवल भारतीयों के बीच भाईचारे की स्थापना नहीं है. मेरा लक्ष्य केवल भारत की स्वतंत्रता नहीं है; यद्यपि इसमें संदेह नहीं कि आज मेरा लगभग पूरा जीवन और पूरा समय इसी में लगा है. लेकिन भारत की आजादी हासिल करने के जरिए मैं संपूर्ण मानवता के बीच भाईचारे के लक्ष्य को प्राप्त करना चाहता हूं. मेरी राष्ट्र-भक्ति कोई एकांतिक वस्तु नहीं है. यह सर्वसमावेशी है और मैं उस राष्ट्र-भक्ति को नकार दूंगा जो अन्य राष्ट्रीयताओं के दुख और शोषण पर सवार होने का प्रयास करेगी. राष्ट्रभक्ति की मेरी धारणा निरर्थक है यदि संपूर्ण मानवता की अधिक भलाई के साथ इसकी, निरपवाद रूप से, पूरी-पूरी संगति न हो.''

जैस-जैसे गांधी बड़े हुए, एक सकारात्मक (अहिंसक) राष्ट्रवाद की उनकी परिकल्पना भी विकसित होती गई. उनकी देशभक्ति के शुरुआती लक्षण आहार के उनके प्रयोग में देखे जा सकते हैं, जिसे उन्होंने जल्दी ही सुधार लिया था. मांस खाने के पहले प्रयास के पीछे न तो उत्सुकता थी न स्वाद की ललक. उसके पीछे तो उनके एक दोस्त की यह खोज थी कि मांस खाने से शरीर में ताकत आती है और अंगरेजों से लड़ने के लिए यह जरूरी है. जाहिर है, मांस खाने के लिए तैयार होने के पीछे वैयक्तिक नहीं, बल्कि बड़ा प्रयोजन था.

दरअसल, अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं या जरूरतों से आगे जाकर व्यापक उद्देश्य के लिए काम करने की प्रेरणा उनके बचपन में भी मौजूद थी, और फिर यह उनकी युवावस्था से लेकर जीवन के अंत तक जारी रही. इंग्लैंड में जब वे विद्यार्थी थे, खुद के स्वार्थ के काम करके संतुष्ट नहीं हो गए. भारत से इंग्लैंड जाने वाले युवाओं के लिए उन्होंने एक गाइडबुक लिखी. यह उनकी लिखी पहली किताब थी, जिसके बारे में प्रायः शोधार्थी भी नहीं जानते हैं. यह छोटी-सी पुस्तिका इस मकसद से लिखी गई थी कि उस पराए देश में बाद में जाने वाले युवाओं के लिए यह उपयोगी सिद्ध होगी. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> गांधी ने ऐसे राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया जिसने भारत को एक संपूर्ण इकाई के रूप में ऐक्यबद्ध किया. उन्होंने भारत को तरह-तरह के विभाजनों में देखा था. ढेर सारे राजनीतिक ग्रुप थे, रियासतों में भी और ब्रिटिश शासन वाले भारत में भी; धार्मिक समूह थे, जैसे कि हिंदू और मुसलमान, और हजारों जातियां थीं. फिर, वर्गीय विभाजन भी थे.

मीडिया में अन्यत्र

पश्चिम एशिया के हालात विश्व शांति के लिए खतरा

पिछले 7 अक्टूबर, 2023 को पश्चिम एशिया में युद्ध छिड़ने के बाद से हिज्बुल्लाह के महासचिव हसन नसरल्लाह की हत्या इजराइल द्वारा की गई सबसे ज्यादा खतरनाक नतीजे वाली हरकतों में से एक है. नसरल्लाह की तीन दशक लंबी अगुवाई में लेबनान में एक समानांतर राज्य के रूप में उभरे हिज्बुल्लाह को इजराइलियों ने अपने सबसे ताकतवर गैर-राज्य दुश्मन के रूप में देखा है. अमेरिका द्वारा एक आतंकवादी समूह के रूप में देखा जाने वाला, यह संगठन ईरान के "प्रतिरोध की धुरी"में एक केंद्रीय घटक भी है, जिसके जरिए ईरान इस पूरे इलाके में अपना प्रभाव जमाता है. नसरल्लाह को मारकर, इजराइल ने हिज्बुल्लाह को भारी झटका दिया है और ईरान के प्रभाव को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया है, लेकिन उसके सीमा पार हमलों ने हजारों लोगों को मार डाला है और विस्थापित कर दिया है और ईरान की सबसे चमकदार लाल रेखाओं को लांघ दिया है. यह क्षेत्र इजराइल और ईरान के बीच एक खुले युद्ध के इतने करीब कभी नहीं रहा. जब 7 अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हमास के हमले के बाद इजराइल ने गाजा पर अपना जवाबी युद्ध शुरू किया, तो नसरल्ला ने उत्तरी इजराइल में रॉकेट दागकर दूसरा मोर्चा खोल दिया. जब गाजा के खिलाफ युद्ध में हजारों फिलिस्तीनी मारे जा रहे थे, तब वह इजराइली रक्षा बलों पर कुछ सैन्य दबाव बनाए रखना चाहता था. जब इज़राइल का ध्यान गाजा पर था, तो उसने हिज्बुल्लाह के रॉकेटों के जवाब में सीमित गोलाबारी ही की. लेकिन गाजा के अधिकांश हिस्से को नष्ट करने के बाद, इजराइल ने अपना ध्यान लेबनान की ओर मोड़ दिया और फिर नाटकीय ढंग से संघर्ष को बढ़ाते हुए हिज्बुल्लाह के जमीनी स्तर के पदाधिकारियों, उसके कमांडरों और फिर नसरल्लाह को निशाना बनाया. उत्तर में इज़राइल का घोषित मकसद हिज्बुल्लाह के रॉकेटों से विस्थापित हुए 60,000 से ज्यादा लोगों को अपने घरों में लौटने में समर्थ बनाना है. उसके हमलों ने हिज्बुल्लाह को कमजोर तो कर दिया है, लेकिन उसकी मिसाइल क्षमताओं को नष्ट नहीं किया है. इसका मतलब यह है कि इजराइल हिज्बुल्लाह को लितानी नदी के उत्तर में धकेलने और सीमा पर एक बफर बनाने की कोशिश में लेबनान में जमीनी हमले शुरू कर सकता है. जमीनी हमलों से गहरे आर्थिक संकट से जूझते लेबनान में हजारों लोग विस्थापित होंगे और मारे जायेंगे. गाजा के खिलाफ इजराइल का हमला हमास को नष्ट करने और बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के अपने घोषित मकसदों को अभी तक हासिल नहीं कर पाया है. इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि इजराइल लेबनान में अपने मकसदों को जल्दी पूरा कर लेगा. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

फर्ज/फर्जी

मशहूर शायर इब्ने इंशा ने कहा है – 'फ़र्ज़ करो हम अहल-ए-वफ़ा हों, फ़र्ज़ करो दीवाने हों. फ़र्ज़ करो ये दोनों बातें झूठी हों, अफ़साने हों.' इसी तरह मिर्ज़ा ग़ालिब का एक शेर है – 'क्या फ़र्ज़ है कि सबको मिले एक-सा जवाब, आओ न, हम भी सैर करें कोह-ए-तूर की.' इन दोनों में फ़र्ज़ का मतलब कर्तव्य नहीं है. इब्ने इंशा के फर्ज करो का मतलब हुआ मान लो. पड़ोसन फिल्म में किशोर कुमार ने गवैया के अंदाज में ओम प्रकाश के पास जाकर कहा- मामा, फ़र्ज़ करो कि आपका कोई जवान बच्चा होता फ़र्ज़ करो कि वह जवान हो गया है फ़र्ज़ करो कि उसका प्यार किसी बड़ी ही, बड़ी ही ख़ूबसूरत लड़की से हो गया है. वहीं मिर्जा गालिब के फर्ज का गहरा अर्थ है. गालिब कहते हैं-क्या जरूरी है कि सबको एक सा ही जवाब मिले, चलो हम भी चलते हैं कोह-ए-तूर. हो सकता है, ईश्वर हमें कुछ और बात बताए. कोह-ए-तूर के पर्वत पर हज़रत मूसा को ईश्वर ने दस धर्मादेश दिए थे. फर्ज अरबी मूल का शब्द है, वर्धा हिंदी शब्दकोश ने फर्ज का मतलब कर्तव्य और जिम्मेदारी बताया है, वहीं रेख्ता हिंदी शब्दकोश के अनुसार फर्ज का मतलब है आवश्यक, कर्तव्य, कर्म. जैसे-मालिक की खिदमत करना नौकर का फर्ज है. इस्लाम धर्म के अनुसार फर्ज के मतलब वे आवश्यक धार्मिक कर्म होते हैं, जिन्हें नहीं करने से मनुष्य धार्मिक दृष्टि से दोषी और पतित होता है. अब रहीम कवि का यह दोहा देखिए-जो रहीम ओछो बढ़े तो अति ही इतराय, प्यादा से फरजी भयो टेढ़ो टेढ़ो जाय. इस दोहे में कवि रहीम ने फरजी शब्द का प्रयोग किया है, जो फारसी मूल का और फर्जी का शुद्ध रूप है. इस दोहे के फरजी का मतलब है शतरंज का एक मोहरा, जिसे वजीर कहते हैं. इसके अन्य अर्थ इस प्रकार हैं-नकली, जाली, कृत्रिम, काल्पनिक, असत्य, झूठा, अनुमानित, फर्ज किया हुआ, माना हुआ.

शब्दकोश में पड़ा शब्द 'समाज सेवा'

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

एक दिन सहसा शब्दकोश में समाज सेवा लिखा हुई नजर आ गया. हमने सोचा चलो शब्दकोश को बंद करके अलमारी में रखते हैं और कहीं बाहर भी इस समाज सेवा को खोजने का प्रयत्न करें. सबसे पहले हम सत्तारूढ़ दल के नेता के पास गए.

हमने कहा "भाई साहब ! समाज सेवा के बारे में आपका क्या विचार है? "

वह बोले "इस शब्द का तो नाम भी मत लो. अब हमें तो पांच साल तक ज्यादा से ज्यादा अपने लिए मेवा ही इकट्ठी करनी है, ताकि आने वाली सात पीढ़ियों तक समाज सेवा करने की आवश्यकता ही न पड़े."

हमने कहा " इसके मायने आप समाज सेवा करते हैं ?"

वह बोले "हम क्यों समाज सेवा करेंगे? जब सत्ता में आने के बाद किसी ने आज तक समाज सेवा नहीं की तो हमें भी समाज सेवा की क्या पड़ी है! "

इतना कहकर सत्तारूढ़ नेताजी अपनी महंगी गाड़ी में बैठ कर खिसक लिए. अब हमने सोचा कि विपक्ष के किसी नेता को पकड़ें और उसके पास जाकर समाज सेवा के बारे में पूछें. विपक्ष का नेता तो हमारा प्रश्न सुनकर ही भड़क गया. वह बोला "एक तो हम चुनाव हार गए. पांच पैसे की कमाई नहीं हो रही. दूसरे आप समाज सेवा कहकर हमारा मजाक उड़ा रहे हैं और जले पर नमक छिड़क रहे हैं. हम क्या विपक्ष में भी बैठें और समाज सेवा भी करें ? अरे समाज सेवा ही करनी होगी तो सत्ता पक्ष में बैठेंगे, सरकार में मंत्री बनेंगे, विधायक और सांसद बनकर समाज सेवा शायद कुछ कर देते! अब क्या कर सकते हैं!"

इसके बाद हमें गहरी निराशा हुई, क्योंकि नेतागण ही ऐसे लोग होते हैं, जो समाज सेवा के बारे में जानते हैं और हमने सुना था कि वह समाज सेवा करते भी हैं. लेकिन अब क्या किया जा सकता है.

फिर हम सामाजिक संस्थाओं के पास गए. उनके पदाधिकारियों से बात की. वह बोले "अब तो सामाजिक क्षेत्र में समाज सेवा कब की समाप्त हो चुकी है. समाज की सेवा करने के लिए सामाजिक संस्थाओं में कौन आता है? सब लोग मंत्रियों, प्रशासनिक अधिकारियों से अपना संपर्क स्थापित करने के लिए सामाजिक संस्थाओं में आते हैं."

हमने पूछा "तो फिर क्या आप समाज सेवा के लिए चंदा नहीं देते हैं ?"

पदाधिकारी बोले "हम चंदा क्यों देंगे? हमारा काम तो उद्योगपतियों से चंदा लाना है और उस चंदे को डकार जाना है." चारों तरफ घूमते हुए हम थक गए और फिर हमें यह महसूस हुआ कि अब समाज सेवा सिवाय शब्दकोश के और कहीं नहीं है. भगवान करे ,शब्दकोश में यह बनी रहे और हमें पढ़ने को मिलती रहे.

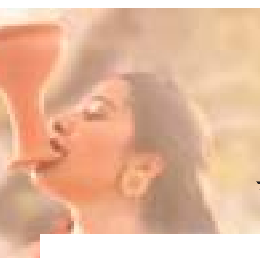

नवरात्र विशेष

प्रकृति का चिरन्तन नियम है - हर विसर्जन के बाद नव सृजन होता है. यही आशावादिता है और परमात्मा की व्यापकता का परिचायक भी. महालया (पितृ विसर्जन) के बाद पुनः कलश स्थापन इसी विसर्जन और पुनः सर्जन की प्रतीकात्मकता को दर्शाता है.

महालया

विसर्जन के विषाद और पुनः सर्जन के उल्लास की संधि का पर्व

राजेश करमहे

नक्षत्रों के आधार पर भाद्रपद – भद्रा यानि गाय के पद या पैर की छाप आंगन में अंकित करने वाला मास की समाप्ति के साथ ही वर्षा ऋतु की समाप्ति हो जाती है. ज्योतिष परम्परा के अनुसार वर्षा ख़त्म तो वर्ष भी समाप्त माना जाता है और प्रथम नक्षत्र अश्विनी से नामित आश्विन माह से नए चन्द्र वर्ष की शुरुआत मानी जाती है. आश्विन माह का कृष्ण पक्ष पूर्वजों के प्रति श्रद्धा प्रदर्शित करने का पखवारा है. जो पूर्वज लय को प्राप्त हो गए, यानि पञ्चतत्व में लीन हो गए, उनके विसर्जन यानि महान लय का पर्व है महालया. इसके साथ ही, महालया अमावस्या अपने पितरों की स्मृति से उपजे विषाद रूपी कृष्ण पक्ष और नव सृजन के उल्लास रूपी शुक्ल पक्ष की सन्धि का द्योतक है.

कन्या, कलश स्थापन और नवरात्र

सौर आश्विन माह सूर्य के कन्या राशि में संक्रमण को बताता है. कन्या नव सृजन की प्रतीक है – जो कण यानि प्रकाश दे वही कन्या. महान लय के अन्धकार के बाद कन्या ही जीवन को प्रकाशित करनेवाली होती है. कन्या ही अम्ब यानि सृजन-सलिल है अतएव माता भी. कलश ('क', जल के 'लश्', लास्य या नृत्य या कम्पन या उल्लास से ही नवजीवन) अम्ब यानि प्रवाहयुक्त जल से नव-सृजन का श्रीगणेश संभव है. कलश के पञ्च पल्लव प्रथमतः पञ्च तत्वों – क्षिति, जल, पावक, गगन और समीर – के जन्म को दर्शाते हैं और फिर नारियल पिंड स्वरूप जीवों को. कलश स्थापन सृजन में नव प्राण स्थापित करने का प्रतीक है. कलश स्थापन के साथ ही नवरात्र आरम्भ हो जाता है. यह नवरात्र क्या है? नव की व्युत्पत्ति नु या प्रशंसा करना और अच् प्रत्यय है तथा रात्रि रा या आनंद देनेवाली में त्रिप प्रत्यय के मेल से बनी है. नवरात्र नव-सृजन करने वाली अम्ब के नव रूपों के आनंद में डूबने और प्रशंसा करने का समय है. नवदुर्गा प्रकाशवान कन्या के बाल्य अवस्था से लेकर वृद्ध अवस्था तक का रूप है. कण या प्रकाश ही पिंड बनकर दृश्य जगत बनता है.

वहीं हमारा अंतिम आलय

महालया के पंद्रह दिन तक हमारे पूर्वज हमारे साथ रहने आ जाते हैं, सो घर बड़ा हो जाता है. उनके प्रति श्रद्धा जागृत होती है, अतः यह श्राद्ध का पक्ष कहा जाता है. 'महालया' शब्द का विशिष्ट अर्थ - महा (महान, महनीय, पूजनीय) और आलय (लय होना, लीन होना) है. पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन पितृपक्ष में धरती पर पधारे पितृदेवता आशीष देकर महान आलय में लौट जाते हैं. हमारी मान्यताओं के अनुसार जीवन के बाद हम महालय, शिवालय, या शिवाला में लीन हो जाते हैं. शिव ही हमारे अंतिम आश्रय हैं. सांसारिक आलय या घर जीवन भर के लिए है, उसके बाद जीव महालय (ईश्वर के आश्रय में) जाते हैं. लिङ्ग पुराण में कहा गया है –

लयं गच्छन्ति भूतानि संहारे भूतानि निखिलं यतः।
सृष्टिकाले पुनः सृष्टिः तस्मादलिङ्गमुदाहृतम्॥

सभी जीव संहार (सं, साथ-साथ और हार, खींचना) के पश्चात् जिस आश्रय को जाते हैं, और पुनः सृष्टि के समय संसार में जहां से आते हैं, वही चिह्न (लिङ्ग) ज्योतिर्लिंग है.

आने लगती घर की याद

1931 से ही आकाशवाणी के कोलकाता केन्द्र से और कालक्रम में अन्य आकाशवाणी केन्द्रों से हर वर्ष पितृपक्ष के समापन और देवीपक्ष के आगमन की सन्धि पर महालया अमावस्या के ब्रह्ममुहूर्त्त में स्वर्गीय वीरेंद्र कृष्ण भद्र के भावमय स्वर में प्रसारित होने वाले मूल बांग्ला कार्यक्रम 'महिषासुरमर्दिनी' का प्रसारण रेडियो द्वारा स्थापित बांग्ला संस्कृति का अभिन्न अंग हो चुका है. आश्विन माह के करीब आते ही बंगाल व इससे सटे झारखण्ड के इलाके के लोगों और अन्यत्र रहने वाले प्रवासी जनों का मन अतीत और गांव-घर की मधुर स्मृतियों में खो जाता है. अब रोजी-रोजगार की तलाश में अपनों से दूर हो गए हैं. सोशल मीडिया और मोबाइल जैसे संचार साधनों से जो दुनिया अन्य समय सिमटती लगती है, वह आश्विन के दस्तक देते ही घर से दूरी का अहसास कराने लगती है. विकास (विकस्, प्रस्फुटन) तोड़ता है, संस्कृति जोड़ती है. यह सांस्कृतिक परम्पराओं का मानस पर स्पष्ट असर है.

त्यौहार का मौसम

एकबार फिर आश्विन का पवित्र माह आ पहुंचा. शिउली के फूलों की महक और खेतों में लहराते कास (विकस् , विस्तृत, चमकदार और खिले हुए) संकेत कर रहे हैं कि भारत में त्यौहारों का मौसम आ गया. आश्विन भारतवर्ष, खासकर बंगाल और उससे जुड़े राज्यों में दुर्गा पूजा (बांग्ला में, पूजो) और शेष उत्तर भारत में दशहरे का. गुजरात और उससे सटे सीमावर्ती क्षेत्रों में यह गरबा नृत्य का समय है. वहीं दक्षिण भारत में सरस्वती पूजन का; हालांकि मैसूर (कर्नाटक) का दशहरा भी खास महत्त्व रखता है. गरबा शब्द मूलतः मंदिरों के गर्भगृहों में दीप प्रज्ज्वलित करते समय किए जाने वाले नृत्य का द्योतक है और इसे 'दीपगर्भ' र्स व्युत्पन्न समझा जाता है. कहते हैं कि इसकी शुरुआत देवी के निकट सछिद्र घटदीप ले जाने के क्रम में लड़कियों और स्त्रियों के द्वारा किए जाने वाले नृत्य से हुई - ₹पाँखिड़ा ओ पाँखिड़ा! तु उड़ ने जाना पावागढ़ रे, महाकाली से मिलके कहना गरबा खेलेंगे ... गरबा वस्तुतः नवरात्र के समय देवी से सौभाग्य की कामना में किया जाने वाला लोकनृत्य है.

सत्ताईस नक्षत्रों में प्रथम आश्विन मास

आश्विन देवताओं के वैद्यद्वय अश्विनीकुमारों का माह है जिन्हें सूर्य और संज्ञा के पुत्रों के रूप में जाना जाता है. कथा है कि सूर्य से छुपने के लिए संज्ञा ने अश्विनी (घोड़ी) का रूप धर लिया, तो सूर्य भी अश्व बनकर उसके पीछे हो लिए. कथा चाहे जो भी हो अश्व (अश, व्याप्त होना और क्वन प्रत्यय) वास्तव में सूर्य की रश्मियों (अश, व्याप्त होना और मि प्रत्यय; रश से मूल प्रतिस्थापित) को कहा गया है और सूर्य को सप्ताश्व कहना यह बताता है कि प्राचीन भारत में भी सूर्य की किरणों में सात रंगों के होने का ज्ञान रहा होगा. भारतीय ज्योतिष के अनुसार आश्विन पूर्णिमा के समय चन्द्रमा अश्विनी नक्षत्र में रहता है, इसलिए यह माह आश्विन कहा जाता है. अश्विनी को सत्ताईस नक्षत्रों में प्रथम माना गया है. भारतीय पर्व-त्यौहार ग्रह-नक्षत्रों की गणना पर आधारित होते हैं. आश्विन की शारदीय दुर्गा पूजा से ठीक छह मास पहले जब सूर्य मेष राशि के अंतर्गत अश्विनी नक्षत्र में होता है, तब भी सौर-चांद्र कैलेंडर आधारित चैत्र माह में वासन्ती दुर्गा पूजा होती है और अब जब सूर्य कन्या राशि के अंतर्गत चित्रा नक्षत्र में आता है, तब सौर-चांद्र कैलेंडर आधारित आश्विन माह में शारदीय दुर्गा पूजा होती है. यह वसंत से शरद तक की समय यात्रा का भी द्योतक है. वसंत में सूर्य उत्तरायण और उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित रहता है और शरद में दक्षिणायन और दक्षिणी गोलार्द्ध में.

भावुक क्षण

आश्विन कृष्ण पक्ष के उपरांत आश्विन शुक्लपक्ष उत्तर भारत, खासकर बंगाल और उसके सीमावर्ती इलाकों में देवीपक्ष या मातृपक्ष के नाम से जाना जाता है. देवी पक्ष भगवती दुर्गा के नैहर लौटने का समय है. यह दुर्गा पूजा का सामाजिक और भावात्मक पक्ष है. इस समय विवाहित बेटियां अपने-अपने नैहर (मायका) लौटती हैं. यह बहुत भावुक क्षण है. विजयादशमी अर्थात् दशहरे के दिन उन्हें वापस लौटना होता है. इसी दिन देवी की प्रतिमाओं का नदी-तालाबों में विसर्जन होता है. स्त्रियां देवी दुर्गा से अखण्ड सौभाग्य की कामना करते हुए आपस में 'सिन्दुर-खेला' करती हैं. आबालवृद्ध मां से कहते हैं – मां! तूमि आबार ऐशो (मां, तुम फिर आना).

पूजा का अर्थशास्त्र

दुर्गापूजा से भारतीय ग्राम्य-अंचल का अर्थशास्त्र भी जुड़ा हुआ है. रथयात्रा की तिथि से ही मूर्तिकार दुर्गा की भव्य प्रतिमाओं के निर्माण में जुट जाते हैं. फिर पूजा-पंडाल बनाने वाले अपने-अपने कार्यो में मुस्तैद हो जाते हैं. ढाकियो (ढोल बजाने वालों) की बुकिंग के बिना तो पूजा अधूरी समझिए. सब कर्मकांड का भी अंग है और सामाजिक समरसता और एकजुटता लाने का तरीका भी.

कन्या' और 'कनक'

वर्षा ऋतु का समापन होना और सूर्य का कन्या राशि में संक्रमण होना एक विशेष अर्थ रखता है. भगवती दुर्गा को ही कन्या कहा गया. कन्या राशि के अंतर्गत चित्रा नक्षत्र आता है और दुर्गा का एक नाम चित्रा (चित्त को आकर्षित करने वाली माया) भी है. वह बड़े-बड़े ज्ञानियों के चित्त को बलात् आकर्षित कर उन्हें माया – मोह में डाल देती हैं, ऐसा दुर्गा सप्तशती में कहा गया है. वैसे व्युत्पत्ति शास्त्र के अनुसार 'कन्या' और 'कनक' शब्दों का एक ही मूल है – कन, चमकना. वर्षा ऋतु के समापन के बाद एकबार फिर अबतक मेघाच्छादित सूर्य पुनः कनक (सोना) जैसा चमकने लगता है. असल में त्यौहार क्लेशों के त्याग और आनन्द के आहरण का समय है. मनुष्य मूलतः सामाजिक प्राणी है. वह अकेले में आनंद ज़रूर पा सकता है, किन्तु उत्सव मनाने के लिए समाज का साथ ज़रूरी है. उत्सव के मूल में सामूहिक आनंद के जन्म का भाव निहित है. जबतक जीवन है, तबतक सुख-दु:ख की पुनरावृत्ति होते रहनी है. सुख-दु:ख चक्रवत् है, ऋतु परिवर्तन चक्रवत् है; अतएव पर्व-त्यौहार भी चक्रवत् हैं. भारतीय मनीषा ने इसी कारण समय को चक्रवत् (च क्रमेण, क्रम के अनुसार) कहा, जबकि वैज्ञानिक धारणा है कि जो समय बीत गया, वह फिर कभी नहीं लौटता. भौतिक धरातल पर यह बिल्कुल सही है, पर भाव धरातल पर कहीं नहीं ठहरता. हम जीवन को एक खण्डित इकाई के रूप में ग्रहण नहीं करते हैं, बल्कि हम अपने अतीत और अपने पुरखों से जुड़ाव महसूस करते हैं. आज हमारे पास जो ज्ञान-विज्ञान और सुख-सुविधा है, वह हमारे पूर्वजों के सतत् श्रम का प्रतिफल है. यही कृतज्ञता का भाव हमें आत्मा की अवधारणा को स्वीकार करने की ओर ले जाता है. आश्विन माह का कृष्णपक्ष पितृपक्ष कहलाता है. यह पितरों अर्थात् पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का समय है. हम पूर्वजों को अपने अच्छे कर्मों से तृप्त करते हुए उनके प्रति श्रद्धा का प्रदर्शन करते हैं. संसार में पीढ़ी-दर-पीढ़ी ज्ञान-विज्ञान का क्रम चलता रहे और आगत गत को कृतज्ञता ज्ञापित करता रहे, यही पितृऋण चुकाना है.

कलश स्थापना की विधि और शुभ मुर्हूत

आचार्य अजय मिश्रा

आसन पर उत्तर या पूर्व दिशा की ओर बैठें. भगवत स्मरण करते हुए शिखा बांध लें. स्त्रियां बाल खुले रखें. मस्तक पर रोली-चंदन का टीका लगाएं. हाथ में जल लेकर ॐ केशवाय नमः. ऊं गोविंदाय नमः से आचमन करें. जल को मुख से स्पर्श करें, इसके बाद भगवान ऋषिकेष को नमस्कार करें. नवरात्र व्रत कथा या दुर्गासिप्तेशती का चंदन, पुष्प, धूप- दीप और नैवेद्य से पूजन करें. स्मरण रहे कि कलश स्थापन अभिजीत मुहूर्त में ही हो. नवरात्र का आरंभ अमावस्या से युक्त प्रतिपदा में न करें. द्वितीया युक्त प्रतिपदा उत्तम है. नवरात्र पूजा कलश स्थापना और बिना कलश स्थापना के भी होती है.

शुभ मुर्हूत

3 अक्टूबर को प्रातः 5:40 से 7:25 बजे तक अमृतकाल मुर्हूत है. जब कि 11:49 से दोपहर 12:36 तक अभिजीत मुहूर्त है. इसी अवधि में कलश स्थापन श्रेष्ठ होगा.

कैसे करें पूजा

सबसे पहले हाथ में अक्षत-फूल लेकर संकल्प लें. मंत्र- ऊं विष्णु विष्णु श्री भगवती महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्राह्मणोपि द्वितीय परार्धे श्रीशबतेवाराहकल्पेवै जम्बुद्वीपे भारतवर्षे अपने स्थान का नाम ले नगरे/ग्रामे/क्षेत्रे पिंगल नाम संवत्सरे आश्विन मासे शुक्ल पक्षे प्रतिपदया तिथौ अमुक वासरे प्रातः काले अमुक गोत्र/नाम/शर्मा/वर्मा/गुप्तः अहेम् नवरात्रव्रत देवीपूजन नवदुर्गा पूजनं करिष्ये. इसके बाद रक्षा दीप जलाएं और गणेश गौरी का पूजन करें. गणेश का निर्माण गाय के गोबर से करें. इसके बाद कलश में रोली से स्वस्तिक बनाकर गले में मौली लपेटें, भूमि पर अष्टदल बनाकर बालू, जो पर कलश रखें। कलश में गंगाजल, पंचपल्लव, पूर्णपात्र तथा लाल कपड़े में लपेटकर नारियल रखें. हाथ में लालपुष्प लेकर देवी की ध्यान मंत्र पढ़ें –

नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततं नमः।
नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणतास्मताम्।

कलश पर हाथ रखकर देवी की प्रतिष्ठा करें. श्री दुर्गाय नमः कहकर पाद्य, जल, शीतल जल, गंगाजल, दूध, गुड़, घी, मधु, वस्त्र चढ़ाएं.

प्रार्थना मंत्र या श्री : स्वयं सुकृतिनां भवनेष्वलक्ष्मी:
पापात्मनां कृतधियां हृदयेषु बुद्धिः।
श्रद्धा सतां कुलजनप्रभवस्य लज्जा
तां त्वां नताः स्म परिपालय देवि विश्वम्॥

इस मंत्र को पढ़ें. फिर इस मंत्र को पढ़ें–

या देवि सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

पूजन सामग्री

रोली, मौली, धूपबत्ती, कपूर, रुई, अबीर, सिन्दूर, चावल, पान, सुपारी, पेड़ा, बताशा, गोबर, गोमूत्र, दूध, शहद, जनेऊ, मिश्री, फूल, तुलसी, बेलपत्र, लवंग, नारियल, पंचपल्लव, लाल चंदन, काठ की चौकी, लाल साड़ी, आसन, धोती, गमछा बंदनवार, लाल चुनरी आदि.

हवन सामग्री

तिल, चावल, यव, चीनी, घृत, गुग्गुल, भोजपत्र, चंदन का चूरा, आम की लकड़ी, सूखा नारियल आदि. यदि नवरात्र भर व्रत न रख पाएं तो सप्तरात्र, पंचरात्र, युग्मरात्र और एक रात्र का भी शास्त्रीय विधान है. असमर्थता की स्थिति में पत्नी के स्थान पर पति और पति के स्थान पर पत्नी व्रत रख सकती है.

तृप्त होते हैं पितर

माता-पिता के महालया श्राद्ध के दिन तर्पण एकोदिष्ट और पावर्ण श्राद्ध करना अनिवार्य है. सामर्थ्यानुसार ब्राह्मण भोजन, अन्नदान या गाय को घास अवश्य दें अन्यथा पितृगण निराश हो जाते हैं. ब्राह्मण भोजन से श्राद्ध की पूर्ति सामान्यतः श्राद्ध की दो प्रक्रिया है- पिण्डदान और ब्राह्मण भोजन. मृत्यु के बाद जो लोग देवलोक या पितृलोक में पहुंचते हैं, वे मंत्रों द्वारा बुलाए जाने पर उन-उन लोकों से तत्क्षण श्राद्धदेश में आ जाते हैं और निमंत्रित ब्राह्मणों के माध्यम से भोजन के सूक्ष्म कणों के आधाण से उनका भोजन हो जाता है, वे तृप्त हो जाते हैं. वेद में उल्लेखित है कि ब्राह्मणों को भोजन कराने से वह पितरों को प्राप्त हो जाता है.

निम्न मंत्र से पितरों का विसर्जन करें-

ऊं वाजे वाजेवत वाजिनो नो धनुषु विप्राअमृता ऋतज्ञा।
अस्य मध्वः पिबत मादयध्वंतृप्ता यात पथिभिदेवायानैः ।
इन मंत्रों द्वारा विष्णु भगवान से प्रार्थना करें-
प्रमादात कुर्वतां कर्म प्रच्यवेताध्वरेषुयत् ।
स्मरणादेव तद्विष्णोः सम्पूर्ण स्यादिति श्रुतिः ।
यस्य स्मृत्या च नमोक्त्या तपोयज्ञ क्रियादिषु।
न्यून सम्पूर्णतां याति सद्यो वन्दे तम च्युतम् ।
यत्पाद पंकजस्मरणाद् यस्य नामपजादपि।
न्यूनं कर्म भवेत पूर्ण तं वन्दे साम्बमीश्वरम् ।
ॐ विष्णवे नमः। ॐ विष्णवे नमः। ॐ विष्णवे नमः ।

आज भी सुबह चार बजे उठ कर सुनते चंडी पाठ

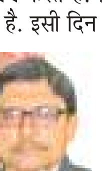

डॉ कमल बोस

श्राद्ध पक्ष में अपने पुरखों का हम तर्पण करते हैं. पितृ पक्ष का अंतिम दिन होता है. इसी दिन से दुर्गोत्सव की शुरुआत होती है. बुराई पर अच्छाई का प्रतीक है यह उत्सव. प्रातः 4 बजे चंडी पाठ, महिषासुर मर्दिनी से अर्थात महालया से दुर्गोत्सव का शुभारंभ होता है. बानी कुमार रचित आगोमिनी को स्वर दिया है श्री वीरेन्द्र कृष्ण भद्र ने, संगीत निर्देशन किया पंकज मलिक ने.

हम सभी चरम उत्साह के साथ चंडी पाठ का श्रवण करते हैं. पूजा भाव के साथ, भक्ति भाव के साथ एक संकल्प लेते हैं कि हम सभी पंक्तिशः पूरा स्तोत्र पाठ सुनेंगे. अलार्म लगाकर सोते हैं, सचेत रहते हैं कि समय पर नींद खुल जाए. सुबह से ही पूजा का भव्य और रम्य परिवेश तैयार होता है.

आज आएंगी जगनमाता

दुर्गा पूजा के पहले महालया का खास महत्व है. महालया की सुबह पितरों का स्मरण कर उन्हें विदाई दी जाती है और शाम में दुर्गा माता का कैलाश से पृथ्वी पर आने के लिए आह्वाहन किया जाता है. इसी दिन हर मूर्तिकार मां दुर्गा की आंखें तैयार करता है. इसके बाद से मां दुर्गा की मूर्तियों को अंतिम रूप दिया जाता है.

डॉ मयंक मुरारी

महालया अर्थात मां का आवाहन. महालया के दिन ही पितृ पक्ष का समापन हो जाता है और इसी के साथ ही दुर्गा पूजा का शुभारंभ होता है. महालया से देवता फिर अपने स्थान पर वास करने लगते हैं. पितृ पक्ष में 15 दिन देवताओं की नहीं पितरों की पूजा अर्चना होती है. महालया से देवी-देवताओं की पूजा शुरू हो जाती है. माता दुर्गा के इस रूप का अवतरण महालया के दिन ही हुआ था. यही वजह है कि महालया की सुबह पितरों का स्मरण कर उन्हें विदाई दी जाती है और शाम में दुर्गा माता का कैलाश से पृथ्वी पर आने के लिए आह्वाहन किया जाता है.

संधिकाल

नवरात्र और पितृ पक्ष का संधिकाल को महालया कहा जाता है. अमावस्या के पहले पहर तक पितर के ऋण से मुक्ति के बाद देवऋण के लिए साधना कर्म शुरू किया जाता है. इस दिन माता दुर्गा की वंदना करके उनसे अपने घर आगमन के लिए प्रार्थना की जाती है और पितरों को जल तिल देकर उन्हें नमन किया जाता है. महालया के दिन ही माता कैलाश पर्वत से सपरिवार विदा हो कर नीचे आती हैं. इस दिन ही हर मूर्तिकार मां दुर्गा की आंखें तैयार करता है. इसके बाद से मां दुर्गा की मूर्तियों को अंतिम रूप दिया जाता है. मान्यता है कि नवरात्र में देवी पार्वती अपनी शक्तियों और नौ रूपों में साक्षात धरती पर आती हैं. इसलिए महालया के दिन माता के स्वागत के लिए इनकी खास प्रार्थना की जाती है. इनके साथ इनकी सहचर योगनियां और पुत्र गणेश एवं कार्तिकेय भी पृथ्वी पर पधारते हैं. पृथ्वी को देवी पार्वती का मायका कहा जाता है. माता अपने माइके में आती हैं और नवरात्र में पृथ्वी पर वास करते हुए मानवजाति में वास करनेवाली आसुरी शक्तियों का भी नाश करती हैं.

आसुरी मनोवृत्ति से मुक्ति

यह आसुरी शक्तियां हमारे मन, शरीर और विचार में अंतर्निहित होती हैं, जिनसे मुक्ति के लिए नौ दिन-रात तक साधना, प्रार्थना, ध्यान और तपस्या का कर्म चलता है. शक्ति का स्पंदन ही हमारे जीवन का आधार है. यह स्पंदन सकारात्मक हो, तो जीवन में यश, कीर्ति और सुख की प्राप्ति होती है. शक्ति का नकारात्मक स्पंदन ही हमारे जीवन में आसुरी स्वभाव को उत्पन्न करती है. जब हम पर अहंकार, क्रोध, लालच, ईर्ष्या और वासना का प्रभाव बढ़ता है, तो यह आसुरी मनोवृत्ति होती है. इससे मुक्ति के लिए ही प्रकृति के संक्रमण काल में नौ दिनों की अवधि बनायी बनायी गयी है. साल में चार संक्रमण काल आते हैं, जब व्यक्ति अपने जीवन में आसुरी वृत्ति को बढ़ने से रोकने या जीवन में सृजनात्मक संरचना के लिए तप, ध्यान और साधना का कर्म करता है. यह कर्म ही नवरात्र में देवी की आराधना होती है.

यादों की गलियों में उत्सव के रंग आज भी वैसे ही

मुक्ति मानुसी

याद आता है कि बचपन में महालया के दिन अलहे सुबह उठ कर दरी या चटाई पर बैठ कर घर के बड़े से मरफी रेडियो में श्री विरेन्द्र किशोर भद्र का चंडी पाठ सुनते थे- बाजलो तोमार गानेर वेणु मातलो भुवन/ या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता भले ही उस समय मंत्र की अर्थ समझ में नहीं आता था, पर मन उत्सव की रंग जाता. बाबा काका कुंआ तालाब में तर्पण करते थे. महालया के दिन हमलोगों में जलेबी खाने प्रथा थी. आह! सुबह गर्म गर्म कचौड़ी-जलेबी बचपन में अमृत लगता था.

भले ही उस समय हमारे फ्रॉक-जूते बहुत साधारण और कम हुआ करते थे. संयुक्त परिवार था, सभी को समान रूप से कपड़े मिठाई मिलना अनिवार्य था. पर तब बहुत अपनापन था, सादगी थी, संतोष था. आज के बदलते परिवेश में उत्सव के मायने बहुत बदल गये. नौकरी के कारण बच्चे दूर हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

धमाकेदार जीत : भारत ने सात विकेट से जीता कानपुर टेस्ट

टीम इंडिया के आगे बांग्लादेश चित्त

- बांग्लादेश के खिलाफ भारत का क्लीन स्वीप
- दो दिन के खेल में बांग्लादेश को धोया
- 2-0 से टेस्ट सीरीज पर कब्जा जमाया
- बुमराह, अश्विन और जडेजा का कहर

एजेंसी। कानपुर

कानपुर के ग्रीन पार्क में पहले तीन बारिश के कारण खेल बाधित रहा और दूसरे-तीसरे दिन खेल बिल्कुल भी नहीं हो पाया लेकिन आखिर दो दिन में भारत ने मेहमान टीम को सात विकेट से हराकर दो मैचों की सीरीज को 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया. भारत ने बांग्लादेश को पांचवें और आखिरी दिन दूसरी पारी में 146 रन पर समेटा और फिर 95 रन के लक्ष्य को तीन विकेट पर 98 रन बनाकर हासिल कर लिया. पहली पारी में अर्धशतक जमाने वाले युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल ने दूसरी पारी में भी शानदार बल्लेबाजी की और 45 गेंदों में 8 चौकों व एक सिक्स की मदद से 51 रन बनाए. विराट कोहली 28 रन बनाकर नाबाद लौटे. कप्तान रोहित शर्मा मात्र 8 रन और शुभमन गिल 6 रन बनाकर जल्दी पवेलियन लौटे. लेकिन जायसवाल और विराट ने तीसरे विकेट के लिए मैच विनिंग साझेदारी की. ऋषभ पंत ने विजयी चौका लगाया और भारत को घर पर लगातार 18वीं टेस्ट सीरीज जीत दिलाई. बांग्लादेश ने बारिश से प्रभावित पहले दिन तीन विकेट पर 107 रन बनाए थे. लेकिन फिर अगले दो दिन खेल नहीं हो पाया. मैच के चौथे दिन भारतीय गेंदबाजों ने बांग्लादेश को 233 रन पर समेट दिया. भारत ने इसके बाद बेहद तेज गति के साथ टी20 अंदाज में बल्लेबाजी की और 9 विकेट पर 285 रन बनाकर अपनी पहली पारी घोषित कर दी. भारत को पहली पारी में 52 रन की बढ़त मिली. दूसरी पारी में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, स्पिनरों रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा ने 3-3 विकेट झटककर बांग्लादेश को दूसरी पारी में मात्र 47 ओवर में 146 रन पर ढेर कर दिया जिससे भारत को जीत के लिए 62 ओवरों में 95 रन का लक्ष्य मिला.

आखिरी दिन पहले सत्र में ड्रिंक्स तक बांग्लादेश का सिर्फ एक विकेट गिरा था लेकिन दूसरे चरण में भारतीय गेंदबाजों ने सात विकेट चटका दिए. जडेजा और बुमराह की जोड़ी के इतर आकाश दीप ने भी शादमान (50) का महत्वपूर्ण विकेट लिया क्योंकि वह अर्धशतक बना कर खेल रहे थे. यह एक और रोमांचक सेशन था और भारत ने इसे आसानी से जीत लिया. अश्विन ने शुरुआत में ही स्ट्राइक किया और पहली पारी के शतकवीर मोमिनुल हक (2) को सस्ते में आउट कर दिया. शादमान इस्लाम और कप्तान नजमुल शांतो ने अच्छा प्रतिरोध दिखाया सावधानी और आक्रामकता का मिश्रण करते हुए और कम समय में 50 प्लस की साझेदारी की. लेकिन जडेजा के खिलाफ बांग्लादेश के कप्तान द्वारा गलत तरीके से रिवर्स स्वीप करने से विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गया. जडेजा के तीन और आकाश दीप के शादमान को आउट करने के बाद वे 91/3 से 94/7 पर पहुंच गए. बुमराह ने वापसी करते हुए कुछ विकेट चटकाए और मेहमान टीम को दूसरी पारी में 146 रन पर समेट दिया. बुमराह ने 10 ओवर में 17 रन पर तीन विकेट, अश्विन ने 15 ओवर में 50 रन पर तीन विकेट और जडेजा ने 10 ओवर में 34 रन पर तीन विकेट लेकर बांग्लादेश को समेटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी. आकाश दीप को आठ ओवर में 20 रन पर एक विकेट मिला. दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ में भारत सिर्फ़ पहले टेस्ट के पहले दो सत्र में ही थोड़ी परेशानी में दिखा लेकिन इसके बाद बांग्लादेश को भारत ने वापसी ही नहीं करने दी. यह ओवरों के लिहाज़ से भारत की दूसरी सबसे बड़ी जीत है. भारत ने सिर्फ़ 52 ओवर खेलकर इस मैच को अपने नाम किया है.

जादूगर कहलाये जाने के बारे में नहीं सोचता : बुमराह

कानपुर। भारत की बांग्लादेश पर सात विकेट की जीत में कुल छह विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह खुद को जादूगर कहलाये जाने के बारे में नहीं सोचते. दोनों पारियों में तीन-तीन विकेट लेने वाले बुमराह ने मैच के बाद कहा, यह वाकई बहुत अच्छा लग रहा है. मैं उन सभी विशेषणों (जादूगर कहलाने) के बारे में नहीं सोचता. यह जीत हासिल करना वाकई अच्छा है, हमने कुछ दिन गंवाए थे.. जिस तरह से हमने कल बल्लेबाजी की और यह हमारी फिटनेस के लिए एक परीक्षा थी और साथ ही आप देख सकते हैं कि मौसम कितना गर्म है, हर दिन गेंदबाजी करना और प्रभाव पैदा करने की कोशिश करना, यह वाकई एक खास जीत है. उन्होंने कहा, आप अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हैं लेकिन यह कहना आसान है, करना मुश्किल, क्योंकि आपने बहुत क्रिकेट खेला है और अलग-अलग सतहों पर खेला है, आप समाधान ढूंढते हैं, यह विकेट चेन्नई में जो मिला था उससे बिल्कुल अलग था, इसलिए जल्दी से दूसरों से बात की और सबसे अच्छा विकल्प खोजने की कोशिश की.

बुमराह ने कहा, मुझे वह चुनौती पसंद है जब आप अपनी प्रकृति के खिलाफ जाते हैं, परिस्थितियां अनुकूल नहीं होती हैं, विकेट अनुकूल नहीं होता है, आप कैसे जवाब पाते हैं, ये सभी लड़ाइयां मुझे वाकई पसंद हैं. हमने भारत में बहुत क्रिकेट खेला है, आप विकेट की प्रकृति को समझते हैं और एसजी गेंद कभी-कभी रिवर्स भी होती है लेकिन कभी-कभी नमी के कारण आप गेंद को सूखा नहीं रख पाते हैं, इसलिए आप समाधान ढूंढते हैं और अन्य खिलाड़ियों के साथ भी इस पर चर्चा करते हैं. आकाश दीप की तारीफ़ करते हुए बुमराह ने कहा, वह (आकाश दीप) स्पैल से पहले अक्सर मेरे पास आता है और मुझसे पूछता है कि क्या हो रहा है और मुझे क्या करना चाहिए, हमने कई रोचक बातचीत की है, वह गेंद पर जो ऊर्जा लाता है, वह मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देता है और जब वह गेंदबाजी करता है, तो उसके पास बहुत हिम्मत होती है और यह हमारे लिए आगे बढ़ने के लिए एक अच्छा संकेत है. उम्मीद है कि वह और मजबूत होगा. उन्होंने कहा, हमें विश्व कप के बाद ब्रेक मिला, हम टेस्ट सीरीज की तैयारी कर रहे थे और आपको यह ध्यान में रखना होगा,

अश्विन प्लेयर ऑफ द सीरीज

भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अपने विजयी आलराउंड प्रदर्शन की बदौलत प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब जीतकर श्रीलंका के ऑफ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है. कानपुर टेस्ट की पहली पारी में दो और दूसरी पारी में तीन विकेट लेने वाले अश्विन ने इस सीरीज में कुल 114 रन बनाये और 11 विकेट लिए जिसकी बदौलत उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला जो उनके करियर में 11वीं बार था. मुरलीधरन ने भी अपने करियर में 11 प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार हासिल किये थे.

यशस्वी का कमाल, बने प्लेयर ऑफ द मैच

कानपुर। कानपुर टेस्ट में भारत के लिए यशस्वी जायसवाल ने दोनों ही पारियों में अर्धशतक लगाए, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया. जायसवाल की तरफ से ताबड़तोड़ बल्लेबाजी देखने को मिली. पहली पारी में भारतीय बल्लेबाज ने 51 गेंदों में 12 चौके और 2 छक्कों की मदद से 72 रन स्कोर किए थे. इसके अलावा दूसरी पारी में जायसवाल के बल्ले से 45 गेंदों में 7 चौके और 1 छक्की की मदद से 51 रनों की पारी निकली.

भारत की होम पिच पर लगातार 18वीं टेस्ट सीरीज जीत

कानपुर। भारत ने कानपुर के ग्रीन पार्क में बांग्लादेश को पांचवें और अंतिम दिन मंगलवार को सात विकेट से हराकर दूसरा टेस्ट जीत लिया और दो मैचों की सीरीज को 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया. भारत की अपने घर में यह लगातार 18वीं टेस्ट सीरीज जीत है जिसका सिलसिला 2013 में शुरू हुआ था. भारत की अपने टेस्ट इतिहास में यह 180वीं जीत है और वह सर्वाधिक टेस्ट जीतने के मामले में दक्षिण अफ्रीका को पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर पहुंच गया है.

घरेलू मैदान पर लगातार सबसे ज्यादा टेस्ट सीरीज जीत

- 18 – भारत (2013 – 2024)
- 10– ऑस्ट्रेलिया (1994–2000)
- 10– ऑस्ट्रेलिया (2004–2008)
- 8– वेस्टइंडीज (1976–1986)
- 8– न्यूज़ीलैंड (2017–2020)

टेस्ट में सबसे ज्यादा जीत

- 414 – ऑस्ट्रेलिया
- 397 – इंग्लैंड
- 183 – वेस्टइंडीज
- 180 – भारत
- 179 – दक्षिण अफ्रीका

डब्ल्यूटीसी फाइनल का दावा मजबूत हुआ

भारतीय टीम की बांग्लादेश पर मिली टेस्ट सीरीज की जीत से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप टेबल में उसके नंबर एक की जगह और भी मजबूत हो गई है. इस जीत से पहले भारत की जीत का प्रतिशत 71 था जबकि सीरीज खत्म होने के बाद यह 74.24 हो गया है. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप टेबल में दूसरे नंबर पर काबिज ऑस्ट्रेलिया के जीत का प्रतिशत 62.50 का है. श्रीलंका की टीम ने न्यूजीलैंड को अपने घर पर 2-0 से हराकर टेबल में तीसरा स्थान हासिल किया है. उसके जीत का प्रतिशत 55.56 है. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप टेबल में 42.19 जीत प्रतिशत के साथ इंग्लैंड की टीम चौथे स्थान पर है. साउथ अफ्रीका के जीत का प्रतिशत 38.89 है और वो इस वक्त 5वें नंबर पर है.

खराब बल्लेबाजी के कारण हारे : शांतो

कानपुर में भारत के खिलाफ मिली हार के बाद बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने बल्लेबाजों को दोषी ठहराया. शांतो ने कहा कि खराब बल्लेबाजी के चलते बांग्लादेश ने दोनों टेस्ट गंवा दिए. बांग्लादेशी कप्तान ने अश्विन और जडेजा का उदाहरण देते हुए समझाया कि कैसे चेन्नई टेस्ट में दोनों बल्लेबाजों ने अहम वक्त पर शानदार साझेदारी की थी. मैच के बाद नजमुल हुसैन शांतो ने कहा, हमने दोनों ही टेस्ट में अच्छी बल्लेबाजी नहीं की. इन हालातों में हमें सिर्फ अच्छी बल्लेबाजी करने की जरूरत है. अगर आप हमारे बल्लेबाजों को देखेंगे, तो हमने 30-40 गेंदें खेलीं और आउट हो गए. जिस तरह अश्विन और जडेजा ने उस वक्त बल्लेबाज की थी- उन्होंने शानदार बल्लेबाज की थी. उस साझेदारी ने हमसे मैच छीन लिया था. इस पारी में मोमिनुल ने जिस तरह से बल्लेबाजी की वह अच्छा था.

टेनिस स्टार एंजेला का सीआईएससीई राष्ट्रीय खेलों के लिए चयन

अहमदाबाद। अडाणी स्पोर्ट्सलाइन साबरमती रिवरफ्रंट स्पोर्ट्स पार्क में टेनिस अकादमी की युवा ट्रेनी एंजेल मोरेरा को सीआईएससीई राष्ट्रीय खेल 2024 में भाग लेने के लिए चुना गया है. वह इस आयोजन में लड़कियों की अंडर-19 श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करेंगी. इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए एंजेल का चयन उनके उभरते टेनिस करियर में एक टर्निंग पॉइंट है. यह युवा भारतीय प्रतिभाओं को वैश्विक मंच के लिए तैयार करने के लिए अकादमी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

छह बार के ओलंपिक चैंपियन मा राउंड 32 में

डब्ल्यूटीटी चाइना स्मैश

एजेंसी। बीजिंग

चीनी टेबल टेनिस आइकन मा लोंग ने सोमवार को यहां विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) चाइना स्मैश में पुरुष एकल के पहले दौर में आसानी से जीत दर्ज की. छह बार के ओलंपिक चैंपियन मा ने अपने दो बेटों का हाथ थामकर मैदान में प्रवेश किया और फिर इंग्लैंड के लियाम पिचफोर्ड पर और पुरुष एकल के अंतिम 32 में प्रवेश किया. 35 वर्षीय ने कहा, आज का दिन काफी खास था, क्योंकि यह पहली बार था जब मेरे बेटों ने मुझे खेलते हुए देखा. यह इस बार प्रतिस्पर्धा करने के लिए मेरी प्रेरणाओं में से एक था. मैं उनके सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता था. सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार मा ने कहा, मैं पहले भी पिचफोर्ड से हार चुका हूं, इसलिए आज, मैंने पहली गेंद से ही मैच को गंभीरता से लिया और उन पर दबाव बनाया. चीन के लिन गाओयुआन ने ईरान के नोशाद अलामियान को 3-1 से करीबी मुकाबले में हराया. लिन ने जीत के बाद कहा, मुझे लगता है कि मैं उन कठिनाइयों के लिए पूरी तरह से तैयार था जिनका मैं सामना कर सकता था क्योंकि मैंने अपने पिछले मैच की समीक्षा की और उससे सीखा. उनकी शैली अद्वितीय थी और इससे मैं कोर्ट पर बहुत असहज हो गया. मैंने मैच की शुरुआत में ही खुद को प्रेरित किया और अपनी तकनीक और रणनीति को लागू किया.

फीफा ने कैमरून एफए प्रमुख सैमुअल इटो पर लगाया प्रतिबंध

याउंडे। विश्व फुटबॉल नियामक संस्था फीफा ने कैमरून फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष सैमुअल इटो को फीफा के अनुशासनात्मक कोड के उल्लंघन के कारण छह महीने के लिए राष्ट्रीय टीम के मैचों में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया है. प्रतिबंध ब्राजील और कैमरून के बीच फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप के राउंड-ऑफ-16 मैच से जुड़ा है, जो सितंबर की शुरुआत में कोलंबिया में आयोजित किया गया था. फीफा ने कहा कि मैच के दौरान खिलाड़ियों और अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार के दोषी थे.

पाकिस्तान की आईसीसी सफलता क्रिकेट की आर्थिक स्थिति को बढ़ावा देगी: जहीर अब्बास

- टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश से मिली हार बहुत ही दुखद

एजेंसी। नयी दिल्ली

पूर्व कप्तान जहीर अब्बास ने पाकिस्तान क्रिकेट की मौजूदा स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे वैश्विक क्रिकेट की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है. उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान आईसीसी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो इससे खेल की कुल आर्थिक स्थिति को बढ़ावा मिलेगा. हाल ही में, पाकिस्तान क्रिकेट दुनिया के सबसे अस्थिर क्रिकेट बोर्डों में से एक रहा है. हर सरकारी बदलाव के साथ, एक नए अध्यक्ष की नियुक्ति की जाती है और कई अन्य बदलाव होते हैं, जिससे देश में क्रिकेट की स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है. एक समय में दबदबे वाली टीम ने हाल के वर्षों में प्रमुख टूर्नामेंटों में निराशाजनक प्रदर्शन और टी20 विश्व कप से ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद बांग्लादेश से ऐतिहासिक हार के साथ महत्वपूर्ण गिरावट का सामना किया है. अब्बास ने क्रिकेट प्रेडिक्ट कॉन्क्लेव में कहा, अगर पाकिस्तान आईसीसी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो क्रिकेट की कुल आर्थिक स्थिति में और सुधार होगा.

शूटिंग | लीमा जूनियर वर्ल्ड्स चैंपियनशिप में भारत के युवा शूटर ने किया कमाल

पार्थ राकेश माने ने दोहरा स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी। लीमा

पार्थ राकेश माने ने 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक और टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर जूनियर विश्व चैंपियन का खिताब अपने नाम किया. यह मुकाबला इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में हुआ. पार्थ ने 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत खिताब जीतने के बाद, अजय मलिक और अभिनव शॉ के साथ मिलकर पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में भी स्वर्ण पदक जीता. भारत को तीसरा स्वर्ण भी मिला जब गौतमी भानोट, शंभवी क्षीरसागर और अनुष्का ठाकुर ने जूनियर महिला टीम इवेंट में 10 मीटर एयर राइफल में जीत हासिल की. लेकिन दिन की सबसे बड़ी उपलब्धि 16 साल के पार्थ माने की रही. उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 24-शॉट के फाइनल में 250.7 अंक हासिल किए और चीन के मौजूदा जूनियर एशियाई चैंपियन हुआंग लिवानलिन को 0.7 अंकों से पछाड़ दिया. इसके अलावा, अमेरिका के ब्रेडन पीसर ने कांस्य पदक जीता, जबकि पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन चौथे स्थान पर रहे. मौजूदा डबल जूनियर विश्व चैंपियन रोमन औफ्रेर छठे स्थान पर रहे.

भारत के अन्य निशानेबाजों, अजय मलिक और 15 साल के अभिनव शॉ ने क्रमशः पांचवां और सातवां स्थान हासिल किया. अजय 186.7 अंक के साथ शूट-ऑफ में लिंडग्रेन से हार गए, जबकि अभिनव 144.2 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहे. पहले 62 प्रतियोगियों के क्वालीफिकेशन राउंड में, अजय दूसरे स्थान पर (628.8), पार्थ चौथे स्थान पर (627.7) और अभिनव छठे स्थान पर (627.0) रहे. भारत के अन्य दो प्रतियोगी, उमामहेश मड्डिनेनी (625.5) और तलवार सिंह (625.2) ने 13वें और 14वें स्थान पर समाप्त किया. इसके साथ ही पार्थ, अजय और अभिनव की टीम ने कुल 1883.5 अंक हासिल कर अमेरिका (1877.6) और जर्मनी (1873.9) को हराकर टीम स्वर्ण जीत लिया. जूनियर महिला एयर राइफल फाइनल में तीन भारतीय भी पहुंचीं, लेकिन व्यक्तिगत पदक नहीं जीत पाईं. गौतमी भानोट ने शानदार प्रदर्शन कर 634.7 अंकों के साथ 90 प्रतियोगियों में दूसरे स्थान पर क्वालीफाई किया.

अंडर-19 राजस्थान टीम के कप्तान बने कार्तिक शर्मा

भरतपुर। जिले के कार्तिक शर्मा को अंडर-19 राजस्थान टीम का कप्तान बनाया गया है. कार्तिक शर्मा 5 मैच के लिए कप्तान रहेंगे. बीसीसीआई 4 अक्टूबर से दिल्ली में अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी करवाने जा रहा है. कार्तिक शर्मा का चयन उनके परफॉर्मेंस के आधार पर किया गया है. अब लोगों को उम्मीद है कि वह जल्द ही आईपीएल में भी खेलते हुए नजर आ सकते हैं. जिला क्रिकेट संघ भरतपुर के सचिव शत्रुघ्न तिवारी ने बताया कि 4 अक्टूबर से दिल्ली में अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी शुरू हो रही है. जिसमें भरतपुर जिले के रहने वाले कार्तिक शर्मा का चयन राजस्थान अंडर-19 टीम के लिए हुआ है. साथ ही कार्तिक शर्मा को जूनियर चयन समिति ने अंडर-19 राजस्थान टीम का कप्तान भी घोषित किया है.

खो-खो को विश्वस्तरीय मानकों तक बढ़ाया जा रहा है : सुधांशु मित्तल

एजेंसी। नयी दिल्ली

खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया ने पारंपरिक खो खो खेल में खेल विज्ञान को एकीकृत किया है, जो खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बढ़ाने और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव है. यह निर्णय महासंघ के इस विश्वास को रेखांकित करता है कि खेल विज्ञान उत्कृष्टता प्राप्त करने और पोडियम फिनिश हासिल करने के बीच मुख्य अंतर है. खेल के प्रति इस नए दृष्टिकोण पर चर्चा करते हुए केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, खो-खो वास्तव में एक आधुनिक अंतरराष्ट्रीय खेल है, जिसमें इसकी वैश्विक स्वीकृति के लिए आवश्यक सभी तत्व मौजूद हैं. उन्नत आकलन और लक्षित रणनीतिक हस्तक्षेप के माध्यम से, हम अब खेल को विश्व स्तरीय मानकों तक बढ़ा रहे हैं.

खो-खो अब अतीत का अवशेष नहीं है, बल्कि यह भविष्य का खेल है. उन्नत खेल विज्ञान तकनीकों को शामिल करने का उद्देश्य इस स्वदेशी खेल को परिष्कृत और उन्नत करना है, जिससे यह वास्तव में विश्व स्तरीय बन सके. यह परिवर्तन खो खो के विकास का हिस्सा है, जो मिट्टी (मिट्टी) से लेकर मैट तक है, जो खेल का एक आधुनिक, मैट-आधारित संस्करण है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष रोग भाव में चन्द्रमा सूर्य का योग है. चन्द्र अस्त है. सरकारी कार्यालयों में दिक्कत हो सकती है. पर कार्य में लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रह सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी बिलकुल न करें. हनुमानजी के मंदिर में जल का दान करें.

वृष शिक्षा से संबंधित कोई बाधा हो सकता है. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें. शारीरिक हानि की आशंका है. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. कार्य होगा और आय बनी रहेगी.

मिथुन किसी से बहस नहीं हो, इसका ध्यान रखें. सारी स्थिति अनुकूल होगी. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. शत्रुभय रहेगा. धनहानि हो सकती है. भावना पर नियंत्रण रखें. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. निवेश शुभ रहेगा.

कर्क आपके प्रभाव से आय होगी. यात्रा का योग है. मानसिक उलझन दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में चैन रहेगा. किसी पुरानी बीमारी से परेशानी हो सकती है. नए मित्र बनेंगे. विवेक का प्रयोग करें. लाभ में वृद्धि होगी.

सिंह समय सामान्य है. नेत्र रोग से बचें. समय उत्तम है. सामाजिक सरोकार बढ़ेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. धनार्जन होगा. समय उत्तम है. इसका लाभ लें. सूर्य को जल अर्पण करें.

कन्या मानसिक शांति के साथ-साथ आर्थिक सुख मिलेगा. आय होगा पर दौड़धूप अधिक रहेगी. लाभ के अवसर हाथ से निकल सकते हैं. आय में निश्चितता रहेगी. किसी नये कार्य का जोखिम न लें. लड्डू का भोग लगावें.

तुला थोड़े प्रयास से रुके कार्य बनेंगे. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. समाजसेवा करने की प्रेरणा प्राप्त होगी. मान-सम्मान मिलेगा. आय के नए स्रोत प्राप्त होंगे. धन प्राप्ति सुगम होगी. झाड़ू का दान करें.

वृश्चिक लेन-देन में जल्दबाजी न करें. घर में मेहमानों का आगमन हो सकता है. किन्हीं अपनों पर व्यय होगा. शुभ समाचार प्राप्त होगा. घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल बनेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. संतान पक्ष की चिंता रहेगी.

धनु समय सामान्य है. थकान व कमजोरी रह सकती है. अप्रत्याशित लाभ की संभावना है. व्यावसायिक यात्रा लंबी हो सकती है. लाभ होगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य की अनुकूलता बनी रहेगी.

मकर कोई अप्रत्याशित खर्च सामने आ सकता है. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है. अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा. किसी अपने के स्वास्थ की चिंता तथा तनाव रहेंगे. आय बनी रहेगी.

कुंभ कोई बड़ा निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें. तनाव रह सकता है. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. नए काम मिल सकते हैं. आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. उत्साह व प्रसन्नता रहेंगे.

मीन किसी पे अतिविश्वास करने से बचें. कार्य में तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. आय के नए स्रोत प्राप्त होने के योग हैं. मित्रों व रिश्तेदारों की सहायता कर पाएंगे. गुरु गायत्री मंत्र का जाप करें.

भूल-सुधार

मां अम्बे प्लॉट नहीं बोबोंगा प्लॉट पर हुआ है भंडारण

रांची। एक अक्टूबर के दैनिक शुभम संदेश अखबार में बड़ाजामदा से होनेवाली लौह अयस्क तस्करी में शामिल हैं विनय और अमर शीर्षक वाली खबर में भूलवश बोबोंगा प्लॉट की जगह मां अम्बे प्लॉट लिखा गया है. मां अम्बे प्लॉट में बड़ाजामदा, गुवा रेलवे साइडिंग लाइन सफाई के नाम से लौह अयस्क की खुदाई कर यहां भंडारण नहीं किया जा रहा है, बल्कि यहां टाटा स्टील की विजय-टू खदान से निरावे गये लौह अयस्क का वैध ढंग से भंडारण किया जा रहा है. जबकि रेलवे साइडिंग के अयस्क का अवैध भंडारण व परिवहन टोरियन एवं बोबोंगा प्लॉट से हुआ है. मां अम्बे प्लॉट की जगह बोबोंगा प्लॉट पढ़ा जाए.

एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष बने अमन अहमद, जताया आभार

रांची। झारखंड प्रदेश एनएसयूआई के उपाध्यक्ष अमन अहमद को मनोनीत किया गया. उन्होंने कहा कि 2019 में एनएसयूआई में शामिल हुआ, राज्य स्तर पर छात्र समुदाय की सेवा करने की नई जिम्मेवारी संभालने के लिए तैयार हूं. एनएसयूआई परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी, राज्य प्रभारी कुणाल सहरावत के प्रति आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने उन्हें इस पद की जिम्मेवारी सौंपी है, साथ ही झारखंड एनएसयूआई निवर्तमान अध्यक्ष, मार्गदर्शक सैयद आमिर हाशमी, महाराष्ट्र प्रदेश महासचिव साहिल खान, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अनिकेत राज, सत्यम सेठ सहित कांग्रेस व एनएसयूआई के तमाम वरिष्ठ सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया.

रेलवे साइडिंग पर उड़ता है धूलकण, ठेकेदार नहीं देते हैं मास्क, गंभीर बीमारी होने का खतरा

बड़ाजामदा रेलवे साइडिंग में रैक लोडिंग करने वाले मजदूरों का शोषण

शैलेश सिंह। किरीबुरु

बड़ाजामदा रेलवे साइडिंग में स्पंज आयरन और पैलेट (लौह अयस्क की गोली) की रैक में लोडिंग करने वाले मजदूरों का बडे. पैमाने पर शोषण ठेकेदारों द्वारा किया जा रहा है. इन मजदूरों को न तो न्यूनतम मजदूरी दी जा रही है और न ही वह सारी सुविधाएं जो सरकार द्वारा निर्धारित हैं. बड़ाजामदा रेलवे साइडिंग में रैक की लोडिंग मैनुअल करने वाले दर्जनों मजदूरों ने बताया कि वे आसपास गांवों के हैं. इस साइडिंग में वे बीके स्टील, बालाजी और ग्वाली का लौह अयस्क की रैक लोडिंग किया करते हैं. मजदूरों ने बताया कि मालगाड़ी का एक बॉक्स लोड करने वाले मजदूरों के एक ग्रुप को मात्र 2400 रुपये तथा बाहर से वाहनों से आने वाला अयस्क को प्रत्येक टन अनलोडिंग करने पर प्रत्येक मजदूर को 30 रुपया मिलता था, लेकिन दो दिन से इसमें 10 रुपये की वृद्धि कर 40 रुपये कर दिया गया है. इसके अलावे पानी, गुड़ भी नहीं मिलता है. रेलवे साइडिंग में धूलकण काफी उड़ता है जिससे टीवी रोग का खतरा रहता है. धूलकण को रोकने हेतु मास्क, नोज मास्क के अलावे सेफ्टी बूट आदि अन्य सुरक्षा उपकरण नहीं मिलता है. इन सारी समस्याओं का समाधान होना चाहिए.

मजदूरों ने कहा

1. एक बॉक्स लोड करने पर ग्रुप को 2400 रुपये मिलते हैं
2. अनलोड करने पर प्रति मजदूर मिलता था 30 रुपये
3. दो दिनों से इसे बढ़ाकर कर दिया 40 रुपये
4. पानी और गुड़ भी नहीं दिया जाता है
5. सेफ्टी बूट व अन्य सुरक्षा उपकरण भी नहीं मिलते

जलसहिया क्षमतावर्द्धन-सह-स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में सीएम हुए शामिल

पूर्ववर्ती सरकार ने दीदियों को अधिकार से वंचित रखा : हेमंत

- जलसहिया को स्मार्ट मोबाइल फोन केलिए डीबीटी के माध्यम से 12 हजार रुपये हस्तांतरण किया

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को रांची के धुर्वा स्थित प्रभात तारा मैदान में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय जलसहिया क्षमतावर्द्धन-सह-स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में शामिल हुए. इस मौके पर उन्होंने झार-जल एप के माध्यम से कार्य करने की सुविधा के लिए जलसहिया को स्मार्ट मोबाइल फोन के क्रय के लिए डीबीटी के माध्यम से 12 हजार रुपये हस्तांतरण किया. इसके साथ ही जल सहियाओं को अब मानदेय एक हजार रुपये से बढ़ाकर 2 हजार रुपये करने के सरकार के निर्णय ये अवगत कराया. उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए जल सहियाओं, मुखिया व स्वयं सहायता समूहों के बीच प्रशस्ति पत्र का वितरण किया. इस मौके पर मंत्री बन्ना गुप्ता, मिथिलेश कुमार ठाकुर, दीपिका पांडेय सिंह, सांसद महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन, राजेश कच्छप, राजेश ठाकुर, प्रधान सचिव पेयजल एवं स्वच्छता विभाग एमआर मीणा सहित कई शामिल हुए.

पूर्ववर्ती सरकार ने जलसहिया दीदियों के अधिकारों से वंचित किया : इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सरकारों ने जलसहिया दीदियों को उनका हक-अधिकार से वंचित रखने का काम किया था. मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार आम नागरिक और सरकार के विभिन्न अंग को अपने साथ खड़े होने के लिए उन्हें उनका हक और अधिकार दे रही है. जलसहिया दीदियों की समस्याओं पर राज्य सरकार का पूरा ध्यान है. हमारी सरकार एक-एक समस्याओं का निदान करने का काम कर रही है. हमारी सरकार ने ग्राम स्तर पर कार्यरत जलसहिया दीदियों की मानदेय राशि को बढ़ाकर 2 हजार रुपए प्रतिमाह किया है.

योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने में दीदियों की भूमिका अहम

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में आप सभी जलसहिया दीदियों के माध्यम से राज्य सरकार की कई महत्वाकांक्षी योजनाएं गांव-गांव तथा घर-घर तक पहुंचता है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आप याद कीजिए वह दिन जब पूर्व की सरकार में छोटे से कार्यकाल के भीतर मेरे मंत्री रहते आप सभी जलसहिया दीदियों की नियुक्ति हुई थी. आपकी समस्याओं को मुझसे ज्यादा कोई नही समझ सकता है. आज राज्य में आप सभी के उम्मीद और आकांक्षाओं की सरकार है. निश्चित रूप से आपकी कई अपेक्षाओं को पूरा करने में हमारी सरकार सफल भी रही है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी दीदी-बहनों को फिर से एक ताकतवर कड़ी बनाने का हमारा उद्देश्य है. हमारी सरकार विशुद्ध रूप से इस राज्य के मूलवासियों-आदिवासियों की सरकार है.

स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि आज गांव-गांव, जन-जन तक स्वच्छ पानी पहुंचाना बहुत बड़ी चुनौती है. स्वच्छ जल मिलेगा तभी लोग बीमार नहीं होंगे. अगर हम सभी लोग मिलजुल कर गांव-गांव तक स्वच्छ पानी पहुंचाने में कामयाब होंगे तो जिस तरह से हमारे पूर्वज मजबूत हुआ करते थे, वैसे ही गांव के लोग मजबूत होंगे. ग्रामीण स्तर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेवारी है. मुख्यमंत्री ने कहा कि विभागीय स्तर पर कई कार्य योजना तैयार की गई है. राज्य सरकार द्वारा कहीं टंकी, कहीं बोरिंग, कहीं पाइपलाइन से शुद्ध जल पहुंचाने का कार्य हो रहा है.

महिला स्वयं सहायता समूहों को 12 हजार करोड़ फंड उपलब्ध कराया

मुख्यमंत्री के कहा कि अलग-अलग तरह से हमारी सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए, उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए कार्य योजना बनाई गई हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 19 वर्षों में सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाओं को पूर्व की सरकारों द्वारा मात्र 600 से 700 करोड़ रुपए का फंड उपलब्ध कराया गया था. हमारी सरकार ने विगत 4 वर्षों में महिला स्वयं सहायता समूहों के सर्वांगीण विकास के लिए 12 हजार करोड़ रुपये का फंड उपलब्ध कराया गया है.

लोकतंत्र बचाओ अभियान का विस चुनाव पर जन घोषणा पत्र जारी

संवाददाता। रांची

लोकतंत्र बचाओ अभियान के तहत विधानसभा चुनाव के लिए जन घोषणा पत्र जारी किया गया. मंगलवार को प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों को इसकी जानकारी दी गई. कहा कि अभियान में सांप्रदायिक सौहार्द व संवैधानिक मूल्यों में विश्वास करने वाले राजनैतिक दलों से मांग किया कि वे अपने घोषणा पत्र में अभियान द्वारा उठायी गयी मांगों को जोड़े. मांग की गयी कि वे मजबूत जमीनी गठबंधन सुनिश्चित करें व मिलकर एक साझा न्यूनतम कार्यक्रम जारी करें. संक्षिप्त व विस्तृत मांग पत्र संलग्न है. इससे पूर्व हेमंत सोरेन गठबंधन सरकार के पिछले पांच साल के शासन का आंकलन दिया गया, गठबंधन सरकार ने जन अपेक्षा अनुरूप कई काम किये हैं, जैसे सामाजिक सुरक्षा पेंशन के कवरेज में व्यापक बढ़ोतरी, मंईयां सम्मान योजना, कोविड लॉकडाउन व उसके बाद प्रवासी मजदूरों को सहयोग, कृषि ऋण माफी, पत्थलगड़ी आंदोलन व सीएनटी-एसपीटी आंदोलन संबंधित केसों की वापसी, नेतरहाट फील्ड फायरिंग रेंज, परियोजना के अवधि विस्तार पर रोक आदि. साथ ही राज्य की अपेक्षा अनुसार 1932 खतियान आधारित डोमिसाइल नीति, पिछड़ों के लिये 27 फीसदी आरक्षण व सरना धर्म कोड की अनुशंसा को विधानसभा से पारित किया. लेकिन गठबंधन दलों द्वारा किये गये अनेक वादे पांच साल बाद भी लंबित हैं.

साथ ही सामाजिक, सरक्षा, स्वास्थ्य पर बेहतर कार्य हों, जनता की मांग सरकार तक पहुंचे. स्कूल अस्पताल की मॉनिटरिंग अच्छी तरह से हो. वृद्धा और विधवाओं को हर माह 3000 रुपये का पेंशन मिले. तामिलनाडु की तर्ज पर झारखंड में भी गरीब गर्भवती महिलाओं को बेहतर इलाज के लिये 20 हजार रुपये की योजना राशि मिले. सरकारी स्कूल के बच्चों को शुद्ध भोजन मिले, कृषि में सुधार के लिये खेतों में जहां पानी नहीं पहुंचता डैमों से पानी पहुंचाया जाये. मनरेगा मजदूरों का 800 रुपये रोजाना भुगतान मिले. राज्य के युवाओं को अपने राज्य में ही बेहतर रोजगार मिले ताकि कोई पलायन करने को मजबूर नहीं हों. इस अवसर पर झारखंड किसान मोर्चा की अंबिका यादव, लोकतंत्र बचाओ अभियान के अजय एक्का, नंदकिशोर गंझू, आलोक कुजूर, बासिंह हेस्सा, एलिना होरो, रिया पिंगुआ, टॉम कावला शामिल थे.

शहीद मंगल पांडेय की प्रतिमा का अनावरण

बेदानी स्कूल चौक अब शहीद मंगल पांडेय चौक के नाम से जाना जाएगा

संवाददाता। मेदिनीनगर

पलामू जिला अंतर्गत तरहसी प्रखंड के बेदानी मिडिल स्कूल चौक अब शहीद मंगल पांडेय चौक के नाम से जाना जाएगा. मंगलवार को पांकी विधानसभा के विधायक कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता ने शहीद मंगल पांडेय की प्रतिमा का अनावरण किया. मौके पर डॉ मेहता ने कहा कि शहीद मंगल पांडेय एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ 1857 की क्रांति में संघर्ष किया और शहीद हुए. पूरे राज्य में पांकी विधानसभा में तरहसी ऐसा प्रखंड है, जहां शहीद मंगल पांडेय की प्रतिमा का अनावरण किया गया है. अनावरण कार्यक्रम के दौरान विधिवत पूजा अर्चना की गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता और संचालन अजीत प्रसाद ने किया. मौके पर शंकर शुक्ला, अनुज प्रसाद, अनिल सिंह, संतू राम, ब्रजकिशोर पाठक, अखिलेश पाठक, अवधेश्वर पाठक, नागेन्द्र मिश्रा, संजय राम, बच्चन ठाकुर, अनुज सिंह, गोपाल प्रसाद, गणेश साव, चंद्रदेव पासवान सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे.

रघुवर दास के मेनस्ट्रीम पॉलिटिक्स में वापसी के कयासों को लगा विराम, निशिकांत ने कहा-

रघुवर दास ओडिशा की सरकार को दे रहे मार्गदर्शन

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के पूर्व सीएम सह ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास के मेन स्ट्रीम पॉलिटिक्स में वापसी के कयासों पर विराम लग गया है. इस कयास पर गोड्डा के सांसद निशिकांत दूबे ने पूरी पिक्चर ही क्लीयर कर दी है. उन्होंने सोशल मीडिया में पोस्ट जारी कर कहा है कि भाजपा में कोई कंफ्यूजन नहीं है. केंद्रीय नेतृत्व ने रघुवर दास को ओडिशा का राज्यपाल बनाया है. पहली बार ओडिशा में अपने दम पर भाजपा की सरकार है. रघुवर दास को झारखंड सरकार के मंत्री, मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष रहने के कारण काफी अनुभव है. इसलिए ओडिशा की नयी सरकार को वे मार्ग दर्शन देते रहेंगे. जहां तक सरयू राय का सवाल है, अब वे जदयू में हैं.

दोनों पार्टी का नेतृत्व गठबंधन के तहत जो भी निर्णय लेगा, वही अंतिम होगा. इस तरह का कयास हेमंत सोरेन की सरकार के भ्रष्टाचार से ध्यान हटाने की कोशिश है.

खास बातें

- गोड्डा सांसद निशिकांत दूबे ने कर दिया पिक्चर क्लीयर
- गोड्डा सांसद निशिकांत दूबे ने कर दिया पिक्चर क्लीयर

क्यों लगाए जा रहे थे कयास : असम के सीएम सह झारखंड भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्व सरमा ने 27 सितंबर को भुनेश्वर स्थित राजभवन में राज्यपाल रघुवर दास से मुलाकात की थी. इसके बाद राजनीति के गलियारों में कयासों का बाजार गर्म हो गया. कयास लगाए जाने लगे कि रघुवर दास अपनी परंपरागत सीट जमशेदपुर पूर्वी से चुनाव लड़ने की तमन्ना रखते हैं. वहीं रघुवर दास के चिर प्रतिद्वंदी सरयू राय भी जमशेदपुर पूर्वी सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं. 2019 में सरयू राय को टिकट नहीं मिलने के कारण उन्होंने जमशेदपुर पूर्वी सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में ताल ठोंकी थी, और जीत भी हासिल की थी.

निशिकांत के खिलाफ चल रहे ट्रायल पर लगी रोक

रांती। पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण देने से जुड़े मामले में गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ देवघर सिविल कोर्ट में चल रहे ट्रायल पर रोक लगा दी है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में निशिकांत दुबे की याचिका पर सुनवाई हुई. उनकी ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव, पार्थ जालान और शिवानी जालूका ने बहस की. दुबे के खिलाफ वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान देवघर जिला के कुंडा थाना में कांड संख्या 89/2019 दर्ज है, जिसका ट्रायल देवघर सिविल कोर्ट में चल रहा है. हाईकोर्ट से ट्रायल पर रोक लगने से निशिकांत दुबे को बड़ी राहत मिली है.

समीक्षा बैठक 1200 से अधिक मतदाता वाले बूथ पर एक अतिरिक्त पोलिंग ऑफिसर रहेंगे

निर्वाचन में जीरो एरर के साथ कार्य करें अफसर: सीईओ

संवाददाता। रांची

निर्वाचन सदन में मंगलवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ ऑनलाइन माध्यम से समीक्षा बैठक की. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों से संबंधित निर्वाचन से जुड़े सभी पदाधिकारियों का भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रशिक्षण सुनिश्चित करें. उन्होंने कहा कि निर्वाचन में जीरो एरर के साथ कार्य करना है.

के. रवि कुमार ने कहा कि राज्य में कई पदाधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग हुई है. ऐसे में किसी जिले के ईआरओ व एईआरओ जिनका निर्वाचन संबंधित प्रशिक्षण नहीं हुआ है, उनकी सूची अविलंब उपलब्ध कराएं जिससे उनका ससमय ट्रेनिंग करायी जा सके. उन्होंने कहा कि आयोग के निर्देशानुसार सभी जिलों में प्रीसाइडिंग ऑफिसर, पोलिंग ऑफिसर व एएलएमटी की ट्रेनिंग सुनिश्चित करें. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 1200 से अधिक मतदाता वाले मतदान केंद्रों पर एक अतिरिक्त पोलिंग ऑफिसर की नियुक्ति की जानी है. वल्नरेबल मैपिंग एवं सुरक्षा बल की तैनाती से संबंधित सूची तैयार करने में भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करना है. उन्होंने कहा कि सभी जिलों के निर्वाचन पदाधिकारी अपने जिलों के मतदान केंद्रों में सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाओं की उपलब्धता अपने स्तर से जांच लें. बैठक में के. रवि कुमार ने दिव्यांग मतदाताओं को उपलब्ध सुविधा, पोस्टल बैलेट, नए मतदाताओं को जोड़ने आदि निर्वाचन संबंधी विषयों पर भी बिंदुवार समीक्षा की.

इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, ओएसडी गीता चौबे, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, अवर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित ऑनलाइन माध्यम से सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी उपस्थित रहे.

पेज 1 का शेष

भाजपा आदिवासी-मूलवासी....

सीएम ने बोकारो, रामगढ़ और हजारीबाग को ये सौगातें दी : मुख्यमंत्री ने बोकारो जिले में 1081 करोड़ 61 लाख रुपये की लागत से 46 योजनाओं का शिलान्यास हुआ. रामगढ़ जिले में 108 करोड़ 53 लाख रुपये की लागत से एक योजना का शिलान्यास तथा हजारीबाग जिले में 36 करोड़ 46 लाख रुपये की दो योजनाओं का उद्घाटन एवं 13 करोड़ 97 लाख रुपये की एक योजना का ऑनलाइन शिलान्यास किया. इनमें जिन महत्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास हुआ, उसमें बोकारो जिले में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, तेनुघाट थर्मल पावर स्टेशन ललपनिया में 50 मेगावाट का सोलर पावर स्टेशन, रामगढ़ के पतरातू में रेलवे ओवरब्रिज और हजारीबाग में झील का सौंदर्यीकरण शामिल है. वहीं, हजारीबाग नगर निगम के नए भवन को मुख्यमंत्री ने वहां की जनता को समर्पित किया.

आदिवासी- मूलवासियों को रोजगार देने के लिए प्रयासरत : हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड अलग राज्य की लड़ाई इसलिए भी लड़ी गई थी कि यहां की आर्थिक गतिविधियों में आदिवासियों-मूलवासियों को रोजगार और अधिकार मिले. लेकिन, राज्य गठन के 20 वर्षों तक आदिवासी-मूलवासियों को आर्थिक गतिविधियों से अलग रखने का कार्य किया जाता रहा. जब हमारी सरकार बनी, तो हमने यहां के सभी निजी संस्थानों में स्थानीय लोगों को रोजगार दिलाने के लिए नीति बनाई. मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में उद्योग-धंधे के लिए जमीन अधिग्रहण कर लिया जाता है, लेकिन, विस्थापितों को वर्षों तक उनका हक-अधिकार नहीं मिल पाता है. विस्थापितों को उनका हक-अधिकार दिलाने के लिए राज्य सरकार उनके साथ है.

हर वर्ग और तबके को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के हर वर्ग और तबके को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की योजनाएं हैं. आज हर बुजुर्ग को पेंशन मिल रहा है. महिलाओं को सम्मान राशि देने का ऐतिहासिक निर्णय लिये हैं. किसानों के दो लाख रुपये तक का कर्ज माफ हो चुके हैं. 200 यूनिट बिजली फ्री देने के साथ बकाया बिजली बिल माफ का दिया गया है. इसके अलावा अनेकों ऐसी योजनाएं हैं, जिनके माध्यम से राज्यवासियों को सशक्त बना रहे हैं.

न्यूज अपडेट

थाईलैंड : बस हादसे में 20 बच्चों की मौत

बैंकाक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में प्राइमरी स्कूल के बच्चों से भरी एक बस के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद उसमें आग लग गई. 16 बच्चों और तीन शिक्षकों की जान बचने की बात सामने आ रही है लेकिन 22 छात्रों और तीन शिक्षकों की अब भी जानकारी नहीं मिली है. तस्वीरों से मालूम चल रहा है कि आग के कारण बस पूरी तरह से बर्बाद हो गई है. स्थानीय मीडिया के अनुसार जांचकर्ताओं का कहना है कि आग की गर्मी के कारण वे बस में घुस नहीं पा रहे हैं.

प्रधानमंत्री किशिदा ने दिया इस्तीफा

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा ने मंगलवार को अपने मंत्रिमंडल के साथ इस्तीफा दे दिया. स्थानीय मीडिया के अनुसार, इसके साथ ही राजनीतिक घोटालों और बढ़ती महंगाई से प्रभावित उनके तीन साल के कार्यकाल का अंत हो गया. इस बीच जापान की सत्तारूढ़ पार्टी के नेता शिगेरु इशिबा, मंगलवार को प्रतिनिधि सभा द्वारा प्रधानमंत्री के रूप में चुने गए. किशिदा प्रशासन के कैबिनेट मंत्रियों ने एक कैबिनेट बैठक में सामूहिक रूप से त्यागपत्र सौंपे. किशिदा को 4 अक्टूबर, 2021 को जापान के पीएम बने थे.

राहुल गांधी के बयान पर लगाए पोस्टर

नयी दिल्ली। भाजपा ने मंगलवार को दिल्ली के आईटीओ चौराहे पर पोस्टर लगाया है. इसमें कहा गया है कि राहुल गांधी आरक्षण खत्म करना चाहते हैं. वह आरक्षण विरोधी हैं. पोस्टर में राहुल गांधी के बयान का हवाला देकर कहा गया है कि वह आरक्षण खत्म करने के बारे में विचार कर रहे हैं. वह नहीं चाहते हैं कि समाज का दबा-कुचला तबका आगे बढ़े. 2004 से लेकर 2010 तक कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में पिछड़ों का हक मारकर मुस्लिमों को आरक्षण देने का मार्ग प्रशस्त किया.

बगदाद एयरपोर्ट के पास दागे रॉकेट

बगदाद। इराकी सेना ने कहा कि मंगलवार को बगदाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास के इलाकों में दो कत्यूषा रॉकेट गिरे, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ. एक रॉकेट इराकी काउंटर टेररिज्म सर्विस के बेस पर गिरा. इराकी संयुक्त ऑपरेशन कमांड के प्रवक्ता तहसीन अल-खफाजी के अनुसार, यह हमला स्थानीय समयानुसार रात 00:20 बजे हुआ. इराकी सुरक्षा बलों को पश्चिमी बगदाद के अल-अमेरियाह इलाके में एक ट्रक पर एक रॉकेट लॉन्चर मिला. लॉन्चर में कई बिना दागे रॉकेटों को डिफ्यूज कर दिया.

शंघाई सुपरमार्केट में हमला, तीन मरे

शंघाई। चीन की आर्थिक राजधानी शंघाई में सोमवार को एक सुपरमार्केट में चाकू से किए गए हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए. स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. पुलिस को रात 9:47 बजे घटना की सूचना मिली. लिन नाम के हमलावर, को पुलिस के पहुंचने के बाद मौके पर ही पकड़ लिया गया. 18 घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा गया. इनमें से तीन इलाज के दौरान मौत हो गई. यह हमला चीन के सात दिवसीय राष्ट्रीय दिवस की छुट्टी की पूर्व संध्या पर हुआ.

मांसाहारी होटलों को बंद कराने को कहा

लोनी। उत्तर प्रदेश के लोनी से भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने मंगलवार को एसडीएम को पत्र लिखकर मांसाहार की दुकानों को बंद करवाने को कहा है. गुर्जर ने नवरात्रि के दृष्टिगत अपने क्षेत्र में मांस-मछली की दुकानों को बंद करवाने को कहा है. विधायक ने एसडीएम को दिए पत्र में लिखा कि लोनी में नवरात्रि के दृष्टिगत कई कॉलोनियों के निरीक्षण के दौरान एवं कई स्थानों पर मीट की दुकान और मांसाहारी होटल आदि खुले होने की सूचना प्राप्त हुई है, जो बर्दाश्त योग्य नहीं है.

इंटरनेट सम्मेलन का वुचन समिट 19 से

बीजिंग। विश्व इंटरनेट सम्मेलन-2024 का वुचन शिखर सम्मेलन 19 से 22 नवंबर तक चीन के चच्यांग प्रांत के वुचन कस्बे में आयोजित किया जाएगा. यह वुचन शिखर सम्मेलन पूरी तरह से कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर केंद्रित होगा, जिसका विषय 'साइबरस्पेस में साझा भविष्य वाले समुदाय के निर्माण के लिए हाथ मिलाना' है. विश्व इंटरनेट सम्मेलन दुनिया भर से सभी क्षेत्रों के लोगों को वुचन में इकट्ठा होने के लिए आमंत्रित करेगा. साल 2014 से, वुचन शिखर सम्मेलन लगातार 10 वर्षों तक आयोजित किया जा चुका है.

दक्षिण कोरिया ने किया शक्ति प्रदर्शन

सियोंगनाम। दक्षिण कोरिया ने आर्म्ड फोर्सेज डे के अवसर पर मंगलवार को पहली बार अपनी सबसे शक्तिशाली 'मॉन्स्टर' मिसाइल, को सार्वजनिक प्रदर्शन किया. यह उत्तर कोरिया की परमाणु और मिसाइल धमकियों के बीच सोल की प्योंगयांग को स्पष्ट चेतावनी है. राजधानी के दक्षिण में सियोल एयर बेस पर आयोजित एक समारोह में दो मोबाइल मिसाइल लॉन्चर, 'ह्यूनमू-5' ले जा रहे थे. यह मिसाइल उत्तर कोरिया के बड़े हमले की सूरत में दक्षिण कोरिया की जवाबी कार्रवाई की योजना का मुख्य हिस्सा है.

फोन के लालच में डिलीवरी ब्वॉय की हत्या

लखनऊ। थाना चिनहट क्षेत्र में एक गंभीर अपराधिक घटना सामने आई, जहां दो व्यक्तियों ने कैश ऑन डिलीवरी पर दो मोबाइल फोन ऑर्डर किया. जब डिलीवरी बॉय भरत कुमार मोबाइल लेकर पहुंचा, तो आरोपियों ने उसकी लैपटॉप चार्जर से हत्या कर दी. बताया जा रहा है कि दोनों मोबाइल की कीमत लगभग 80 से 90 हजार रुपये थी. आरोपियों ने न केवल मोबाइल फोन लूटे, बल्कि डिलीवरी बॉय का अन्य सामान भी चुरा लिया और उसकी लाश को डिलीवरी के झोले में भरकर इंदिरा नहर में फेंक दिया.

भारतीय वायुसेना की हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम सारंग(बायें) व सूर्य किरण एरोबेटिक टीम (एसकेएटी) मंगलवार को चेन्नई के मरीना बीच पर 92वें भारतीय वायु सेना दिवस के लिए रिहर्सल के दौरान प्रदर्शन करती हुई. 6 अक्टूबर को मरीना बीच पर हवाई साहसिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. 8 अक्टूबर को ताम्बरम वायुसेना प्रशिक्षण केंद्र में सैनिकों द्वारा परेड आयोजित की जाएगी. -आईएएनएस

'क्रूर' पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों से मुकाबले के लिए रूस के साथ मजबूत रिश्ते जरूरी हैं : ईरान

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने पश्चिम के 'क्रूर' प्रतिबंधों का मुकाबला करने के लिए रूस के साथ द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत बनाने पर जोर दिया. सोमवार को उनके कार्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक बयान के मुताबिक, पेजेशकियन ने तेहरान में रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन के साथ बैठक में यह टिप्पणी की. रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि ईरान और रूस के बीच राजनयिक प्रतिनिधिमंडलों के आदान-प्रदान से द्विपक्षीय बातचीत और संबंधों को बढ़ाने में मदद मिलेगी. रूसी प्रधानमंत्री ने ईरान के साथ ऊर्जा, उद्योग, परिवहन, कृषि, स्वास्थ्य और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की मॉस्को की इच्छा व्यक्त की. मिशुस्टिन ने पिछले कुछ महीनों में द्विपक्षीय ट्रेड एक्सचेंज में 'बहुत अच्छी' वृद्धि की सराहना की. रूसी पीएम ने ईरानी राष्ट्रपति को रूस में आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने और 'मास्को-तेहरान व्यापक रणनीतिक समझौते' पर हस्ताक्षर करने के लिए आमंत्रित किया. अरेफ ने मॉस्को के साथ रिश्तों को मजबूत करने के लिए ईरानी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई.

सेना प्रमुख ने माना एलएसी पर स्थिति सामान्य नहीं, लेकिन कहा

भारत किसी भी आकस्मिक स्थिति से मुकाबले को तैयार

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के मुताबिक चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति स्थिर, लेकिन सामान्य नहीं है. दिल्ली कैंट में मंगलवार को चाणक्य रक्षा संवाद में बोलते हुए, जनरल द्विवेदी ने यह बात कही. डिफेंस डायलॉग के दौरान उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति संवेदनशील बनी हुई है. इसके साथ ही सेना प्रमुख ने यह भी बताया कि भारत किसी भी आकस्मिक स्थिति के लिए तैयार है.

गौरतलब है कि मई 2020 में भारत चीन सीमा पर सैन्य गतिरोध शुरू हुआ था. जनरल द्विवेदी ने बताया कि भारत का लक्ष्य मई 2020 में शुरू हुए सैन्य गतिरोध से पहले की स्थिति को बहाल करना है. इसमें लैंड ऑक्यूपेशन, बफर जोन और पेट्रोलिंग की स्थितियों को पहले की स्थिति में बहाल करना है. जनरल द्विवेदी ने कहा कि जब तक उस स्थिति की बहाली नहीं हो जाती, वहां स्थिति संवेदनशील बनी रहेगी. सीमा पर चीन के संदर्भ में जनरल द्विवेदी ने कहा कि स्थिति स्थिर है, लेकिन सामान्य नहीं है और संवेदनशील है. अगर ऐसा है तो हम क्या चाहते हैं, हम चाहते हैं कि अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति बहाल हो. चीन के साथ, आपको प्रतिस्पर्धा, सहयोग, सह-अस्तित्व, टकराव और प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए. इसलिए जब तक वह स्थिति बहाल नहीं हो जाती, जहां तक हमारा सवाल है, स्थिति संवेदनशील रहेगी और हम (सेना) किसी भी प्रकार की आकस्मिक स्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं.

कूटनीतिक वार्ता से मिले हैं सकारात्मक संकेत : जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच चल रही कूटनीतिक वार्ता के बावजूद, किसी भी समझौते का क्रियान्वयन जमीन पर सैन्य कमांडरों पर निर्भर करता है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कूटनीतिक वार्ता से सकारात्मक संकेत मिले हैं. बावजूद इसके अभी तक सेनाओं की पूरी तरह से वापसी नहीं हो सकी है. चीन के साथ सीमा मुद्दे पर चर्चा करते हुए सेना प्रमुख ने कहा कि हम चाह रहे हैं कि अप्रैल 2020 से पहले जो स्थिति थी, वह बहाल हो. इसलिए जब तक वह स्थिति बहाल नहीं हो जाती, जहां तक हमारा सवाल है, स्थिति संवेदनशील बनी रहेगी और हम पूरी तरह से परिचालन के लिए तैयार हैं. वहीं चीन द्वारा आधुनिक सीमावर्ती गांव बसाए जाने की भी खबर है.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'वायु वीर विजेता रैली' को दिखाई हरी झंडी

भारतीय वायुसेना 8 अक्टूबर को अपनी 92वीं वर्षगांठ मनाने जा रही है. इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को 'वायु वीर विजेता रैली' को दिल्ली से रवाना किया. लद्दाख के थोइस से अरुणाचल प्रदेश के तवांग तक 7000 किलोमीटर लंबी तय करेगी रैली. इस दौरान वायुसेना के एयर चीफ मार्शल अमनप्रीत सिंह समेत तमाम अधिकारी भी मौजूद रहे. मेगा कार रैली में महिलाओं समेत 52 वायु योद्धा शामिल होंगे. वायु योद्धा 16 पड़ावों पर रुकेंगे. वायुसेना का एडवेंचर सेल इस रैली का नेतृत्व कर रहा है.

जेएंडके शांति और समृद्धि की तरफ अग्रसर : जनरल उपेंद्र द्विवेदी

आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भारतीय सीमावर्ती गांवों के विषय में कहा कि हमारे देश में इस तरह के मॉडल विलेज बनते आ रहे हैं. अब राज्य सरकारों को भी संसाधन जोड़ने का अधिकार है. अब सेना, राज्य सरकारें और केंद्र सरकार की निगरानी सब एक साथ जारी है, इसलिए अब जो नए मॉडल विलेज बन रहे हैं, वे और भी बेहतर होंगे. जम्मू-कश्मीर पर आर्मी चीफ ने कहा कि आर्टिकल 370 हटने के बाद अब वहां स्कूली बच्चों को मालूम हैं कि उन्हें कौन सा झंडा ड्रॉ करना है. भारतीय सेना प्रमुख का कहना है कि उन्हें लगता है कि हम शांति और समृद्धि की तरफ अग्रसर हैं.

दिल्ली की सीमा पर हिरासत में लिए गए सोनम वांगचुक समेत 150 लोग

भाजपा पर बिफर पड़ा विपक्ष राहुल गांधी ने कहा- चक्रव्यूह और आपका अहंकार टूटेगा

मुख्यमंत्री आतिशी को सोनम वांगचुक से मिलने को रोका

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने सोमवार रात को सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सिंघु बॉर्डर से हिरासत में ले लिया है. उनके साथ करीब 150 लोगों को भी हिरासत में लिया गया है. वह अपनी 700 किलोमीटर लंबी "दिल्ली चलो पदयात्रा" करते हुए दिल्ली में प्रवेश कर रहे थे. सोनम वांगुचक ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर हिरासत में लिए जाने की जानकारी दी है. बता दें कि सोमन वांगचुक केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर दिल्ली की ओर मार्च कर रहे थे, जिसको लेकर सिंघु बॉर्डर पर भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है. सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने पर देश की सियासत एक बार फिर से गर्मा गई है. विपक्ष के नेताओं ने सरकार पर हमला बोलना शुरू कर दिया है. वहीं दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी सोनम वांगचुक से मिलने थाने पहुंची, लेकिन उन्हें रोक दिया गया है.

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि पर्यावरण और संवैधानिक अधिकारों के लिए शांतिपूर्वक मार्च कर रहे सोनम वांगचुक जी और सैकड़ों लद्दाखियों को हिरासत में लेना अस्वीकार्य है. लद्दाख के भविष्य के लिए खड़े होने वाले बुजुर्गों को दिल्ली की सीमा पर क्यों हिरासत में लिया जा रहा है? मोदी जी, किसानों की तरह यह चक्रव्यूह भी टूटेगा और आपका अहंकार भी टूटेगा. आपको लद्दाख की आवाज सुननी होगी. वहीं दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने को लेकर एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि दिल्ली में आने से कभी किसानों को रोकते हैं, कभी लद्दाख के लोगों को रोकते हैं. क्या दिल्ली किसी एक शख़्स की बपौती है? दिल्ली देश की राजधानी है. दिल्ली में आने का सब को अधिकार है. ये सरासर ग़लत है. निहत्थे शांतिपूर्ण लोगों से इन्हें क्या डर लग रहा है?

सिद्धारमैया की पत्नी बीएम पार्वती ने बदले में मिली ज़मीन लौटाने की पेशकश की

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी बीएम पार्वती ने मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (मूडा) को पत्र लिखकर कहा है कि उनकी 3.1 एकड़ जमीन के बदले जो उसने 14 भूखंड दिए थे, वो वापस ले ले. मैसूर डेवलपमेंट अथॉरिटी के अध्यक्ष को लिखे पत्र में बीएम पार्वती ने कहा है कि उनका रुख़ स्पष्ट था और उन्होंने यह निर्णय बिना अपने पति और बेटे से सलाह के लिया था. पावर्ती ने पत्र में कहा है कि उनके पति की प्रतिष्ठा और सम्मान किसी भी दौलत और जमीन से बढ़कर है. उनका यह पत्र सिद्धारमैया की क़ानूनी लड़ाई के बहुत ही नाजुक समय पर आया है. साइटों के आवंटन के मामले में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने जांच के आदेश दिए थे. सिद्धारमैया की जांच की मंजूरी को रद्द करने के लिए दायर की गई याचिका को कर्नाटक हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया था. इसके बाद ही विशेष अदालत ने मैसूर लोकायुक्त पुलिस को जांच के आदेश दिए थे.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जमैका के पीएम एंड्रयू होलनेस से मुलाकात की

- दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों पर की चर्चा

एजेंसी। नयी दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हैदराबाद हाउस में जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस के साथ द्विपक्षीय वार्ता की. दोनों नेताओं ने भारत और जमैका के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की. होलनेस की नई दिल्ली यात्रा का ऐतिहासिक महत्व है. वह भारत दौरे पर आने वाले जमैका के पहले पीएम हैं. उनकी चार दिवसीय यात्रा 3 अक्टूबर तक जारी रहेगी. इससे पहले दिन में होलनेस ने राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की.

इस दौरे के दौरान कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है, जिससे द्विपक्षीय सहयोग और मजबूत होगा. भारत और जमैका के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों की जड़ें बेहद गहरी हैं. दोनों देशों का औपनिवेशिक अतीत साझा है, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता और क्रिकेट के प्रति जुनूनू दोनों देशों

में देखने को मिलता है. इस यात्रा से भारत-जमैका के बीच कूटनीतिक संबंधों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है. आबादी का एक छोटा हिस्सा होने के बावजूद भारतीयों ने अपने जमैका पर सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन पर गहरा असर डाला है. 1995 में, जमैका सरकार ने देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में भारतीयों के योगदान को मान्यता देते हुए 10 मई को भारतीय विरासत दिवस घोषित किया. 1 मार्च, 1998 को जमैका में भारतीय संस्कृति के लिए राष्ट्रीय परिषद का गठन किया गया. यह भारतीय संघों का छात्र संगठन है जिसका मिशन भारतीय संस्कृति को संरक्षित और बढ़ावा देना है.

एसआईटी ने तिरुपति लड्डू में मिलावट की जांच अस्थायी रूप से रोकी

तिरुपति। आंध्र प्रदेश पुलिस ने सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियों बाद तिरुपति लड्डू में कथित मिलावट मामले को लेकर विशेष जांच दल (एसआईटी) के द्वारा की जा रही जांच की कार्रवाई पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है. पुलिस महानिदेशक द्वारका तिरुमाला राव ने कहा कि, चूंकि मामला सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए एसआईटी अपनी जांच अस्थायी रूप से रोकेगी.

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा था कि वर्तमान में ऐसा कुछ भी नहीं है, जो यह साबित करे कि आंध्र प्रदेश में पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान तिरुपति के लड्डू बनाने में पशु वसा का इस्तेमाल किया गया था. इसमें कहा गया है कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को बिना पुख्ता तथ्यों के आधार पर सार्वजनिक बयान देने से पहले ईश्वर को राजनीति से दूर रखना चाहिए था.

दक्षिणी लेबनान के 25 गांवों के लोगों को इसराइल ने घर छोड़ने को कहा

इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह के खिलाफ शुरू की जमीनी कार्रवाई

अमेरिका बोला-इजरायल को आत्मरक्षा का अधिकार

एजेंसियां। बेरुत/वाशिंगटन

इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अपने अभियान को और तेज करते हुए सीमित स्तर पर जमीनी सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी है. इसराइल ने दक्षिणी लेबनान के कुछ भागों में लोगों से उनके घरों को खाली करने को कहा है. सोशल मीडिया पर डाले गए एक पोस्ट में इसराइली डिफेंस फोर्सेस के प्रवक्ता अविचाई आंद्री ने प्रभावित होने वाले लगभग 25 गांवों की सूची दी है. उनका कहना है कि इसराइल की सेना उनको नुकसान नहीं पहुंचाना चाहती. जिन भी घरों का प्रयोग हिज़्बुल्लाह अपनी सैन्य जरूरतों के लिए कर रहा है उनको निशाना बनाया जा सकता है. आंद्री ने लोगों से तुरंत अवाली नदी के उत्तर की ओर जाने के लिए कहा है. उन्होंने कहा कि लोगों को दक्षिण की ओर नहीं जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि हम आपको घरों में लौटने के सुरक्षित समय के बारे में सूचित करेंगे.

इसी के साथ इसराइली सेना ने पुष्टि की है कि उसने बीती रात में दाहियाह में हिज़्बुल्लाह के इन्फ्रास्ट्रक्चर समेत हथियार बनाने वाली कई जगहों पर 'सटीक हमले' किए हैं. बेरूत के दक्षिणी उपनगर दाहियाह को हिज़्बुल्लाह का मज़बूत गढ़ माना जाता है. वहीं लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि सोमवार को लेबनान में इसराइल के ताज़ा हवाई हमलों में तक़रीबन 95 लोगों की मौत हुई है और 172 लोग घायल हुए हैं. बीते दो सप्ताह में लेबनान में 1,000 से अधिक लोग मारे गए हैं जबकि लाखों लोग विस्थापित हुए हैं. इसी बीच अमेरिका ने एक बार फिर यहूदी राष्ट्र का खुलकर समर्थन किया है. इजरायल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के साथ फोन पर बातचीत में अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने वॉशिंगटन का समर्थन दोहराया. हालांकि उन्होंने इजरायल-लेबनान सीमा के दोनों ओर नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक कूटनीतिक समाधान पर बल दिया.

ईरान के इजरायल पर हमले के होंगे गंभीर नतीजे

अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने इजराइल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन दोहराते हुए कहा कि दोनों पक्ष लेबनान की सीमा पर आक्रमणकारी बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के महत्व पर सहमत हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हिजबुल्लाह इजरायल के उत्तरी समुदायों पर 7 अक्टूबर जैसे हमले न कर सके. कहा कि अमेरिका ईरान और ईरान समर्थित आतंकवादी संगठनों के खतरे से अमेरिकी कर्मियों, साझेदारों और सहयोगियों की रक्षा करने के लिए अच्छी स्थिति में है और किसी को भी तनाव का फायदा उठाने या संघर्ष का विस्तार करने से रोकने के लिए दृढ़ है. यदि ईरान इजरायल के खिलाफ सीधा सैन्य हमला करने का फैसला करता है तो इसके गंभीर परिणाम होंगे. उन्होंने संघर्ष के विस्तार की स्थिति में इजरायल को समर्थन देने की अमेरिका की प्रतिबद्धता पर जोर दिया.

लेबनानी पीएम बोले यूएन प्रस्ताव लागू करने के लिए तैयार

वहीं लेबनान के प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने कहा कि उनका देश दक्षिणी सीमा पर इजरायल के साथ तनाव कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 1701 को लागू करने के लिए तैयार है. यह घोषणा इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच युद्ध विराम के लिए अंतरराष्ट्रीय अपील के जवाब में की गई. मिकाती ने कहा कि लेबनान संरा शांति सैनिकों के साथ समन्वय में लिटानी नदी के दक्षिण में अपनी सेना तैनात करने के लिए तैयार है. 2006 में पारित 'संकल्प 1701' संग इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच 33 दिनों तक चला युद्ध खत्म हुआ था.

अवसर — पुराने इनकम टैक्स बकाया को लेकर लंबित विवादों को निपटा पाएंगे करदाता

विवाद से विश्वास स्कीम लागू, भरिए डिक्लेरेशन फार्म

एजेंसी। नई दिल्ली

करदाताओं के पुराने इनकम टैक्स विवादों को समाप्त करने के लिए 'विवाद से विश्वास स्कीम 2024' सोमवार से लागू हो गई है. इस स्कीम का ऐलान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से आम बजट 2024 के दौरान किया गया था.

इस स्कीम का उद्देश्य देश में इनकम टैक्स के पुराने विवाद को सुलझाना करना है. 'विवाद से विश्वास स्कीम 2024' के जरिए 22 जुलाई 2024 तक आयकर आयुक्त (अपील), आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, उच्च न्यायालयों या सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित

प्रत्यक्ष कर के मामलों को निपटाया जा सकता है. इस स्कीम का फायदा कोई भी व्यक्ति उठा सकता है, जिसका इनकम टैक्स के बकाया को लेकर मामला लंबित है. हालांकि, वे लोग इस स्कीम का फायदा नहीं उठा सकते हैं, जिन पर खोज और जब्ती, विदेशों में अघोषित आय जैसे गंभीर आयकर के मामले चल रहे हों. 'विवाद से विश्वास स्कीम 2024' स्कीम का फायदा लेने के लिए आपको विवाद से इस स्कीम के तहत जारी फॉर्म- 1 भरना होगा, जिसे इनकम टैक्स की वेबसाइट पर लोड कर दिया गया है. इसमें आपको डिक्लेरेशन देना होगा. हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि आपके किसी भी डिक्लेरेशन को टैक्स अथॉरिटी स्वीकार कर लेगा. इससे पहले सरकार की ओर से 'विवाद से विश्वास स्कीम 2020' लाई गई थी, जिसमें 31 जनवरी, 2020 से पहले की इनकम टैक्स अपील को निपटाया गया था.

टैक्स अपील दायर करने की समयावधि पर अलग-अलग नियम

- अगर आपकी टैक्स अपील 31 जनवरी, 2020 से 22 जुलाई, 2024 के बीच दायर की गई है और इस स्कीम के तहत बकाया भुगतान एक अक्टूबर 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच किया जाता है, तो विवादित कर का 100 प्रतिशत और ब्याज, जुर्माना और फीस का 25 प्रतिशत अदा करना होगा. वहीं, अगर आप एक जनवरी 2025 के बाद भुगतान करते हैं, तो विवादित कर का 110 प्रतिशत और ब्याज, जुर्माना और फीस का 30 प्रतिशत चुकाना होगा.
- अगर आपकी टैक्स अपील 31 जनवरी, 2020 से पहले दायर की गई है और इस स्कीम के तहत बकाया भुगतान एक अक्टूबर 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच किया जाता है, तो विवादित कर का 110 प्रतिशत और ब्याज, जुर्माना और फीस का 30 प्रतिशत अदा करना होगा. वहीं, अगर आप एक जनवरी 2025 के बाद भुगतान करते हैं तो विवादित कर का 120 प्रतिशत और ब्याज, जुर्माना और फीस का 35 प्रतिशत चुकाना होगा.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)